डाक पंजीयन संख्या/643/2016-2018/2016
RNI-MPHIN/2015/62199

नई सोच, नई पहल

पुष्पांजली टुडे

वर्ष : 07 अंक : 12 | दिसंबर 2022 | मूल्य: ₹ 30 | पृष्ठ : 44

गुजरात चुनाव
लोकसभा का सेमीफाइनल

G20 भारत 2023 INDIA

में भारत का दबदबा

वसुधैव कुटुम्बकम्

ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

दुनियां में बढ़ती भारत की साख...

जिस पल का इंतजार हरेक देशवासी को था वो घड़ी आ गई भारत ने एक दिसंबर को आधिकारिक तौर पर जी 20 की अध्यक्षता संभाल ली है। जी 20 दुनिया की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का समूह है। इसकी अध्यक्षता संभालते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये समय भारत की आध्यात्मिक परंपरा से प्रोत्साहित होने का है। जी20 शिखर सम्मेलन तक देश भर के 50 शहरों में 200 से

अधिक बैठकों की योजना बनाई गई है। इनमें से कुछ बैठकों की मेजबानी करने के लिए देश के उन हिस्सों का चयन किया गया है जिनके बारे में लोगों को बेहत कम जानकारी है।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व का प्रभाव निरंतर बढ़ रहा है और विश्व के लगभग सभी देश प्रधानमंत्री व भारत की ओर आशा की दृष्टि से देख रहे हैं। कोरोना महामारी की लड़ाई से थके हुए विश्व में अर्थ व्यवस्थाओं में मंदी और उसके करण उपजी नागरिक समस्याओं के साथ साथ रूस-यक्रेन युद्ध सहित कई अन्य कारणों से तनाव व्याप्त है। किसी भी समय, किसी भी देश की एक गलती से धरती का बड़ा भाग परमाणु विध्वंस की चपेट में आ सकता है किन्तु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भारत की वर्तमान कूटनीति ने स्थितियों को बिगड़ने से बचा रखा है।

जी20 देशों के नेताओं की बैठक ऐसे समय में हुई, जब पूरी दुनिया यक्रेन संकट से पैदा हुई चुनौतियों का सामना कर रही है। वहीं, कोविड-19 महामारी से दुनिया अभी उबर रही है और जलवायु परिवर्तन की चुनौती मुंह बाए खड़ी है। लेकिन भारत ने जी20 को राजनीतिक घमासान का मंच बनने नहीं दिया। आखिर में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने भारत को जी-20 की अध्यक्षता सौंप दी। वहीं एससीओ समिट में पूतिन ने पीएम मोदी की इस राय को तवज्जो दी। उन्होंने दुनिया को यकीन दिलाया कि भारत के साथ उनके संबंध पहले की तरह ही हैं। हाल ही में रूस की सबसे बड़ी पॉलिटिकल कॉन्फ्रेंस वल्दाई फोरम में भी पूतिन ने भारत का जिक्र किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को एक बड़ा देशभक्त बताया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने बड़ी तरक्की की है और भारत के साथ रूस के गहरे संबंध हैं, जिसे आगे बढ़ाने की कोशिश होनी चाहिए। पूतिन ने यह भी कहा कि पीएम मोदी ऐसे व्यक्ति हैं, जो स्वतंत्र विदेश नीति को आगे बढ़ा रहे हैं। यानी पूतिन को भारत के निष्पक्ष और तटस्थ रुख पर भरोसा है। इधर, अमेरिका कोशिश कर रहा है कि यूक्रेन अपनी ओर से रूस को सिग्नल दे कि वह बातचीत करना चाहता है। भारत जी-20 में संस्कृति, सांस्कृतिक विरासत, विविधता और 75 वर्षों की अपनी उपलब्धियों और प्रगति को भी पेश करेगा। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के अनुसार भारत अपनी अध्यक्षता में अगले साल 9 और 10 सितंबर को जी-20 के नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

वहीं दूसरी ओर भारत के प्रधानमंत्री मोदी, जिन्होंने पूरे विश्व में देश का मान-सम्मान बढ़ाया, जिनसे आज वैश्विक नेता विभिन्न चुनौतियों से निबटने के लिए राय-मशविरा करते हैं, उन जैसे महान व्यक्तित्व से यदि कांग्रेस के नेता औकात पूछने लगें तो प्रश्न उठेगा ही कि कांग्रेस को सामने दिख रही हकीकत क्यों नजर नहीं आती? लंबे अरसे तक इस देश में कांग्रेस के नेता प्रधानमंत्री रहे उसके बावजूद पार्टी यह नहीं समझ पाई है कि प्रधानमंत्री पद पर बैठा व्यक्ति एक संवैधानिक संस्था के समान होता है। प्रधानमंत्री के लिए औकात शब्द का प्रयोग करने वाली कांग्रेस यहीं तक सीमित नहीं रही। यह संज्ञा कांग्रेस के किसी छुटभैये नेता ने नहीं बल्कि कांग्रेस के नये अध्यक्ष और राजनीति में लंबा अनुभव रखने वाले वयोवृद्ध नेता मल्लिकार्जुन खडगे ने दी है। कांग्रेस के मन में मोदी विरोध कितना कूट-कूट कर भरा है यह भी इसी से पता चलता है कि पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में वादा किया है कि वह गुजरात में सरकार बनने पर नरेंद्र मोदी स्टेडियम का नाम बदल देगी।

भरत सिंह चौहान
संपादक

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व का प्रभाव निरंतर बढ़ रहा है और विश्व के लगभग सभी देश प्रधानमंत्री व भारत की ओर आशा की दृष्टि से देख रहे हैं। कोरोना महामारी की लड़ाई से थके हुए विश्व में अर्थ व्यवस्थाओं में मंदी और उसके करण उपजी नागरिक समस्याओं के साथ साथ रूस-यक्रेन युद्ध सहित कई अन्य कारणों से तनाव व्याप्त है। किसी भी समय, किसी भी देश की एक गलती से धरती का बड़ा भाग परमाणु विध्वंस की चपेट में आ सकता है किन्तु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भारत की वर्तमान कूटनीति ने स्थितियों को बिगड़ने से बचा रखा है।

पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष 08, अंक 12, दिसंबर 2022 (संयुक्तांक)

मूल्य 30 रु, पृष्ठ 44

संरक्षक	**बहादुर सिंह चौहान**
संपादक	**भरत सिंह चौहान**
प्रबंध संपादक	शैलेश सिंह कुशवाह
उप प्रबंध संपादक	आर. एन. शर्मा
उपसंपादक	अर्पित गुप्ता, महेन्द्र शर्मा, छोटे सिंह भदौरिया, रघुवरदयाल गोहिया पुष्पेन्द्र तोमर (मप्र) संदीप प्रधान (मप्र) प्रदीप नागेन्द्र सिकरवार
कानूनी सलाहकार	एड. आर. के. जोशी
एडिटिंग	इमरान गौरी
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी	आर एस रजक

रश्मि चौहान, न्यूज ऐंकर
स्टेट हेड

पंकज त्रिपाठी	मध्यप्रदेश
अश्वनी अवस्थी	छत्तीसगढ़
नरेंद्र शर्मा	हरियाणा
आनंद कुमार शाही	झारखण्ड
मनोज कुमार	बिहार
नारायण लाल	कर्नाटक
दीपक रहलन	पंजाब
नैनाराम सिरवी	राजस्थान
अमित कुमार	जम्मू-कश्मीर (यूटी)
अनिल कुशवाह	प्रभारी मप्र

ब्यूरो चीफ

गौरी शंकर कुशवाह	सागर संभाग, मध्यप्रदेश
केशव प्रसाद शर्मा	चम्बल संभाग
रूप सिंह	कानपुर मंडल उत्तरप्रदेश
हरिचरण प्रजापति	पन्ना मध्यप्रदेश
पवन कुमार शाही	गोपालगंज बिहार
राम दयाल गौतम	अम्बेडकर नगर उत्तरप्रदेश
मोहित शर्मा	विदिशा मध्यप्रदेश
रितेश कटरे	बालाघाट मध्यप्रदेश
मुन्ना खान	खरगोन मध्यप्रदेश
विनोद पाठक	श्योपुर मध्यप्रदेश
सोनू कुमार माथुर	एटा उत्तरप्रदेश
हरिनिवास दुबे	मथुरा उत्तरप्रदेश
किरण राठौर	औरैया उत्तरप्रदेश
मोहन मांझी (मोनू बाथम)	गोहद, भिण्ड

कार्यालय

जी. एस. प्लाजा, गोले का मंदिर ग्वालियर मध्य प्रदेश

हेल्पलाईन: 0751-4050784, 8269307478

www.pushpanjalitoday.com, Email-pushpanjalitoday@gmail.com

इस अंक में पढ़ें

05

07

08

09

10

13

पुष्पांजली टुडे रिपोर्टर

आदित्य सिंह	सोशल रिपोर्टर ऑल इंडिया
सादिक मिर्ज़ा	ऑल इंडिया
संतोष भदौरिया	मध्यप्रदेश
गौरव शर्मा	मध्यप्रदेश
अमित शर्मा	मध्यप्रदेश
रहीश खान	ग्वालियर संभाग
उमाकांत शर्मा	चम्बल संभाग
भरत राजपूत	अहमदाबाद, गुजरात
हरिओम परिहार	शिवपुरी क्राइम रिपोर्टर
अरिमर्दन सिंह भदौरिया	भिण्ड क्राइम रिपोर्टर
प्रतीश अग्रवाल	गुना मध्यप्रदेश
अभिषेक कुशवाह	सिरोंज, विदिशा
हेमचंद नागेश	उरमल मैनपुर छत्तीसगढ़
आकाश मिश्रा	गरियाबंद छत्तीसगढ़
विजय चौधरी	हज़ारीबाग
प्रवीन कुमार राज	हज़ारीबाग
सुनील सिंह तोमर	अम्बाह
शिवकांत ओझा	रौन,भिण्ड
चेतना कारले	खरगोन

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान। कंचन प्रिंटिंग प्रेस निम्बालकर का बाड़ा, तेजी की बजरिया नियर पी.एंड.एन. बैंक नया बाजार लश्कर ग्वालियर म.प्र. से मुद्रित तथा दीपू इलेक्ट्रोनिक्स हनुमान मंदिर के पास, गोवर्धन कॉलोनी भिण्ड रोड, गोला का मंदिर जिला ग्वालियर म.प्र. से प्रकाशित। संपादक भरत सिंह चौहान। (समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) दूरभाष 8269307478

G20 में भारत का डंका

बाली में नमो-नमो

भारत को मिली जी-20 की कमान

“ जी-20 में दुनिया के दिग्गज नेताओं का जमावड़ा रहा जी-20 देशों के नेताओं की यह बैठक ऐसे समय में हुई, जब पूरी दुनिया यूक्रेन संकट से पैदा हुई चुनौतियों का सामना कर रही है। वहीं, कोविड-19 महामारी से दुनिया अभी उबर रही है और जलवायु परिवर्तन की चुनौती मुंह बाए खड़ी है। दूसरी तरफ, वैश्विक नजरिया देखें तो पूरी दुनिया यूक्रेन संकट पर दो ध्रुवों में बंटी दिख रही है। अमेरिका के खेमे वाले देशडु हर मंच पर रूस की खिंचाई करते हैं। लेकिन भारत ने जी20 को राजनीतिक घमासान का मंच बनने नहीं दिया। आखिर में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने भारत को जी-20 की अध्यक्षता सौंप दी है। अब भारत के हाथों में जी-20 की कमान आ गई है।

यूक्रेन में रूस के हमले के बाद दुनिया के देश भारत से उम्मीद लगाए बैठे थे। मोदी कभी पुतिन से बात करते तो कभी यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से। भारत ने हर वैश्विक मंच पर बहुत ही सधी प्रतिक्रिया दी। ऐसे में जब जी20 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बोलना शुरू किया तो उन्होंने यक्रेन संकट का भी जिक्र किया। रूस हमारा भरोसेमंद और पुराना सहयोगी है। भारत उसे नाराज नहीं करना चाहता है। इन सबके बीच पीएम मोदी ने यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए ‘संघर्ष विराम और कूटनीति’ के रास्ते पर लौटने का आह्वान किया। जी-20 शिखर सम्मेलन जैसे अवसर दुनिया के देशों से संबंध बनाने का मौका भी होता है। शुरुआत में ही उनकी अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ गर्मजोशी देखी गई थी। बाद में दोनों नेताओं ने उभरती प्रौद्योगिकियों, एडवांस्ड कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में मजबूत होते सहयोग सहित भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की। इसके अलावा पीएम मोदी ने दुनिया के कई नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। बाली में पीएम ने भी जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज के साथ आर्थिक और रक्षा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। आज दोपहर के भोजन पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों से बातचीत हुई और इस दौरान रक्षा, परमाणु ऊर्जा, व्यापार, खाद्य सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर बात हुई। भारतवंशी ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक से भी गर्मजोशी भरी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने बाली में प्रवासी भारतीय समुदाय को संबोधित कर उन्हें जोश से भर दिया। उन्होंने भारत की विकास गाथा, इसकी उपलब्धियों और भारत द्वारा विभिन्न क्षेत्रों जैसे - डिजिटल तकनीकी, स्वास्थ्य, दूरसंचार और अंतरिक्ष में हासिल की जा रही जबरदस्त प्रगति का भी जिक्र किया। पीएम ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि में वैश्विक भलाई की भावना है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत अब बड़ा सोचता है और उच्च लक्ष्य रखता है।

भारत का जी-20 एजेंडा समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्रवाई उन्मुख और निर्णायक होगा: प्रधानमंत्री मोदी

भारत ने जी-20 की अपनी अध्यक्षता शुरू करने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के विषय से प्रेरित होकर एकता को बढ़ावा देने के लिए काम करेगा और आतंक, जलवायु परिवर्तन,

महामारी को सबसे बड़ी चुनौतियों के तौर पर सूचीबद्ध करेगा जिनका एक साथ मिलकर बेहतर तरीके से मुकाबला किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत की जी-20 प्राथमिकताओं को न केवल हमारे जी-20 भागीदारों, बल्कि दुनिया के दक्षिणी हिस्से के हमारे साथी देशों के परामर्श से आकार दिया जाएगा, जिनकी आवाज अक्सर अनसुनी कर दी जाती है। उन्होंने कहा कि भारत का जी-20 एजेंडा समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्रवाई उन्मुख और निर्णायक होगा। उन्होंने विभिन्न अखबारों और उनकी वेबसाइट पर डाले गए एक लेख में कहा, आइए हम भारत की जी-20 अध्यक्षता को राहतकारी, सद्भाव और उम्मीद भरी पहल के साथ जुड़ें। आइए हम मानव-केंद्रित वैश्वीकरण के एक नए प्रतिमान को आकार देने के लिए मिलकर काम करें। प्रधानमंत्री ने ट्वीट की एक श्रृंखला में कहा कि देश टिकाऊ जीवन शैली को प्रोत्साहित करने, भोजन, उर्वरकों और चिकित्सा उत्पादों की वैश्विक आपूर्ति को गैर-राजनीतिकरण करने पर काम करने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा, मेरा दृढ़ विश्वास है कि अभी और आगे बढ़ने तथा समग्र रूप से मानवता को लाभान्वित करने के लिए एक मौलिक मानसिकता के बदलाव को उत्प्रेरित करने का सबसे अच्छा समय है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'किसी का फायदा, किसी का नुकसान' (जीरो-सम) वाली पुरानी मानसिकता में फंसे रहने का समय चला गया है, जिसके कारण आभाव और संघर्ष दोनों देखने को मिले थे। उन्होंने कहा, यह हमारी आध्यात्मिक परंपराओं से प्रेरित होने का समय है जो एकता की वकालत करती हैं और वैश्विक चुनौतियों को हल करने के लिए मिलकर काम करती हैं। भारतीय कूटनीति के लिहाज से अहम मील का पत्थर मानी जा रही जी-20 की अध्यक्षता पर अपने विचार साझा करते हुए लेख में उन्होंने लिखा, ÷भारत ने इस महत्वपूर्ण पद को ग्रहण किया है और मैं खुद से पूछता हूं-क्या जी-20 अब भी आगे बढ़ सकता है? क्या हम मानवता के कल्याण के लिए मानसिकता में मौलिक बदलाव को उत्प्रेरित कर सकते हैं? मुझे विश्वास है कि हम कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हमारी परिस्थितियां ही हमारी मानसिकता को आकार देती हैं। पूरे इतिहास के दौरान, मानवता अभाव में रही। हम सीमित संसाधनों के लिए लड़े, क्योंकि हमारा अस्तित्व दूसरों को उन संसाधनों से वंचित कर देने पर निर्भर था। विभिन्न विचारों, विचारधाराओं और पहचानों के बीच, टकराव और प्रतिस्पर्धा आदर्श बन गए। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, हम आज भी उसी शून्य-योग की मानसिकता में अटके हुए हैं। हम इसे तब देखते हैं जब विभिन्न देश क्षेत्र या संसाधनों के लिए आपस में लड़ते हैं। हम इसे तब देखते हैं जब आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति को हथियार बनाया जाता है। हम इसे तब देखते हैं जब कुछ लोगों द्वारा टीकों की जमाखोरी की जाती है, भले ही अरबों लोग बीमारियों से असुरक्षित हों। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ लोग यह तर्क दे सकते हैं कि टकराव और लालच मानवीय स्वभाव है। उन्होंने कहा कि वह इससे असहमत हैं। उन्होंने पूछा कि अगर मनुष्य

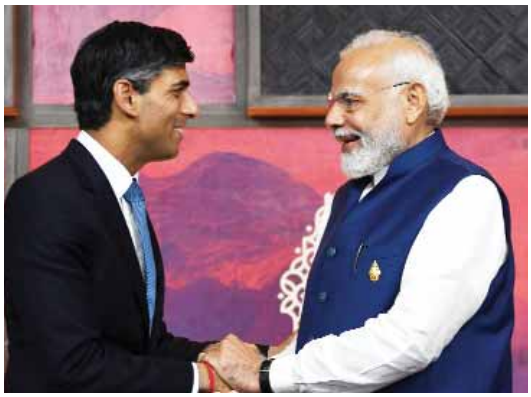

स्वाभाविक रूप से स्वार्थी है, तो हम सभी में मूलभूत एकात्मता की हिमायत करने वाली इतनी सारी आध्यात्मिक परंपराओं के स्थायी आकर्षण को कैसे समझा जाए?

तीसरे विश्वयुद्ध को भारत रोक पाएगा ?

रूस-यूक्रेन एक दूसरे के साथ समझौते से बहुत दूर हैं। यूक्रेन को ऐसा लगता है कि युद्ध के मैदान में उसे बढ़त हासिल है और इसीलिए बातचीत करने का उसका कोई इरादा नहीं है। वहीं रूस भी पीछे हटने के लिए तैयार नहीं है। लेकिन यह माना जा रहा है कि अगर लड़ाई गतिरोध तक पहुंच जाती है और ऊर्जा संकट इस सर्दी में यूक्रेन और यूरोप में लोगों का जीना मुश्किल बना देता है तो समझौते या सीजफायर की संभावना पैदा हो सकती है। दो भारतीय अधिकारियों के मुताबिक, कुछ समय पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मिलकर शांति वार्ता की मेजबानी करने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि यह संभव नहीं हो सका लेकिन इससे यह पता चलता है कि भारत को दोनों पक्षों तक पहुंच के साथ एक शांतिदूत के रूप में देखा जा रहा है।

शैलेश सिंह कुशवाहा
जल विशेषज्ञ एवं
पर्यावरण वरिष्ठ पत्रकार

वर्तमान दौर में रूस और यूक्रेन का युद्ध आज 9 माह पूरे हो गए अभी तक न यूक्रेन हार मान रहा है और न रूस को युद्ध में सफलता हासिल हो रही है ऐसे में रूस और यक्रेन में युद्ध की तबाही दिन दिन देखी जा रही है दोनों देशों के सैनिक लगातार हताहत हो रहे हैं सैनिकों का मरना और आम जनता को इस विभीषिका से भयभीत होना एक आम बात हो गई है हम देख रहे हैं इस युद्ध ने दोनों देशों में कोहराम मचा रखा है दोनों देश एक दूसरे को नीचा दिखाने में लगे हुए हैं यूक्रेन की तरफ अमेरिका सहित नाटो के सभी प्रमुख देश शामिल हैं। जो यूक्रेन को हथियारों के साथ साथ तमाम तरह की मदद दे रहे हैं इसके साथ साथ खुफिया जानकारी भी प्रदान की जा रही है जो रूस को हराने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं उनका मकसद है रूस को हराकर नाटो देश अपना परचम लहराना चाहते हैं पूरे विश्व में अपनी दादागिरी कायम रखना चाहते हैं परंतु रूस इन ताकतों के सम्मुख बिल्कुल भी झुकने को तैयार नहीं है रूस का कहना है यदि हम नहीं तो कोई भी नहीं हमारा अस्तित्व खत्म होगा तो हम दुनिया का अस्तित्व भी मिटाने से परहेज नहीं करेंगे अमेरिका को भी खुली चेतावनी दे दी है इसके साथ साथ नाटो देशों को भी यह एहसास हो रहा है अगर रूस अपनी पर उतर आया तो यह दुनिया के लिए बहुत बड़ा खतरा बन सकता है आज इस युद्ध से दुनिया में दो ध्रुव बन गए हैं एक और अमेरिका और उसके सहयोगी दल साथ खड़े हैं तो दूसरी ओर रूस चीन उत्तर कोरिया ईरान जैसे देश गठजोड़ बना कर अपना परचम लहराने का प्रयास कर रहे हैं

आज रूस नाटो और उनके सहयोगी देशों से बिल्कुल भी झुकने को तैयार नहीं है रूस का कहना है कि दुनिया कितनी ही ताकत लगा ले परंतु हम किसी के समक्ष नहीं झुकेंगे अगर हमारे बीच में कोई भी किसी भी तरह का हस्तक्षेप करेगा तो इसका परिणाम उसको भुगतना पड़ेगा अगर कोई रूस की तरफ तेरी निगाह से देखेगा तो रूस उस देश को सबक सिखाने से जरा भी नहीं चुकेगा। रूस यूक्रेन युद्ध पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय है अगर जरा सी भी लापरवाही हुई तो पूरा विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ा हो जाएगा दुनिया 2 दिनों में बैठ जाएगी दुनिया में तबाही तबाही मच जाएगी युद्ध की विभीषिका पूरे विश्व का अस्तित्व मिटा सकती है हिरोशिमा और नागासाकी इसके जीते जागते परिणाम हैं अमेरिका ने हिरोशिमा नागासाकी पर जो प्रमाण विस्फोट किया था उससे कई गुना ज्यादा ताकतवर वर्तमान के परमाणु विस्फोटक हैं अगर परमाणु विस्फोट होगा तो यह पूरे विश्व की बर्बादी के लिए पर्याप्त होगा आज पूरा विश्व युद्ध के कगार पर खड़े नजर आ रहे हैं उत्तर कोरिया दक्षिण कोरिया एक दूसरे पर तिरछी निगाह से युद्ध की धमकियां देते रहते हैं दक्षिण एशिया में चीन और उसके पड़ोसी देशों में युद्ध का माहौल बना हुआ है भारत-पाकिस्तान के बीच भी युद्ध जैसी हालात निर्मित है उधर इराक ईरान और अरब के देशों में युद्ध जैसे माहौल बने हुए हैं अगर कोई भी देश जरा सी लापरवाही कर देगा तो युद्ध का नया मैदान इनमें से किसी भी जगह निर्मित हो सकता है इस युद्ध से पूरे विश्व को खतरा है।

यह युद्ध रूस यूक्रेन नहीं बल्कि पूरे विश्व को प्रभावित कर रहा है अगर जरा सी चूक होती है तो इसका असर पूरे विश्व पर पढ़ने की प्रबल संभावना है अमेरिका आज अपनी पूरी ताकत यूक्रेन के पक्ष में लगा रहा है वह चाहता है कि रूस की ताकत मैं कमी आए और वह पुनः विश्व में पूरे विश्व में अपना सर्वस्व वर्चस्व बनाए रखें इस दिशा में वह यूक्रेन के कंधे पर बंदूक रखकर चला रहा है यूक्रेन तबाह हो रहा है और अमेरिका उसकी पीठ पर हाथ रखे है आज रूस यूक्रेन युद्ध का दुष्परिणाम समस्त विश्व पर पढ़ रहे हैं परंतु कोई भी देश झुकने को तैयार नहीं है रूस का अरबों खरबों का रक्षा बजट इस युद्ध में झोंक दिया गया है। दूसरी ओर यूक्रेन पूरी तरह तबाह होने के बाद भी जरा भी झुकने को तैयार नहीं है ऐसे में यह युद्ध कितना और लंबा खींचेगा यह संपूर्ण विश्व के लिए चिंता का विषय है विश्व के बहुत से देश यह घोषणा कर रहे हैं कहीं यह युद्ध विश्व युद्ध में परिणित ना हो जाए अगर ऐसा हुआ तो पूरे विश्व में त्राहिमाम त्राहिमाम मच जाएगा। अब इन देशों की युद्ध की मध्यस्थता के लिए न तो कोई देश आगे आ रहा है और न विश्व समुदाय के बड़े-बड़े संगठन इस दिशा में कोई कदम उठा रहे हैं विश्व मैं शांति स्थापित करने के लिए जो बड़े-बड़े संगठन बने हैं उन्हें चाहिए कि इस युद्ध को रोकने के लिए वह अपने सार्थक प्रयास करें ताकि विश्व को विनाश के खतरे से बचाया जा सके विश्व पुनः शांति के पथ पर चल सके इस हेतु प्रयास करने की जरूरत है तभी इस युद्ध की विभीषिका से पूरे विश्व को बचाया जा सकता है अन्यथा बर्बादी जिस गति से बढ़ रही है उसका दुष्परिणाम बहुत घातक होगा।

गुजरात चुनाव में बीजेपी-कांग्रेस और आप के बीच कड़ी टक्कर दिख रही है। जहां पीएम मोदी बीते कई दिनों से गुजरात में डेरा डाले हैं तो भारत जोड़ो यात्रा से समय निकालकर राहुल गांधी भी गुजरात चुनावों में गेस्ट एंपीरियंस की भूमिका निभाते दिख रहे हैं। आम आदमी पार्टी की बात करें तो पंजाब में जीत के बाद उसको हौंसले बुलंद हैं और अरविंद केजरीवाल पूरे दमखम के साथ गुजरात फतह करने की तैयारी करते दिख रहे हैं। वहीं बीजेपी के चाणक्य अमित शाह भी गुजरात में डेरा डाले हैं। अब देखना यह है कि इस बार गुजरात का किंग कौन बनता है। या फिर बीजेपी एक बार फिर सत्ता में लौटकर अपना पुराना रिकार्ड तोड़ती है यह तो जल्द ही नतीजे सामने आने के बाद पता चल ही जाएगा।

● पुष्पांजली टुडे टीम

गुजरात चुनावों में मुख्य टक्कर तो इस बार भी भाजपा एवं कांग्रेस के बीच है, तीसरे मजबूत दल के अभाव को दूर करते हुए आम आदमी पार्टी ने अपनी उपस्थिति से भाजपा एवं कांग्रेस दोनों को ही कड़ी टक्कर देती दिख रही है। दोनों ही दलों की इस बार राह कुछ ज्यादा कठिन जान पड़ती है, क्योंकि आप की सफल दस्तक से यहां का चुनावी समीकरण बदलता दिख रहा है, यह चुनाव त्रिकोणात्मक होता दिख रहा है। आप नेता अरविंद केजरीवाल कई महीनों से प्रखर होकर प्रचार कर रहे हैं, जिसका असर भी दिखने लगा है। झाड़ू लोगों का भरोसा जीत पाएगी या नहीं, यह कह पाना मुश्किल है। इस बार का चुनाव मजेदार होने के साथ संघर्षपूर्ण होगा, इसमें कोई सन्देह नहीं है। चुनावों का नतीजा अभी लोगों के दिमागों में है। मतपेटियां क्या राज खोलेंगी, यह समय के गर्भ में है। पर एक संदेश इस चुनाव से मिलेगा कि अधिकार प्राप्त एक ही व्यक्ति अगर ठान ले तो अनुशासनहीनता एवं भ्रष्टाचार पर नकेल डाली जा सकती है। लोगों का विश्वास जीता जा सकता है। सुशासन स्थापित किया जा सकता है।

गुजरात चुनाव में आप की उपस्थिति एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। भाजपा एवं कांग्रेस में भारी अंतर्कलह है। नतीजतन, कई बागी नेताओं को आप ने टिकट दिये हैं। निश्चित ही ये बागी अपनी पूर्व पार्टी का नुकसान करेंगे। जाहिर है, इससे यहां चुनावी समीकरण नया रूप लेता दिख रहा है, जिससे मुकाबला कांटे का हो सकता है। आप मुकाबले को तिकोना बना रही है। सबकी नजरें इस बात पर हैं कि यह पार्टी भाजपा और कांग्रेस में से किसके कितने वोट काटती है। कांग्रेस का जोर इस बार रैलियों और आम सभाओं के बजाय डोर टु डोर चुनाव अभियान पर है और उसका दावा है कि यह फलित होगा। मगर बीजेपी के पक्ष में सबसे बड़ी चीज है उसकी मजबूत चुनाव मशीनरी, दूसरी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सर्वप्रिय छवि और तीसरा गृहमंत्री अमित शाह का करिश्माई चुनावी प्रबन्धन एवं प्रभाव। कांग्रेस के पास ऐसी स्थितियों का सर्वथा अभाव है। किसी दौर में भले ही कांग्रेस यहां मजबूत दल हुआ करती थी, लेकिन अब वह काफी कमजोर लग रही है। इसलिये आप को जो भी मजबूती मिलेगी, वह कांग्रेस की कमजोर होती स्थितियों से ही मिलेगी।

182 विधानसभा सीटों की यह विधानसभा क्या एक बार फिर भाजपा को सत्ता पर बिठायेगी? यह प्रश्न राजनीतिक गलियारों में सर्वाधिक चर्चा में है। भले ही त्रिकोणात्मक परिदृश्यों में भाजपा की राह भी संघर्षपूर्ण बन गयी है। क्योंकि इस बार के चुनाव नये परिवेश एवं नवीन स्थितियों के बीच त्रिकोणीय होंगे। यहां के पिछले उप-चुनाव भी त्रिकोणीय संघर्ष के संकेत दे रहे हैं। मगर इस संघर्ष में एक तरफ भाजपा है, तो दूसरी तरफ आप और कांग्रेस। मौजूदा स्थिति यही उजागर कर रही है कि यहां भाजपा व दूसरी पार्टियों के बीच सीधा मुकाबला है। यहां के मतदाता भाजपा, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रभावित हैं। इसीलिए नजर इस बात पर होगी कि गुजरात चुनावों में दूसरे और तीसरे पायदान पर कौन सी पार्टी कब्जा करती है? भले ही स्थानीय निकाय के चुनावों में, खासकर सूरत के इलाकों में आप ने शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे उसे नई ऊर्जा मिली है, मगर यह जोश जीत में कितना बदल पाएगा, इस बारे में अभी कुछ भी कहना मुश्किल है।

शक्ति प्रदर्शन कर रही कांग्रेस

भारत जोड़ो यात्रा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी कन्याकुमारी से कश्मीर तक 3500 हजार किमी भारत जोड़ो यात्रा कर रहे हैं। यह यात्रा भारत में फैली नफरत को खत्म कर प्यार का वातावरण बनाएगी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने बुरहानपुर से मप्र में प्रवेश किया। उज्जैन में 'महाकाल लोक' को अब कांग्रेस भी भुनाना चाहती है। दक्षिण भारत में 2 हजार किलोमीटर का सफर पूरा करने के बाद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने 23 नवंबर को देश की हिंदी पट्टी मध्य प्रदेश में प्रवेश किया। बुरहानुपर से यात्रा की शुरुआत हुई। ये यात्रा प्रदेश के मालवा-निमाड़ के 6 जिलों के 14 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी मध्यप्रदेश में गुटबाजी हावी है। कमलनाथ दूर करने की कोशिश कर रहे हैं।

वहीं इससे पहले मध्यप्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा के तहत राहुल गांधी ओंकारेश्वर पहुंचे। उनके साथ प्रियंका भी थीं। राहुल और प्रियंका यहां मां नर्मदा की संध्या आरती में शामिल हुए। उन्होंने मां नर्मदा आरती की और मां नर्मदा को चुनरी भी चढ़ाई। इसके बाद उन्होंने ज्योतिर्लिंग भगवान ओंकारेश्वर के दर्शन किये और करीब पांच मिनट तक ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में रहे। ओंकारेश्वर में राहुल गांधी धार्मिक रंग में रंगे नजर आए। उन्होंने सिर पर मेहरून कलर की पगड़ी पहनी थी। गले में माला नजर आई। साथ ही, ऊं लिखा पीले रंग का शॉल ओढ़ रखा था, जबकि प्रियंका गांधी ने सिर पर चुनरी ओढ़ रखी थी। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह समेत कांग्रेस के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।भारत जोड़ो यात्रा सुबह खरगोन जिले के खेरदा गांव से शुरू हुई। राहुल गांधी ने इस दौरान प्रदेश में सरकारी परियोजनाओं के कारण विस्थापित ग्रामीणों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि इनका पुनर्वास सरकार की जिम्मेदारी है, जिसे वह भूल गई है यात्रा में राहुल गांधी के साथ उनकी बहन प्रियंका गांधी और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह समेत कई कांग्रेस नेता और

कार्यकर्ता साथ रहे। बॉक्सर विजेन्द्र सिंह भी यात्रा में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी के साथ मुक्का दिखाते हुए सेल्फी ली। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि मैं पहली बार यहां आई हूं। यहां पूजन और नर्मदा आरती का अनुभव अद्भुत रहा। पहली बार हमने परिवार सहित नर्मदा आरती की है। मेरे साथ मेरे पति और भाई राहुल भी आरती में थे। यह खुशी की बात रही।

भारत जोड़ो यात्रा के तहत मध्य प्रदेश के इंदौर पहुंचे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राजवाड़ा चौराहे पर आयोजित सभा में कहा कि मीडिया बेरोजगारों, किसानों और मजदूरों की समस्याओं के बजाय सत्ता के शीर्ष पर बैठे राजनेताओं, फिल्मी कलाकारों और क्रिकेटरों को विशेष तरजीह दे रही है. उन्होंने कहा कि हम प्रेस से कहते हैं कि बेरोजगारी, कृषि कर्ज माफी, किसानों और मजदूरों की बात करो, लेकिन ये बताते हैं कि ऐश्वर्या राय ने कैसे कपड़े पहने हैं या शाहरुख खान ने क्या बोल दिया या विराट कोहली ने कैसे चौका मारा? उन्होंने दावा किया कि मीडिया आम लोगों की आवाज बनने की असली लोकतांत्रिक जिम्मेदारी निभाने के बजाय बुनियादी मुद्दों से जनता का ध्यान हटा रहा है. राहुल गांधी ने बताया कि मध्यप्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा के पांचवें दिन वह सूबे के सबसे बड़े शहर इंदौर में आठ घंटे पैदल चले. उन्होंने यह भी कहा कि अगले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की सरकार बनने पर वह अपनी पार्टी के लोगों से कहेंगे कि इंदौर को भारत के सबसे बड़े लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में उसी तरह विकसित किया जाए, जिस तरह अमेरिका में शिकागो को विकसित किया गया.

आत्म-निर्भर और विकसित भारत के बनाने में महिला शक्ति की भागीदारी जरूरी

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि मध्यप्रदेश में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आत्म-निर्भर बनाने में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। यहाँ लगभग 42 लाख महिलाएँ स्व-सहायता समूहों से जुड़ कर आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त हुई है। इन महिलाओं को सरकार के माध्यम से कृषि एवं गैर कृषि कार्यों के लिए 4 हजार 157 करोड़ रूपये का बैंक ऋण दिलवाया गया है। प्रदेश में एक जिला-एक उत्पाद योजना द्वारा इनके उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुँचाया गया है। आजीविका मार्ट पोर्टल से 535 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य के उत्पादों की ब्रिकी हुई है। प्रदेश में लगभग 17 हजार महिलाएँ पंचायत प्रतिनिधि बनी हैं। यहाँ कुछ महिलाओं द्वारा अपनी सफलता के अनुभव सुनाए गये हैं, जो प्रेरणादायक हैं। मध्यप्रदेश में स्व-सहायता समूह ने जन-आंदोलन का रूप ले लिया है। सभी महिलाओं के प्रयास और सरकार के सहयोग से यह संभव हो पाया है। इसके लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, मध्यप्रदेश सरकार सहित महिलाएँ सभी बधाई के पात्र है। मैं आज यहाँ आकर अभिभूत और आश्चर्यचकित हूँ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में वर्ष 2023 को मोटा अनाज वर्ष मनाने की घोषणा की है।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि आत्म-निर्भर और विकसित भारत के बनाने में महिला शक्ति की अधिक से अधिक भागीदारी जरूरी है। हमें ऐसा वातावरण तैयार करना है, जिससे सभी वर्ग की बेटियाँ निर्भीक एवं स्वतंत्र महसूस करें और अपनी प्रतिभा का भरपूर उपयोग कर सकें। महिलाओं के नेतृत्व में जहाँ-जहाँ कार्य किये जाते हैं वहाँ सफलता के साथ संवेदनशीलता भी देखने को मिलती है। सभी महिलाएँ एक दूसरे को प्रेरित करें। एकजुट होकर विकास के रास्ते पर आगे बढ़े।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि देश के विकास में मध्यप्रदेश की महिलाओं का अमूल्य योगदान रहा है। वीरांगना दुर्गाबाई, अहिल्याबाई, अवंतीबाई और कमलाबाई की गौरव गाथा हमारी विरासत है। वर्तमान समय में श्रीमती सुमित्रा महाजन, जनजातीय चित्रकार श्रीमती भूरी बाई, श्रीमती दुर्गाबाई व्याम और रतलाम की मदर टेरेसा कहीं जाने वाली डॉ. लीला जोशी महत्वपूर्ण नाम है। मुझे इन्हें पद्मश्री सम्मान देने का अवसर मिला। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारत में महिलाओं की श्रेष्ठता को प्राचीन काल से माना जाता रहा है। हमारे यहाँ माता का स्थान पिता और आचार्य से पहले रखा गया है - मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, आचार्य देवो भव। ईश्वर से पहले हम माता को देखते हैं। शिक्षा प्राप्त करने के लिये पहले माँ सरस्वती को नमन करते हैं। माता दुर्गा, माता लक्ष्मी और माता काली, सभी श्रेष्ठता की प्रतीक है।

पेसा एक्ट लागू करने वाला 7वां राज्य बना मप्र

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शहडोल में जनजातीय गौरव दिवस समारोह के मंच से नियमावली का विमोचन कर पेसा एक्ट लागू किया। पेसा एक्ट लागू करने वाला मध्यप्रदेश देश का 7वां राज्य बन गया है। इससे पहले 6 राज्य हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र ने पेसा कानून बनाए हैं। शहडोल के बाद राष्ट्रपति भोपाल पहुंची। यहां उन्होंने राजभवन में इटारसी-औबेदुल्लागंज राजमार्ग को फोरलेन करने का शिलान्यास किया। इससे पहले शहडोल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा- आज मैं सभी देशवासियों को बधाई देती हूं। राष्ट्रपति के रूप में ये मेरी मध्यप्रदेश की पहली यात्रा है। इतनी बड़ी संख्या में उपस्थित भाई-बहनों के बीच आकर बहुत खुश हूं। हमारे देश में जनजातीय आबादी की संख्या दस करोड़ है। डेढ़ करोड़ से ज्यादा आबादी मध्यप्रदेश में है। जनजातीय समुदाय के विद्यार्थियों को आज सम्मानित किया गया है, उन्हें देखकर उम्मीद करती हूं कि आने वाला समय और अधिक उज्ज्वल होगा। राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने कहा- पेसा एक्ट लागू हो जाने से ग्राम सभा अब बहुत अधिक शक्तिशाली हो गई है।

मासूम चेहरे वाला सीरियल किलर

श्रद्धा मर्डर का आरोपी आफताब इतना शातिर है कि पॉलिग्राफी टेस्ट में भी उसने पुलिस को छका दिया। उसके अलग-अलग बयानों की वजह से पॉलिग्राफ टेस्ट का कोई ठोस नतीजा नहीं मिला। अब गुरुवार को उसका नार्को टेस्ट होगा। पुलिस ने बुधवार को उस पर नार्को टेस्ट के कुछ सेशन किए। अगर पॉलिग्राफी की तरह नार्को टेस्ट में भी पुलिस को कुछ ठोस नतीजे नहीं मिलते हैं तो वह ब्रेन मैपिंग की मांग कर सकती है। दिल्ली पुलिस से जुड़े सूत्रों ने हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि पुलिस आफताब के ब्रेन मैपिंग के लिए कोर्ट जा सकती है। मासूम चेहरे वाला सीरियल किलर आफताब इसके इस हंसते हुए चेहरे के पीछे की हैवानित जानकर आप दंग रह जाएंगे। इस मामूस चेहरे के पीछे छिपी ही ऐसी हैवानियत जिसपर सहसा यकीन करना मुश्किल होगा। ये ऐसा क्रूर शख्स है जिसने दिल्ली पुलिस को भी चौंका दिया। उसे अपनी गर्लफ्रेंड से मोहब्बत थी। घरवालों के खिलाफ जाकर वह अपनी गर्लफ्रेंड के साथ दिलवालों के शहर दिल्ली आ गया था। पर इस जल्लाद के जिगर में तो कुछ और ही था। मुंबई के कॉल सेंटर में श्रद्धा वाकर से मिलने वाला आफताब के बीच वहीं दोस्ती हुई। दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गया। पर आफताब के अंदर एक हैवान था। जो बस दिखावे के लिए प्यार कर रहा था। यही बात श्रद्धा समझ नहीं सकी और उसे जान गंवानी पड़ी आरोप है कि शातिर आफताब ने बड़ी ही प्लानिंग के साथ श्रद्धा की हत्या को अंजाम दिया। न दोस्ती की फिक्र न प्यार का बंधन। उसने बड़ी ही क्रूरता के साथ श्रद्धा को मौत की नींद सुला दी। जिस श्रद्धा ने आफताब के प्यार में अपने माता-पिता को ठुकरा दिया था। उसको उसके प्यार ने ही धोखा दे दिया। श्रद्धा बस आफताब से शादी करना चाहती थी। लेकिन आफताब इससे इनकार करता रहा। श्रद्धा के बार-बार के दबाव के बाद आफताब ने मन ही मन एक खौफनाक प्लानिंग बना ली और श्रद्धा को खत्म कर दिया।

तो ये प्यार दिखावा था?

बकौल श्रद्धा के माता-पिता मृतक ने बताया था कि आफताब उसके साथ मारपीट करता था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आफताब श्रद्धा से शादी नहीं करना चाहता था। तो क्या मुंबई से ही लिव-इन में रह रहे आफताब के मन में शुरू से ही खोट था? तो श्रद्धा जिसे प्यार मान रही थी

वो केवल दिखावा था? हकीकत को यही इशारा कर रहे हैं। भोले-भाले मासूम चेहरे में दिखने वाला आफताब एक शातिर दिमाग का भी मालिक था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आफताब ने डेक्सटर वेब सीरीज (हॉलीवुड की वेबसीरीज) हत्या की प्लानिंग की। जब श्रद्धा के माता-पिता का काफी दिनों तक बेटी से संपर्क नहीं हो पाया तो उन्होंने महरौली पुलिस को इसकी जानकारी दी थी।

लड़ाई-झगड़ा और कत्ल

दिल्ली पुलिस सूत्रों ने बताया कि दोनों के बीच अक्सर लड़ाई होते रहती थी। माता-पिता का घर छोड़कर भागी श्रद्धा आफताब संग अपने रिश्तों को नाम देना चाहती थी। उसने इसके लिए आफताब से जिद की। पर आफताब के जेहन में कुछ और ही चल रहा था। दोनों 15 मई को दिल्ली में शिफ्ट हुए थे और ठीक इसके तीन दिन बाद यानी 18 मई को आफताब ने श्रद्धा की हत्या कर दी। हैवानियत ऐसी कि जिसे सुन आप कांप जाएंगे। घर में रखे आड़ी से उसने श्रद्धा के शव के 35 टुकड़े कर डाले।

फ्रिज, अगरबत्ती और सीरियल किलर वाला शो

28 साल के आफताब ने श्रद्धा को मारकर बचने की पूरी प्लानिंग कर ली थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शव को ठिकाने लगाने से पहले आफताब ने एक नया फ्रिज खरीदा था। 300 लीटर वाले इस फ्रिज में श्रद्धा के शव के टुकड़े कर उसमें रखा दिया था। फिर धीरे-धीरे शव को ठिकाने लगाने लगा। यही नहीं, घर में बदबू नहीं आए इसके लिए वह ढेर सारे अगरबत्ती जलाता था। पुलिस ने बताया कि वह अमेरिकी वेब सीरीज डेक्सटर देखकर हत्या की प्लानिंग की थी।

झारखंड का 22वां स्थापना दिवस

राष्ट्रपति मुर्मू ने रांची में बिरसा मुंडा को दीं श्रद्धांजलि

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं झारखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह में 31 लाख किसान परिवारों को मिला सूखा राहत का लाभ

● आनंद कुमार शाही पुष्पांजली टुडे

झारखंड के 22वें स्थापना दिवस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रांची पहुंचकर बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित कीं। वहीं पीएम मोदी ने भी ट्वीट कर बिरसा मुंडा को नमन किया। इस मौके पर कई रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इसके अलावा आज बिरसा मुंडा की जयंती पर सीएम सोरेन झारखंडवासियों को करोड़ों रुपये की परियोजनाओं की सौगात दी। राँची/झारखण्ड- आज मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड खनिज संपदा के साथ-साथ वीरों की भूमि रही है। आज 15 नवंबर का दिन सिर्फ स्थापना दिवस के लिए नहीं बल्कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती दिवस के रूप में भी मनाया जा रहा है। लम्बे समय से अलग झारखंड राज्य की मांग थी। हमारे पूर्वजों ने सदियों से झारखंड वासियों के हक, अधिकार और मांग को लेकर संघर्ष किया। हमारे पूर्वजों ने यहां के लोगों के अस्तित्व और सम्मान के लिए अनेकों लड़ाइयां लड़ी। न कभी रुके न कभी थके। आज हम सभी के बीच आदरणीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन मंच पर उपस्थित हैं। आदरणीय गुरु जी के नेतृत्व में अलग राज्य की परिकल्पना को पूरा किया जा सका था। झारखंड खनिज संपदा को लेकर देश और दुनिया में एक अलग पहचान रखता है। उक्त बातें मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज रांची के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं झारखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर अपने संबोधन में कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 22 वर्ष में कई सरकारें बनी लेकिन इस राज्य के आदिवासी, दलित, पिछड़ों की समस्याएं यथावत रहीं। पूर्ववर्ती सरकारों ने राज्य की जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी राज्यवासियों के आशीर्वाद और सहयोग से हमारी सरकार ने इस राज्य में व्याप्त समस्याओं के समाधान

के लिए एक राजनीतिक जंग को जीता और दिसंबर 2019 में राज्य में आपकी अपनी सरकार बनी। इतनी मजबूत सरकार विगत 20 वर्ष में कभी देखने को नहीं मिली। हां यह बात जरूर है कि सरकारें बनी और चली लेकिन समस्या का समाधान न के बराबर हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लोगों ने सरकार बनाया, इस आशा और उम्मीद के साथ कि 5 साल में इस राज्य की छोटी-बड़ी सभी समस्याओं का समाधान करेंगे, लेकिन सरकार बनते ही कोरोना जैसे वैश्विक महामारी से हम लोग घिर गए। दो वर्ष का समय जाया हुआ। कोरोना संक्रमण काल के समय झारखंड सहित पूरे देश में हाट-बाजार, गाड़ी- घोड़ा, बड़ी-बड़ी कंपनियां, रोजगार के अन्य साधन सब कुछ बंद हो गए। ऐसी स्थिति में देश का सबसे पिछड़ा राज्य झारखंड की स्थिति कैसी थी यह आप सभी लोग जानते हैं। लेकिन राज्य के लोगों की सहनशीलता और राज्य सरकार की सकारात्मक कार्यशैली से विपरीत स्थिति में भी हमने कोरोना की जंग को जीतने का काम कर दिखाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण जैसे ही घटा, राज्य में एक और आपदा के रूप में सुखाड़ की समस्या आ खड़ी हुई। राज्य सरकार ने 226 प्रखंडों को चिन्हित कर सूखाग्रस्त घोषित करने का काम किया है। राज्य के किसानों को किस तरह राहत पहुंचाई जा सके, इस निमित्त

झारखंड का 22वां स्थापना दिवस

कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले तो किसानों को समय पर खाद और बीज नहीं मिलते थे परंतु इस बार हमारी सरकार ने समय से पहले किसान भाइयों को खाद और बीज उपलब्ध कराने का काम किया लेकिन बारिश ने साथ नहीं दिया। स्थिति यह हुई कि आप राज्य सुखाड़ की चपेट में है। ऐसी चुनौती भरी स्थिति में भी हमारी सरकार ने किसी को हतोत्साहित नहीं होने दिया और किसान तथा जरूरतमंद लोगों के लिए कई योजनाएं बनाई। इन योजनाओं का लाभ और किसान भाइयों को मिल रहा है। हमारी सरकार ने राज्य के चिन्हित सूखाग्रस्त 226 प्रखंडों में लगभग 31 लाख किसान परिवारों को सूखा राहत हेतु 3500 रुपए की राशि तत्काल उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है।

गरीबी-पिछड़ापन करेंगे दूर

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज राज्य में जो गरीबी और पिछड़ापन है , वह किसी अभिशाप से कम नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारी सरकार आपके दरवाजे पर जाकर आपको ऋण मुहैया करा रही है। आपके लिए स्वरोजगार का मार्ग प्रशस्त कर रही है। रोजगार सृजन के लिए राज्य सरकार आपको अनुदान भी दे रही है। सरकार ने ऐसी कार्य योजना बनाई ताकि झारखंड की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सके। यहां के लोगों की जरूरतों के अनुरूप योजनाओं का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार जड़ को मजबूत करने में लगी है। जड़ मजबूत होगा तभी पेड़ भी मजबूती से खड़ा रहेगा। राज्य में जो गरीबी कुंडली मार कर बैठा है उसे धक्का मारकर बाहर करना है।

नियुक्ति प्रक्रियाओं में आयी तेजी

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप की योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार के तहत पंचायत-पंचायत, गांव-गांव में शिविर का आयोजन किया गया। 20 वर्ष में किसी भी सरकार ने इस तरह के शिविर के आयोजन को नहीं देखा होगा। गांव में शिविर लगाकर यहां के लोगों की समस्याओं का समाधान हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने आमजनों के साथ-साथ सरकारी कर्मचारियों, पुलिसकर्मियों, पारा शिक्षकों, आंगनबाड़ी कर्मियों सहित कई वर्गों के समस्याओं का निदान करने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नियुक्ति की प्रक्रिया लगातार चल रही है। जेपीएससी के माध्यम से भी नियुक्तियां हुई हैं। पिछले दिनों झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के माध्यम से राज्य के 250 बच्चे-बच्चियों को अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। इन नियुक्तियों में 32 बच्चे ऐसे हैं जो बीपीएल परिवार से थे। इन 32 बच्चों में किसी के माता-पिता मजदूर तो किसी के माता-पिता किसान थे। ऐसे वर्गों के बच्चे बच्चियां राज्य सेवा में चयनित होकर अपने मां-बाप का नाम रोशन कर दिखाया है।

बच्चियों को दे रहे अधिकार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर राज्य सरकार काफी गंभीर है। हमने विशेषकर बच्चियों के लिए सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना शुरू की है। हमारी सरकार ने इस योजना से राज्य की 9 लाख बच्चियों को जोड़ने का लक्ष्य रखा है। इस योजना के तहत बच्चियों को लाभ दिया जा रहा है और 18 वर्ष पूर्ण होने पर उन्हें एक मुश्त 40 हजार रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। हम ऐसी योजना बनाने जा रहे हैं जिसमें जो बच्चियां इंजीनियर, डॉक्टर, वकील आदि बनना चाहती हैं उनकी पढ़ाई का सारा खर्च राज्य सरकार वाहन करेगी। उच्च शिक्षा के लिए भी सरकार छात्र-छात्राओं को मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश भर में झारखंड पहला ऐसा राज्य है जहां राज्य सरकार अपने खर्चे पर बच्चों को विदेश में पढ़ने के लिए भी भेज रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार आने वाली पीढ़ी की नींव मजबूत करना चाहती है ताकि वह खुद अपना विकास करें और इस राज्य के विकास में भी अपना योगदान दे।

समारोह के दौरान तीन नई पॉलिसी की लांचिंग की गई

झारखंड विद्युत वाहन नीति-2022- झारखंड विद्युत वाहन नीति-2022 के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जाना है। इसमें वर्ष 2030 तक आईसीई इंजन आधारित वाहनों को विद्युत वाहनों से प्रतिस्थापित किया जाना है। जबकि, 2027 तक एसीसी बैट्री के निर्माण के लिए एक परियोजना स्थापित की जाएगी। इस नीति के तहत दिए जाने वाले आकर्षक अनुदान के प्रावधानों से विद्युत वाहनों के इस्तेमाल को बढ़ावा मिलेगा।

पेसा एक्ट में दिये अपने अधिकारों के बारे में जाने ग्रामीण : मुख्यमंत्री चौहान

मैं देश में समान नागरिक संहिता का पक्षधर

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जल, जंगल और ज़मीन से जुड़े फ़ैसले अब भोपाल से नहीं गाँव की चौपाल से किए जाएँगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में पेसा एक्ट किसी गैर जनजातीय समाज के खिलाफ नहीं है। यह जनजातीय भाई-बहनों को और मजबूत करने के लिए है। प्रदेश के 89 जनजातीय बहुल विकासखण्डो में इसे लागू किया गया है। पेसा एक्ट जनजातीय भाई-बहनों को जल, जंगल, जमीन, श्रमिकों के अधिकारों का विशेष ध्यान एवं स्थानीय संस्थाओं, परंपराओं और संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन का अधिकार प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन और शासकीय कार्यों में किसी भी सूरत में भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनपद सेंधवा के सीईओ को ऐसी ही शिकायत के चलते निलंबित किया जाता है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश में एक समान नागरिक संहिता लागू करने के पक्ष में हूँ। प्रदेश में इसके लिये कमेटी बनाई जा रही है। भारत में अब समय आ गया है कि एक समान नागरिक संहिता लागू होनी चाहिए। एक से ज्यादा शादी क्यों करे कोई। एक देश में दो विधान क्यों चले, एक ही होना चाहिए। समान नागरिक संहिता में एक पत्नी रखने का अधिकार है, तो एक ही पत्नी होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज विकासखण्ड सेंधवा के ग्राम चाचरिया में पेसा एक्ट जागरूकता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज मैं भाषण देने नहीं, पेसा एक्ट पढ़ाने आया हूँ।

जिन विकासखण्डों में पेसा एक्ट लागू किया गया है, वहाँ के लोगों को इसके प्रावधान और अपने अधिकारों की जानकारी होना जरूरी है। एक्ट के प्रावधानों को लागू करने के लिये ग्राम सभाओं का गठन होगा। सभी ग्राम सभाओं को अधिकार सम्पन्न बनाया जाएगा। ग्राम सभाएँ सामाजिक समरसता के साथ बने, यह हम सबके प्रयास होना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार भी बिना ग्राम सभा की मर्ज़ी के सीधे ज़मीन नहीं ले सकेगी। धोखाधड़ी कर जमीन हड़पने और अपने नाम करवाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पेसा एक्ट के चलते अब कोई छल, कपट और बल पूर्वक किसी की जमीन हड़प नहीं सकेगा। यदि कोई ऐसा करता है तो ग्राम सभा को हस्तक्षेप कर उसे वापस करवाने का भी अधिकार होगा। उन्होंने कहा कि अधिसूचित क्षेत्र में रेत, मिट्टी, पत्थर या कोई अन्य खदान का पट्टा बिना ग्राम सभा की अनुमति के सरकार नहीं दे सकेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि गौण वन संपदा जैसे अचार की गुठली, महुए का फूल, महुए की गुल्ली, हर्रा, बहेड़ा, बाँस, आंवला, तेन्दूपत्ता आदि को बेचने, बीनने और इनके मूल्य निर्धारण का अधिकार भी अब ग्राम सभा के पास होगा। ग्राम सभा इसके लिए अपना प्रस्ताव बना कर 15 दिसम्बर तक वन विभाग को भेज सकती है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ग्राम सभा, अमृत सरोवर और तालाबों का प्रबंधन करेगी। तालाबों में सिंघाड़ा उगाने और मछली पालन और मत्स्याखेट की सहमति ग्राम सभा देगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पेसा एक्ट में श्रमिकों के अधिकारों की जानकारी देते हुए बताया कि अब ग्राम के श्रमिक किसी अन्य राज्य या अन्य जिले में मजदूरी करने ठेकेदार या किसी भी व्यक्ति के माध्यम से जाते हैं तो उसकी जानकारी ग्राम सभा को देनी होगी।

नीतीश कुमार ने 'एक देश, एक बिजली शुल्क' की नीति का किया आह्वान

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'एक देश कुमार ने बुधवार को 15,871 करोड़ रुपये मूल्य की बिजली विभाग की परियोजनाओं का अनावरण करते हुए कहा कि बिहार को अन्य राज्यों की तुलना में केंद्र सरकार के बिजली संयंत्रों से ऊंची दर पर बिजली मिलती है। कुमार ने कहा, ''सारे राज्य देश के समग्र विकास में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। मैंने पहले भी कई बार कहा था कि 'एक देश, एक बिजली शुल्क' की नीति होनी चाहिए। आखिर कुछ राज्य ऊंची कीमत पर बिजली क्यों खरीद रहे हैं? देश भर में एकीकृत बिजली दर होनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए राज्य में स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर लगाने का फैसला किया है। कुछ राज्यों में ऐसी योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम अपने बिजली उपभोक्ताओं को सब्सिडी देते हैं। हम बहुत अधिक दर पर बिजली खरीदते हैं और अपने उपभोक्ताओं को बहुत कम दर पर उपलब्ध कराते हैं। मुझे उन लोगों से कोई दिक्कत नहीं है जो मुफ्त बिजली देने की बात करते हैं।'' कुमार ने कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि अक्टूबर 2018 में राज्य में हर घर में बिजली का कनेक्शन पहुंचे। उन्होंने कहा, ''जब हमें 2005 में बिहार में लोगों की सेवा का अवसर मिला तो राज्य में बिजली की खपत महज 700 मेगावाट थी जो अब बढ़कर 6,738 मेगावाट हो गई है।''

नीतीश बोले- शराब का धंधा छोड़ दूसरा काम करने वालों को एक लाख रुपये दे रहे,अब तक 1.47 लाख को मिला लाभ

● मनोज कुमार, पुष्पांजली टुडे

बिहार में शराब का कारोबार छोड़कर लोग अब दूसरे काम में लग गए हैं। इन्हें राज्य सरकार एक लाख रुपए की मदद दे रही है। अब तक 1.47 लाख लोग इसका फायदा उठा चुके हैं। देसी शराब और ताड़ी के धंधे को छोड़कर लोग अब गाय पालन, बकरी पालन, मुर्गीपालन, शहद उत्पादन आदि छोटे व्यवसाय शुरू कर चुके हैं। यह बातें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नशामुक्ति दिवस पर पटना के ज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 नवंबर 2011 से ही हमने मद्य निषेध दिवस मनाना शुरू कर दिया था। उस समय शराबबंदी नहीं लागू थी, लेकिन लोगों को मद्य निषेध के प्रति हम लोग प्रेरित कर रहे थे। इसके पक्ष में प्रचार-प्रसार किया जा रहा था। बिहार में शराब की बिक्री से टैक्स के रूप में पांच हजार करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति होती थी। उन्होंने कहा कि साल 2015 में पटना के एक कार्यक्रम में जब हम भाषण समाप्त कर बैठे थे तो पीछे बैठी महिलाओं ने शराब बंदी की मांग की। हमने उसी समय कह दिया था कि अगर अगली बार चुनाव में जीत कर आए तो बिहार में शराब बंदी लागू करेंगे। शराब बंदी को लेकर अभियान चलाया गया और 1 अप्रैल 2016 से हमने बिहार में शराब

बंदी लागू कर दी। गांव में देसी और विदेशी दोनों शराब को बंद कर दिया, लेकिन शहरों में विदेशी शराब की दुकान खोलने की इजाजत दी गई। शहरों में विदेशी शराब की दुकान खुलने का लोगों ने काफी विरोध किया। इसे देखते हुए हमने 5 अप्रैल 2016 से शहरों में भी विदेशी शराब की दुकान को बंद कर दिया और बिहार में पूर्ण शराब बंदी लागू हो गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में 90 प्रतिशत लोग अच्छे होते हैं, 10 प्रतिशत ही गड़बड़ करने वाले होते हैं। इन्हें ठीक करने के लिए सभी को प्रयासरत रहना है। उन्होंने कहा कि ताड़ के पेड़ से सूर्योदय से पहले नीरा निकलता है और सूर्योदय के बाद ताड़ी। नीरा स्वादिष्ट होता है, स्वास्थ्य के लिए भी यह लाभदायक होता है। नीरा से पेड़ा और गुड़ भी बनाया जाता है। बिहार में इस साल नीरा का काफी उत्पादन हुआ है। साल 2018 में हमने सतत् जीवकोपार्जन योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के तहत शराब के धंधे से जुड़े लोगों को दूसरा धंधा शुरू करने के लिए एक लाख रुपये तक की मदद की जा रही है। जो लोग देसी शराब, ताड़ी के धंधे में लगे थे, वे लोग इसे छोड़कर गाय पालन, बकरी पालन, मुर्गीपालन, शहद उत्पादन आदि छोटे व्यवसाय शुरू कर चुके हैं। काफी संख्या में लोगों ने इस योजना का लाभ उठाया है। सतत जीविकोपार्जन योजना के तहत 1 लाख 47 हजार परिवारों ने इसका लाभ उठाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने साल 2016 में पूरी दुनिया में शराब के दुष्प्रभावों को लेकर सर्वे किया था। साल 2018 में प्रकाशित उस रिपोर्ट के मुताबिक एक साल में शराब पीने के कारण 30 लाख लोगों की मौत होती है। दुनिया भर में जितनी मौत होती है, उसका 5.3 प्रतिशत मौत शराब पीने के कारण होती है। 20 से 39 आयु वर्ग के युवाओं की 13.5 प्रतिशत मृत्यु शराब पीने के कारण होती है।

उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कम समय में हासिल कीं बड़ी-बड़ी उपलब्धियाँ

निवेशकों की पहली पसंद बना उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने राज्य के राजनीतिक इतिहास में लगभग साढ़े तीन दशक के पश्चात किसी दल को दोबारा सत्ता में लाने का इतिहास रचने वाले योगी आदित्यनाथ ने अपने मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल के दौरान बड़े धैर्य एवं साहस के साथ अनेक चुनौतियों का सामना किया। उन्हें जहां विरोधियों का प्रहार, आरोप-प्रत्यारोप एवं बुल्डोजर से मकान तोड़ने जैसे प्रकरणों का सामना करना पड़ा, वहीं अपनी जन हितैषी नीतियों से उन्होंने जनता का समर्थन एवं आशीर्वाद भी प्राप्त किया। उन्होंने आजमगढ़ एवं रामपुर लोकसभा क्षेत्र से उपचुनाव में विजय प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया कि वह वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए पूर्ण रूप से तैयार हैं तथा विजयश्री प्राप्त करने के लिए समर्थ भी हैं।

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भाजपा की रीतिनीति के अनुसार हिंदुत्व की छवि को सुदृढ़ करने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। प्राचीन शहरों के नाम परिवर्तित करना तथा काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण इसके उदाहरण हैं। अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के मंदिर के निर्माण का कार्य चल रहा है। सरकार नमामि गंगे योजना के अंतर्गत गंगा को स्वच्छ एवं निर्मल करने पर विशेष बल दे रही है। गंगा का प्रदूषण कम करने के लिए स्मार्ट गंगा सिटी परियोजना पर कार्य चल रहा है। योगी सरकार ने राज्य में पर्यटन विशेषकर धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा दिया है। राज्य में गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए मुख्यमंत्री निराश्रित गौवंश सहभागिता योजना प्रारम्भ की गई है। राज्य में बेघरों को आवास देने के लिए उत्तर प्रदेश आवास विकास योजना प्रारम्भ की गई।

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार प्रदेश को अपराध मुक्त, दंगामुक्त तथा भयमुक्त बनाने के बाद आर्थिक विकास के लिए संकल्पवान होकर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित करने के लिए लगातार कदम उठा रही है जिसका स्पष्ट परिणाम भी दिखाई देता दिखाई दे रहा है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए रखा एक ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रदेश सरकार लगातार काम कर रही है। फरवरी 2023 में लखनऊ में आयोजित होने जा रहे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पहले ही प्रदेश को निवेश के प्रस्ताव मिलने प्रारंभ हो गए हैं। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री व कैबिनेट के अनेक मंत्री विदेशों का दौरा करने जा रहे हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पूर्व अभी दिल्ली में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व भर के निवेशकों से यूपी की बदलती परिस्थितियों का लाभ उठाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में विभिन्न देशों के राजदूतों, उच्चायुक्तों, उद्यमियों और निवेशकों की उपस्थिति में प्रदेश के बदलते परिवेश को प्रस्तुत किया गया, इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए नीतिगत बदलाव के साथ ढांचागत सुविधाओं में व्यापक सुधार किया जा रहा है।

प्रदेश में हवाई क्षेत्र से लेकर सड़क, जल और रेल नेटवर्क को सुविधाजनक बनाया गया है। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में फरवरी में होने जा रहे समिट के लिए लोगो का अनावरण कर दिया गया है और ऑनलाइन इन्सेंटिव मैनेजमेंट पोर्टल और निवेश सारथी एप का भी शुभारम्भ कर दिया गया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इन दो पोर्टलों से निवेशकों का कम सरल होगा। निवेश सारथी पोर्टल से एमओयू पर हस्ताक्षर करने और उनके क्रियान्वयन की निगरानी सरल हो जाएगी। प्रदेश में अलग-अलग सेक्टर की नीति के जरिए मिलने वाले इंसेंटिव के लिए निवेशकों को अब विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। निवेश संबंधी सारे सवालों की जानकारियां और जवाब ऑनलाइन मिल सकेंगी। प्रदेश सरकार का सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम निवेश मित्र पोर्टल उद्यमियों की नई परियोजना की शुरुआत में भी काफी सहायक सिद्ध हो रहा है।

प्रदेश में अभी तक जापान, सिंगापुर व इजराइल समेत कई देशों के प्रतिनिधियों ने भी उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए उत्कृष्ट राज्य बताया है। भारत में सिंगापर के उच्चायुक्त साइमन वांग ने कहा कि सिंगापुर और भारत पहले से ही व्यापार में भागीदार हैं और यूपी से अपने जुड़ाव को लेकर हम बहुत आश्वस्त हैं। इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन ने कहा कि हम उत्तर प्रदेश सरकार के साथ बुंदेलखंड में पानी को लेकर पहले से ही परियोजनाओं में भागीदार हैं। अब इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी, इनोवेशन, रक्षा और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भी यूपी सरकार के साथ एक मजबूत साझेदारी के लिए हम उत्साहित हैं। जापान के काउंसलर ने भी यही विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जापान सरकार प्रदेश के विकास में हर आर्थिक सहयोग का समर्थन करती है। कई देशों के प्रतिनिधि व राजदूत भी समय-समय पर मुख्यमंत्री से मिलते रहते हैं। एक प्रकार से अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इच्छाशक्ति व संकल्प के चलते प्रदेश में निवेश करने के लिए निवेशक आकर्षित हो रहे हैं तथा प्रदेश निवेशकों का पहली पसंद बनता जा रहा है। आगामी नौ दिसंबर से प्रदेश सरकार के सभी मंत्री विदेश यात्रा के लिए निकल रहे हैं। प्रदेश में वर्तमान समय में विकास के कई कार्य प्रगति पर हैं जिसके लिए निवेश की महती आवश्यकता है और अब सरकार उसमें लगातार आगे बढ़ रही है।

महापौर लोकमंत्रणा में महापौर डॉ. सिकरवार ने सुनी आमजनों की समस्यायें, अधिकारियों को दिये निर्देश

आमजनों की समस्याओं का त्वरित करें निराकरणः महापौर

● पुष्पांजली टुडे, ग्वालियर

सडक़, बिजली, पानी, सीवर जैसी समस्याओं का निराकरण समय सीमा में किया जाये। लोक मंत्रणा में आई

आमजनों की शिकायतों का संबंधित अधिकारी त्वरित निराकरण करें। साथ ही आमजनों को मिलने वाली बुनियादी सुविधाओं को मुहैया कराने में सहयोग प्रदान करें। यह बात गुरूवार निगम मुयालय में महापौर लोक मंत्रणा कार्यक्रम में आमजनों की शिकायतों का निराकरण करते हुये महापौर शोभा सतीश सिकरवार ने कही। इस मौके पर लश्कर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि

कृष्णाराव दीक्षित, पार्षद अवधेश कौरव सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। आपको बतादें कि महापौर डा. शोभा सिकरवार जनता की समस्याओं से रूबरू होकर उनका निराकरण समय सीमा में करने के उद्देश्य से माह के प्रथम एवं तीसरे गुरुवार को दोपहर 12 से दो बजे तक निगम मुयालय पर लोक मंत्रणा करेंगी। इस कार्यक्रम के तहत निगम के विभागीय अधिकारियों के साथ बैठकर आमजनों की समस्याएं सुनी जाएंगी और उनका मौके पर निराकरण भी कराया जाएगा।

जिन समस्याओं का मौके पर निराकरण संभव नहीं होगा, उसके लिए एक निश्चित समय सीमा निर्धारित कर समस्या का निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। शिकायतों के निराकरण के पश्चात संबंधित आवेदक को निराकरण के संबंध में जानकारी भी दी जाएगी। इस कार्यक्रम के तहत आमजन महापौर को शहर विकास के लिये अपने आवश्यक सुझाव भी दे सकेंगे। महापौर डा. शोभा सिकरवार ने बताया कि शहर के निवासियों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम एवं भ्रमण के दौरान अपनी-अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया जाता है, जिनका निराकरण कार्यक्रमों एवं भ्रमण के दौरान करना संभव नहीं हो पाता है। इसी उद्देश्य से महापौर लोक मंत्रणा कार्यक्रम आज से गुरुवार को प्रारंभ किया। इससे जहां लोगों की समस्याओं का निराकरण होगा, वहीं आमजनों को अपनी समस्याओं को बताने का एक मंच भी उपलध होगा। निगम के अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित रहकर आमजनों की समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में जो भी समस्यायें आएंगी, उनको न केवल पंजीबद्ध किया जाएगा बल्कि उनका निराकरण समय-सीमा में सुनिश्चित भी किया जाएगा तथा की गई कार्यवाही से आवेदक को सूचित करने की कार्यवाही भी की जाएगी।

उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाएगा ग्वालियर गौरव दिवस

● पुष्पांजली टुडे, ग्वालियर

ग्वालियर का गौरव दिवस समारोह उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाएगा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी बाजपेयी जी के जन्म दिवस को ग्वालियर गौरव दिवस के रूप में मनाया जयेगा। इस दिन विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। गौरव दिवस के आयोजन के संबंध में शुक्रवार को जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक हुई । बैठक में गौरव दिवस के आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए । गौरव दिवस समारोह ग्वालियर के ह्रदय स्थल महाराज बाडे पर मनाया जाएगा।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सांसद विवेक नारायण शेजवलकर की उपस्थिति में गौरव दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक हुई । बैठक में पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा, बीज विकास निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल, निगम सभापति मनोज तोमर, भाजपा के जिलाध्यक्ष अभय चौधरी, पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता, पूर्व विधायक रामवरन सिंह गुर्जर, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा कमल माखीजानी सहित कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, सीईओ जिलापंचायत आशीष तिवारी, नगर निगम आयुक्त किशोर कन्याल सहित विभागीय अधिकारी एवं

जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। गौरव दिवस 24 एवं 25 दिसम्बर को विभिन्न आयोजनो के साथ मनाने का निर्णय लिया गया है। जिसमें चित्रकला, शुसान पर भाषण प्रतियोगिता, बाल कवि सम्मेलन, मैराथन दौड, फूट फैस्टीबल, अटल उत्साह रैली, अटल सम्मान समारोह, कवि सम्मेलन आदि आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि ग्वालियर गौरव उत्सव पूर्ण उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाएगा। इस उत्सव में शहर का हर नागरिक भागीदार बने यह भी सुनिश्चित किया जाएगा।

अंतर्राज्यीय लूट गिरोह का पर्दाफाश दर्जनों लूटों मे हुई बरामदगी

शिवपुरी पुलिस की बड़ी कार्यवाही 14 लूटों का खुलासा कर 06 आरोपियों को किया गिरफ्तार, लूटा हुआ करीबन 8 लाख का मश्रुका किया बरामद

● अनिल कुशवाह पुष्पांजली टुडे , शिवपुरी

शिवपुरी-दिनांक 06.11.2022 को फरियादी सुभाष गुर्जर पुत्र मेहताब सिंह गुर्जर उम्र 19 साल निवासी ग्राम दुमदुमा थाना करैरा ने चौकी सुनारी पर रिपोर्ट किया कि दिनांक 05.11.2022 को लगभग 19.00 बजे मैं व मेरी भाभी रुकमणी, बहिन अंजू मो0सा0 से रिश्तेदारी में ग्राम रैपुरा जा रहे थे उसी समय ग्राम रायपहाडी लमकना के बीच आम रोड पर एक काले रंग की हीरो मोटर सायकिल बिना नम्बर पर तीन अज्ञात व्यक्तियों द्वारा कट्टा अडाकर व गोली मारकर सोने की बिजली, सोने की दो अंगूठी, सोने का मंगलसूत्र, पुतली लूट कर ले जाने की रिपोर्ट की थी जिसकी सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत काकर अप0क्र0 679/22 धारा 394 भादवि, 11/13 एमपीडीपीव्हीके एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया । पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुये आरोपियों कि जल्द से जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिये एवं विशेष पुलिस टीम का गठन किया । पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल के निर्देशन मे पुलिस अधीक्षक दतिया श्री अमन सिंह राठौर के सहयोग से अति0 पुलिस अधीक्षक प्रवीण भूरिया के मार्गदर्शन में एस.डी.ओ.पी. श्री संजय चतुर्वेदी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वारदात की पतारसी कर आरोपियों को गिरफ्तार किया । मुखबिर की सूचना पर से मंगला माता मंदिर के पास पहाडी ग्राम भैसा मजरा दुर्गापुर पर पुलिस टीम द्वारा दबिस दी तो वहां मौजूद तीन व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगे जिन्हें पुलिस फोर्स की मदद से घेर कर पकडा, नाम व पता पूछा तो पहला आरोपी ग्राम पलोथर थाना जिगना, दूसरा आरोपी ग्राम गेवरा थाना रक्सा जिला झांसी, तीसरा आरोपी ग्राम उदगवां थाना जिगना जिला दतिया का होना बताया एवं हिकमत अमली से पूछताछ करने पर अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर करैरा, भौंती, खोड, शिवपुरी, सुभाषपुरा, अमोला, कोलारस, खनियाधाना, पिछोर क्षेत्र में 14 लूट की घटनाओं का खुलासा किया, पुलिस द्वारा अन्य तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार कर आरोपियों की निशादेही से लूट का माल करीब 08 लाख रुपये के सोने चांदी के जेवरात व घटना में प्रयुक्त 315 बोर का देशी कट्टा एक जिन्दा राउन्ड व दो मोटर सायकिलें बरामद की गयी है ।

पहली लूट- दिनांक 05.11.2022 को तीन आरोपियों द्वारा ग्राम रायपहाडी एवं लमकना के बीच आमरोड पर हमने काली रंग की हीरों मोटरसाईकिल से रास्ते मे जा रहे एक लडका व एक औरत पर कट्टा अडाकर, गोली मारकर सोने की झुमकी, अंगुठी, मंगलसूत्र व पुतैया की लूट की थी ।

दूसरी लूट- आज से करीवन डेढ-दो महिने पहले खोड क्षेत्र में तीन आरोपियों द्वारा ग्राम उदयपुरा की रतनगढ टेकरी कच्चे रास्ते पर काले रंग की पैशन प्रो गाडी से एक महिला एवं पुरूष की कट्टा अडा कर एक मोवाईल सैमसंग कंपनी का दो सोने की अंगूठी, एक मंगलसूत्र, दो सोने की झुमकी, एक सोने की पुतैया , एक सोने की चैन, महिला के पेरों की चांदी की तोडियां, पर्श की लूट की थी ।

तीसरी लूट- आज से करीव 24-25 दिन पहले रात करीवन 07.30-08.00 के बीच में तीन आरोपियों ने बेरखेडा तिराहे के नीचे काली पहाडियां पुलिया पर काले रंग की पल्सर से एक औरत व आदमी की मोटरसाईकिल को रोककर आदमी की कनपटी पर कट्टा लगाकर औरत जो गहने पहनी थी एवं बैग मे रखे हुए गहने छीन लिए थे । औरत एवं बैग मे रखे गहने व सोंने की पांच अंगूठी, एक सोने का मंगलसूत्र, सोने की एक जोडीं झुमकी, एक जोडी बृजबाला, एक सोने की पुतैया, एक बैंदा, चांदी की पायल, दो बीबों कंपनी का मोबाईल छीन कर ले गये थे ।

चौथी लूट- आज से करीव 5-6 महिने पहले शाम चार बजे करीवन ग्राम कालीपहाडी हाईवे पर अबध होटल के आगे पर दो अपाचे गाडी से एक अपाचे गाडीं पर चार आरोपियों द्वारा एक व्यक्ति की मोटरसाईकिल रोककर कट्टा अड़ाकर 31,000 रूपये बैंग सहित एवं एक मोबाईल छीन कर ले गये थे ।

पांचवी लूट- आज से करीवन 1 महीने पहले चार आरोपियों द्वारा धर्मपुरा गांव के पास हीरो होन्डा मोटरसाईकिल से जा रहे एक आदमी एवं औरत को रोककर हमने दो मोटरसाईकिल से कट्टा अडाकर दो अंगूठी, दो मंगलसूत्र, कान की झुमकी , नाक का कांटा , चांदी का कमर पट्टा एवं चांदी की पायल , 4000 रूपये पर्श सहित छीन कर ले गये थे ।

छटवीं लूट- आज से करीव पांच माह पहले तीन आरोपियों द्वारा दोपहर करीवन 02.30 बजे मुंगावली स्कूल के पास पैशन प्रो मो.सा. से एक मोटरसाईकिल से बैठे तीन लोगों को रोककर महिला के गहने सोने का हार, मंगलसूत्र छीन कर ले गये थे । उक्त सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने व लूटे गये माल की बरामदगी करने में थाना प्रभारी करैरा निरी0 सतीश सिंह चौहान, अमोला थाना प्रभारी उनि संतोष भार्गव, उनि राघवेन्द्र यादव, उनि कुलदीप सिंह, उनि बी0आर0 पुरोहित, उनि अरविन्द चौहान थाना बैराड, चौकी हिम्मतपुर चौकी प्रभारी नितिन भार्गव, चौकी खोड प्रभारी उनि अंशुल गुप्ता, थाना प्रभारी सुरवाया उनि रामेन्द्र चौहान, चौकी थनरा प्रभारी सउनि सतीश जयंत एवं थाना प्रभारी जिगना जिला दतिया, सउनि विवेक भट्ट, सउनि जितेन्द्र जाट, कावा.प्रआर जगदीश सिंह, कावा. प्रआर. हिमांशु जोशी, आर0 सोनू पाण्डेय, आर0 874 प्रभजोत सिंह, आर0 सोनू श्रीवास्तव, आर0 सतेन्द्र सिंह, आर0 ओमप्रकाश रावत, आर0 अमित यादव, आर0 सुखवीर, आर. अनिल यादव, आर0 संजीव श्रीवास्तव, आर. संदीप सिंह, आर. चा. रामहुजूर यादव की सराहनीय भूमिका रही है ।

करोड़ों की लूट का 6 घंटे में किया पर्दाफाश

● पुष्पांजली टुडे क्राइम रिर्पोटर, ग्वालियर

ग्वालियर। थाना इन्दरगंज क्षेत्र में राजीव प्लाजा के पास पैकेजिंग मटेरियल सप्लाई करने वाली हरेन्द्र ट्रेडिंग कंपनी के मुनीम के साथ दिन दहाड़े हुई 1 करोड़ 20 लाख रूपये की सनसनीखेज लूट की बारदात को गंभीरता से लेते हुए एडीजीपी ग्वालियर जोन डी. श्रीनिवास वर्मा, द्वारा पुलिस अधीक्षक अमित सांघी के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की और उक्त घटना का पर्दाफाश कर शत-प्रतिशत बरामदगी कर लुटेरों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस की टीमें बनाकर कार्यवाही करने हेतु निर्देषित किया गया। पुलिस की तीन टीमें बनाई गई। जिसमें एक टीम का नेतृत्व एएसपी मोती उर रहमान दूसरी टीम का नेतृत्व एएसपी राजेश डण्डोतिया तथा तीसरी टीम का नेतृत्व डीएसपी अपराध ऋषिकेष मीणा द्वारा किया गया। पुलिस टीमों के सहायतार्थ सीएसपी लष्कर सियाज केएम सीएसपी इन्दरगंज विजय भदौरिया, सीएसपी महाराजपुरा रवि भदौरिया व सीएसपी विश्वविद्यालय रत्नेष तोमर, डीएसपी यातायात नरेश बाबू अन्नोटिया को भी लगाया गया। पुलिस टीमों द्वारा घटनास्थल के आसपास के सभी सीसीटीव्ही फुटेज चेक किये गये तथा टेक्नीकल टीम को सक्रिय किया गया। एडीजीपी ग्वालियर जोन एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा पूरे घटनाक्रम पर सत्त संपर्क रखते हुए जांच में लगी हुई टीमों को लगातर दिषा निर्देश दिये गये। घटना के संबंध में पूछताछ पर ट्रेडिंग कंपनी के वाहन चालक द्वारा संदेहास्पद जवाब दिये जाने से उससे कड़ाई से पूछताछ की गई तो उसने अपने दो साथियों के साथ सोचे समझे प्लान के तहत उक्त लूट की घटना कारित करना स्वीकार किया। इस पर से पुलिस टीमों द्वारा उक्त आरोपियों की तलाश प्रारम्भ की गई। उक्त लूट की घटना का पर्दाफाश करने के लिये बनाई गई तीनों पुलिस टीमों द्वारा त्वरित प्रयास करते हुए उक्त लूट की घटना कारित करने वाले एक आरोपी को थाना महाराजपुरा क्षेत्रान्तर्गत महाराजपुरा गांव से पकड़ लिया गया। पकड़े गये आरोपी से लूटे गये रूपयों का कार्टन एवं एक कट्टा 315 बोर का कट्टा मय एक राउण्ड के बरामद किया गया।

फिल्मी स्टाइल में दिनदहाड़े हुई सनसनीखेज लूट का पुलिस ने किया खुलासा

● पुष्पांजली टुडे क्राइम रिर्पोटर, ग्वालियर

ग्वालियर। थाना डबरा क्षेत्र के व्यस्ततम ठाकुर बाबा रोड पर दिनदहाड़े गल्ला व्यापारी पर गोलियां चलाकर बाइक सवार बदमाश 35 लाख रुपए लूट ले गए थे। लुटेरों ने लूट की सनसनीखेज वारदात को अंजाम उस समय दिया, जब गल्ला व्यापारी अपने सहयोगी के साथ बैंक से 35 लाख रुपए निकालकर घर लौट रहा था। उक्त लूट की वारदात को गंभीरता से लेते हुए अति. पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन श्री डी.श्रीनिवास वर्मा,भापुसे एवं पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसे द्वारा घटनास्थल पर जाकर जायजा लिया और उक्त लूट की घटना का शीघ्र पर्दाफाश कर लुटेरों की गिरफ्तारी हेतु अति.पुलिस अधीक्षक शहर(पूर्व/अपराध) श्री राजेश डण्डोतिया एवं अति. पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री जयराज कुबेर को टीमें बनाकर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त लूट की घटना के शीघ्र खुलासे हेतु पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच सहित पुलिस की एक दर्जन टीमें बनाई गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशो के परिपालन में सीएसपी मुरार/डीएसपी अपराध श्री ऋषिकेश मीणा,भापुसे, सीएसपी लश्कर श्री सियाज के.एम.,भापुसे, एसडीओपी डबरा श्री विवेक कुमार शर्मा के निर्देशन में क्राईम ब्रांच व थाना डबरा पुलिस सहित देहात क्षेत्र के थानों की पुलिस टीमों के लगभग 150 पुलिस कर्मियों को उक्त लूट की घटना का पर्दाफाश करने हेतु लगाया गया। पुलिस टीमों द्वारा घटनास्थल के आसपास एवं संपूर्ण डबरा शहर के सभी सीसीटीव्ही फुटेज चेक किये गये तथा टेक्निकल व सायबर टीमों को भी सक्रिय किया गया। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा घटना दिनांक से डबरा में प्रतिदिन संपूर्ण घटनाक्रम पर सत्त संपर्क रखते हुए जांच में लगी हुई टीमों को लगातार दिशा निर्देश दिये गये। लूट की घटना की पतासाजी हेतु पूर्व के आपराधिक रिकॉर्ड व जेल से रिहा हुए करीब 100 लुटेरों की भी तस्दीक की गई। घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे मोटर सायकिल सवार बदमाशों की तस्दीक हेतु मुखबिर तंत्र भी मामूर किये गये। तीन राज्यों में पुलिस टीमें गई और सैकड़ों किलोमीटर तक 500 से अधिक सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेज तलासे गये और 6 दिन का बैकअप देखा गया। अंततः मेहनत रंग लाई और उक्त लूट की घटना में वांछित 8 अपराधी चिन्हित हो गये। लगातार 07 दिन तक सभी पुलिस टीमों द्वारा कमरतोड़ की गई मेहनत रंग लाई और सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर सर्वप्रथम रैकी करने वाले बदमाश चिन्हित किये। जिन्हे पुलिस टीमों द्वारा विभिन्न स्थानों से पकड़ा जाकर पूछताछ की गई तो उनके द्वारा संपूर्ण घटना का खुलासा किया गया तथा गिरफ्तार चार आरोपियों की निशादेही पर घटना में लूटे गये रूपयों में से 07 लाख रूपये तथा घटना में प्रयुक्त चार मोटर सायकिलों में से एक मोटर सायकिल जप्त की गई है। ज्ञात हुआ है कि घटना में प्रयुक्त चार में से तीन मोटर सायकिल लुटेरों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से चोरी कर इस्तेमाल की गई थी।

आरक्षक आर्मी से उपनिरीक्षक पुलिस तक का सफर

रिपोर्ट -रहीश भैया ग्वालियर संभाग, पुष्पांजली टुडे

नाम- शैलेन्द्र सिहं गुर्जर, पिता- श्री कपूर सिहं गुर्जर (रिटायर शा0 शिक्षक)
गृह जिला- मुरैना , जन्म स्थान- हटूपुरा (घुरैया बसई) सुमाबली
जन्म दिनांक- 06/04/1982, वर्तमान पदस्थापना, बैच- 1998 आर्मी (जी.डी.), बैच- 2016 (उप निरीक्षक)

वर्ष 1982 में जन्में शैलेन्द्र सिंह गुर्जर ने महज 10 पास करने के बाद आर्मी का फार्म डाला और महज पहले ही प्रयास में मात्र 17 वर्श की आयु में आर्मी (जीडी) में सेलेक्ट हुए और मात्र 2 माह की ट्रेनिंग करने के बाद कारगिल युद्ध में देश की सेवा करने चले गये जहां राजपूत रेजीमेंट की 26 बटालियन में पदस्थ रहकर, कारगील युद्ध (जम्मू कश्मीर) में भारत और पाकिस्तान के बीच लडा गया। 26 जुलाई वह तारीख जो इतिहास के पन्नों में हमेशा भारतीय सेना की आन-बान-और शान को बंया करती रहेगी। देष पर कुर्बान होने शहीदों को हमेशा साहस की कहानियां सुनकर आप लोग भी हमेशा याद करेंगे। बात उस समय की है जब 1999 में मई के महीनें में भारत और पाकिस्तान के बीच जंग छिड गई थी। कारगिल में पाकिस्तानी घुसपैठियों ने कई किलोमीटरों तक कब्जा कर लिया था। सेना के सारे जवानों-असफरों की छुट्टिया रद्द कर दी गई थी। आपकों बता दें कि इतने दुर्गम इलाकें में दो महीने चले इस भीषण युद्ध में भारतीय सेना ने अपने अद्भुद शौर्य और पराक्रम के चलते कारगिल की चोंटियों पर भारतीय तिरंगा फहरा दिया था, लेकिन इस जंग जीतने में हमारे सेना के 572 जवानों को खोया था एवं 1300 से ज्यादा जवान घायल हुये थे, उसके बाद श्री गुर्जर ने राजस्थान, पंजाब, नोर्थ इस्ट, अरूणाचल प्रदेष, नागालैंड, असम, मेघालय में सेवा दी, राश्टीय रायफल में सेवाएं दी, सेना में रहते हुये 12वी , बीए की पढाई की तथा सेना मे रहते हुए 4-5 बार सम्मानित किये गऐ। 2014 तक सेना में नौकरी की एवं वर्ष 2016 में उपनिरीक्षक की परीक्षा पास की और प्रोवसनल राहतगढ (सागर) में की, चौकी प्रभारी टडा (सागर) रहे, जे.एस.आई.गोपलगंज, देवरी (सागर) रहे फिर ग्वालियर स्थानांतरण हो गया, ग्वालियर थाना किलागेट, थाना प्रभारी करहिया, थाना प्रभारी डबार देहात, थाना प्रभारी बेलगढा रहते हुये अब थाना प्रभारी घाटीगांव के पद पर पदस्थ है देश भक्ति जन सेवा कर रहे है।

रिपोर्ट -रहीश भैया ग्वालियर संभाग, पुष्पांजली टुडे

सिपाही से थाना प्रभारी तक का सफर

नाम- बलवीर सिहं मावई
पिता- श्री अमर सिहं मावई
जन्म तिथि- 07-07-1968
ग्रह जिला- मुरैना
जन्म स्थान- बामौर
वर्तमान पदस्थापना- थाना प्रभारी भंवरपुरा जिला ग्वालियर
बैच-1990 (आरक्षक)
प्रमोशन-2015 (एस. आई.)

म0प्र0 ग्वालियर जिले के अंतर्गत आने वाला भंवरपुरा थाना इन दिनों चर्चाओं में है उसका कारण है इस थाने में पदस्थ थाना प्रभारी बलबीर सिंह मावई की कार्यप्रणाली। विदित हो कि श्री मावई ने अपनी पूर्व पदस्थापनाओं के दौरान गुना एवं ग्वालियर जिले के तमाम थानों में थाना प्रभारी के रूप में अपनी सेवाऐं दी है। और अपनी निर्भीक और निश्पक्ष कार्यप्रणालियों के कारण हमेष ही चर्चा में रहे। आपको बता दें कि श्री मावई ने पुलिस विभाग में अपना कदम 1990 में एक आरक्षक के रूप में रखा था। जहां सर्वप्रथम ग्वालियर जिले के जनकगंज थाने से अपनी षुरूवात की तमाम थानों में रहते हुये 2015 में प्रमोषन लेकर उपनिरीक्षक बने थाना प्रभारी सिरसी (गुना), मकसूदनगढ (गुना) थाना प्रभारी धरनावदा (गुना), कैंट थाना प्रभारी (गुना), जनवरी 2019 ग्वालियर पडाव थाना प्रभारी, ग्वालियर किलागेट थाना प्रभारी रहते हुये दीपावली 2022 के दिन भंवरपुरा थाने की कमान थाना प्रभारी के रूप में संभाली और संकल्प लिया कि जल्द ही कुख्यात डकैत जो कि क्षेत्र में आतंक मचा रहा है को जल्द ही पकडूगा। और महज 10-12 दिन बाद अति0पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन श्री डी श्रीनिवास वर्मा एवं वरिश्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि गुड्डा गैंग को देखा गया है तो वरिश्ठ अधिकारियों ने 3 टीमें बनाई और जंगलों में हुई पुलिस की मुठभेड में डकैत गुड्डा गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया आपको बता दें कि गुड्डा गुर्जर पर 60 हजार रूपये का ईनाम घोशित था पुलिस और डकैत की मुठभेड भंवरपुरा के जंगलों में हुई और पुलिस की गोली पैर में लगी तो वह घायल हो गया और पुलिस की टीम ने घेराबंदी करके पकड लिया। और जेल भेज दिया।

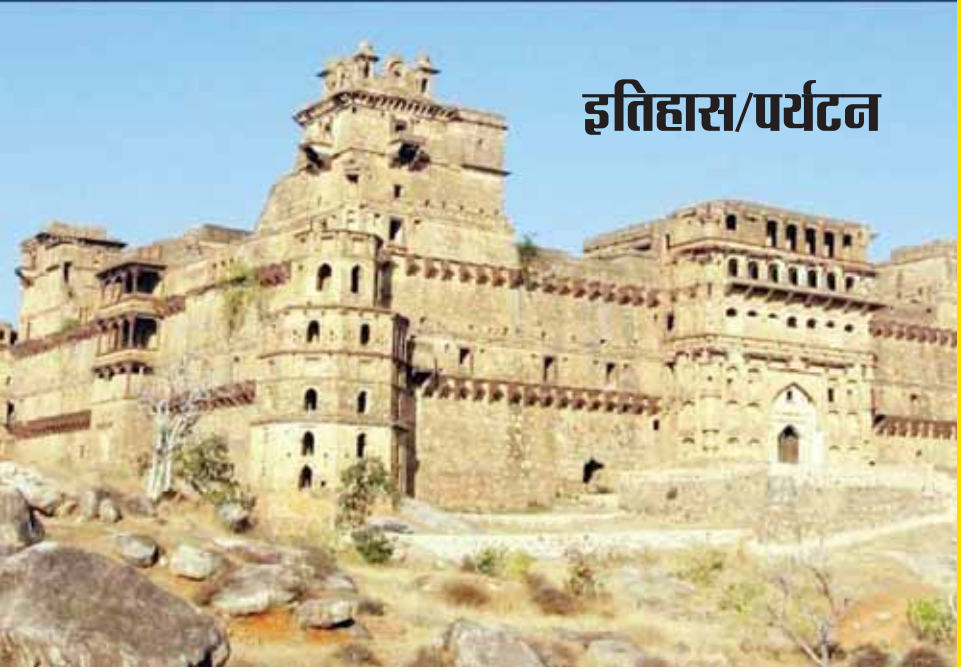

गढ़कुंडार का रहस्य

गढ़-कुंडार मध्य प्रदेश के जिले निवाड़ी में स्थित एक छोटा सा गांव है इस गांव का नाम यहां स्थित प्रसिद्ध दुर्ग (गढ़) के नाम पर पड़ा।

● पुष्पांजली टुडे से हरिओम परिहार की रिपोर्ट शिवपुरी

मध्यप्रदेश राज्य के उत्तर में निवाड़ी जिले में स्थित एक उच्च पहाड़ी चोटी पर स्थित है,यह किला उस काल की न केवल बेजोड़ शिल्पकला का नमूना है बल्कि गढकुंडार के स्वतंत्रता की रक्षार्थ दिए गए संघर्षो के बलिदान, त्याग, राष्ट्रधर्म से संबंधित संस्कृति ओर परंपराओं से परिपूरित वीर खंगार महाराजाओ की कर्मस्थली रहा।

इतिहास-सन् 1182 ई. में जब दिल्ली अधिपति पृथ्वीराज चौहान ने खेत सिंह के कुशल नेतृत्व में चंदेलों के ऊपर चढ़ाई की चंदेलों को आत्मसमर्पण कर संधि करने को विवश होना पड़ा उसी दौरान विजित भाग गढकुंडार राज्य पर खेतसिंह का राजतिलक किया खंगार राज्य के अधिष्ठाता एवं हिंदुत्व के सजग प्रहरी महाराजा खेत सिंह खंगार ने विदेशी आक्रमणकारियों,मुगलो के विरूद्ध देश- धर्म की रक्षार्थ अनेको आदर्श परम्पराओं का प्रचलन किया था जो जनमानस के पटल पर आज भी इस भू -भाग में खंगार शासनकाल के जुझौति खंड से ही वर्तमान के बुंदेलखंड में त्यौहारों के रूप में विद्यमान है! महाराजा खेत सिंह खंगार के वंशजों ने 165 वर्ष सन् 1182 ई. से 1347 ई.तक जुझौति खंड (वर्तमान बुंदेलखंड) पर शासन किया ! सन् 1347 ई.में बादशाह तुगलक ने गढकुंडार राज्य के अंतिम खंगार राजा मानसिंह से राजकुमारी केशर दे का डोला देने का कहकर संधि करने की बात रखी या भीषण युद्ध के लिए तैयार रहने का संदेश दिया था, किंतु खंगार राजा मानसिंह ने तुगलक से संधि नही की स्वाभिमानओर क्षत्रित्व की रक्षार्थ भीषण शाका युद्ध कर बलिदान दिया, राजकमारी केशर दे के नेतृत्व में हजारों माताओ, बहिनों के साथ सतीत्व की रक्षार्थ जौहर प्रथा पालन किया! आज भी जौहर व्रत के पालन के पूर्ण शिलालेख (जौहर स्तम्भ/सती चीरे) गढकुंडार में विद्यमान है जिन्हे सिंदूर सागर तालाब की सीढ़ियो पर देखा जा सकता है।

कैसे पहुंचें-पहुंचने के लिए वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी के रेलवे स्टेशन से महज 70 किलोमीटर दूरी स्थानीय बस टैक्सी या निजी वाहन से तय करके पहुंचा जा सकता है रामराजा की नगरी ओरछा से 50द्यद्व की दूर गढ़कुंडार गांव तक पहुंचने के लिए आसान मार्ग उपलब्ध है यह झांसी के दक्षिण पश्चिम भाग में स्थित है मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक किलो में से एक रहस्यमय सुंदर शिल्पकला का नमूना गढकुंडार का किला है पर्यटन की दृष्टि से बहुत ही शानदार जगह है प्राकृतिक वातावरण,अदभुत गढकुंडार किला, यहां की संस्कृति ,परंपराएं युवाओं, आम जनमानस में राष्ट्रभक्ति की भावनाओ का संचार

करती हैं,

रहस्यमय गढकुंडार किला-गढकुंडार किले की एक बहुत बड़ी विशेषता यह है कि 12 द्यद्व दूर से यह नग्न आंखों से दिखाई देता है लेकिन जैसे इसके करीब जायेगे यह गायब हो जाता है आंखों से दिखाई नही देता है पता लगाना मुश्किल हो जाता है यही विशेषताएं विदेशी पर्यटकों सहित देश के प्रकृति प्रेमी,कला,संस्कृति, साहित्य में रूचि रखने वाले लोगो को अपनी ओर आकर्षित करती है।

कब जाएं--वर्ष भर गढकुंडार किला,यहां का प्राकृतिक वातावरण, हरियाली से सजी पहाड़ियां,प्रकृति की सुंदरता, संस्कृति,परंपराएं तालाब में नौका विहार का आनंद देशी विदेशी पर्यटक लेते है।

दर्शनीय स्थल-गजानन माता मंदिर- खंगार क्षत्रिय राजवंश की कुलदेवी गजानन माता का मंदिर गढकुंडार किले से 8द्यद्व दूर ग्राम सकूली में एक ऊंची पहाड़ी पर स्थित है जहां वर्ष भर हजारों की संख्या में श्रद्धालु जन आते जाते रहते हैं,बताया जाता है कि जो एक बार माता गजानन के दर्शन करता है उसकी मनोकामना पूर्ण होती है ,

औषधीय प्राकृतिक कुंड- गजानन माता मंदिर पर एक औषधीय गुणवत्ता युक्त कुंड है जिसके जल से त्वचीय रोगों का इलाज लोगो के द्वारा किया जाता है कितनी भी सूखा रहे पर कुण्ड का जल कभी खाली नही होता है।

गिद्धवाहिनी माता मंदिर-गढ़कुंडार किले से महज 3 किलोमीटर की दूरी पर गिद्ध वाहिनी माता का ऐतिहासिक मंदिर स्थित है जहां पर एक बड़ा तालाब है जिसकी सीढ़ियों पर आज भी सती स्तम्भ/सती चीरे बने हुए हैं जो खंगार राजवंश की क्षत्रियाणियो द्वारा सतीत्व की रक्षार्थ किए गये जौहर प्रथा का जीता-जागता उदाहरण है!

सांस्कृतिक कार्यक्रम-गढकुंडार महोत्सव 27,28 एवं 29 दिसंबर

महाराजा खेत सिंह खंगार के जन्मदिन पर प्रति वर्ष 27,28 एवं 29 दिसंबर को गढकुंडार महोत्सव के रूप में मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति मंत्रालय एवं जिला प्रशासन निवाड़ी के सहयोग से भव्यता के साथ मनाया जाता है तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ साथ विशाल मेला लगता हैं जहां भारत के विभिन्न प्रदेशो की संस्कृति परंपराएं देखने को मिलती हैं देश के कोने-कोने से लोगो का आना जाना लगा रहता है तथा विदेशी पर्यटक भी आते जाते हैं और मप्र शासन के विभागों द्वारा प्रदर्शिनियो को लगाया जाता है सभी व्यवस्थाएं उत्तम रहती है।

झांसी की रानी लक्ष्मीबाई

समाज के लिए आदर्श नायिका हैं

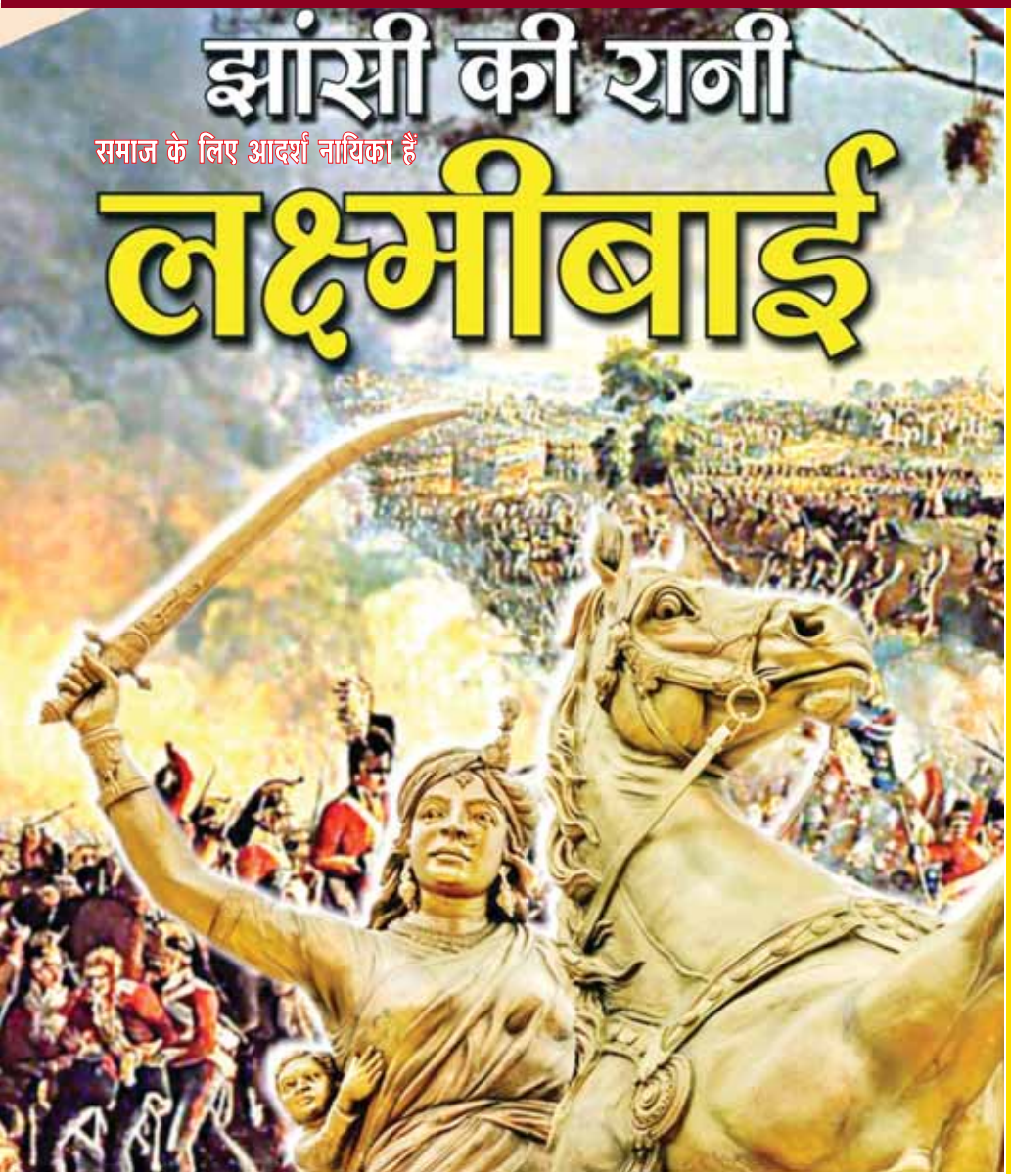

वीरांगना नाम सुनते ही हमारे मनोमस्तिष्क में रानी लक्ष्मीबाई की छवि उभरने लगती है। भारतीय वसुंधरा को अपने वीरोचित भाव से गौरवान्वित करने वाली झांसी की रानी लक्ष्मीबाई सच्चे अर्थों में वीरांगना ही थीं। वे भारतीय महिलाओं के समक्ष अपने जीवन काल में ही ऐसा आदर्श स्थापित करके विदा हुईं, जिससे हर कोई प्रेरणा ले सकता है। कहा जाता है कि सच्चे वीर को कोई भी प्रलोभन अपने कर्तव्य से विमुख नहीं कर सकता। ऐसा ही रानी लक्ष्मीबाई का जीवन था। उसके मन में अपने राज्य और राष्ट्र से एकात्म स्थापित करने वाली भक्ति हमेशा विद्यमान रही। वीरांगना के मन में हमेशा यह बात कचोटती रही कि देश के दुश्मन अंग्रेजों को सबक सिखाया जाए। इसी कारण उन्होंने यह घोषणा की कि मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। इतिहास बताता है कि इस घोषणा के बाद रानी ने अंग्रेजों से युद्ध किया।

भारत भूमि पर अंग्रेजों से लोहा लेने के लिए अनेक वीर अग्रणी भूमिका में रहे हैं। लेकिन देश को स्वतंत्र कराने में मातृशक्ति का योगदान किसी प्रकार से कम नहीं कहा जा सकता है। जिन नारियों ने भारत को स्वतंत्र कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई आज पूरा देश उन्हें वीरांगना के नाम से स्वीकार करता है। वीरांगना नाम सुनते ही हमारे मनोमस्तिष्क में स्वाभाविक रूप से रानी लक्ष्मीबाई की छवि उभरती है। भारतीय वसुंधरा को अपने वीरोचित भाव से गौरवान्वित करने वाली झांसी की रानी लक्ष्मीबाई सच्चे अर्थों में वीरांगना ही थीं। वे भारतीय महिलाओं के समक्ष अपने जीवन काल में ही ऐसा आदर्श स्थापित करके विदा हुईं, जिससे हर कोई प्रेरणा ले सकता है। वर्तमान युग में जहां हर कोई अपने आप तक केन्द्रित होता जा रहा है, उनके लिए वीरांगना लक्ष्मीबाई का जीवन एक ऐसा उदाहरण है, जो राष्ट्रीय भावना को संचारित करने में एक आदर्श है। भारतीय नारी शक्ति को इस बात का अवश्य ही विचार करना चाहिए कि हमारे नायक कौन होने चाहिए? क्योंकि श्रेष्ठ नायक और नायिकाओं के माध्यम से ही श्रेष्ठ जीवन बनता है। आज हम जिस चमक दमक में नायकत्व को देखने का प्रयास करते हैं, वे वास्तव में भारत के नायक हैं ही नहीं। इसे

सुनियोजित तरीके से भारत में इस रूप में प्रचारित किया गया है और इसी कारण समाज का बहुत बड़ा वर्ग भ्रम में जी रहा है।

यह वास्तविकता ही है कि जो भी देश से प्यार करता है, उसे कोई भी प्रलोभन अपने कर्तव्य से डिगा नहीं सकता। ऐसे ही महान व्यक्ति भविष्य में समाज के नायक के रूप में स्थापित होते हैं। वास्तव में नायक वही होता है, जो अपने कर्मों से सही राह पर चलने की प्रेरणा दे सके। ऐसा ही रानी लक्ष्मीबाई का जीवन था, यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं है। उसे अपने राज्य और राष्ट्र से एकात्म भाव को प्रदर्शित करने वाला प्यार था। वीरांगना के मन में हमेशा यह बात कचोटती रही कि देश के दुश्मन अंग्रेजों को सबक सिखाया जाए। इसी कारण उन्होंने यह घोषणा की कि मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। इतिहास बताता है कि इस घोषणा के बाद रानी ने अंग्रेजों से युद्ध किया। वीरांगना लक्ष्मीबाई के मन में अंग्रेजों के

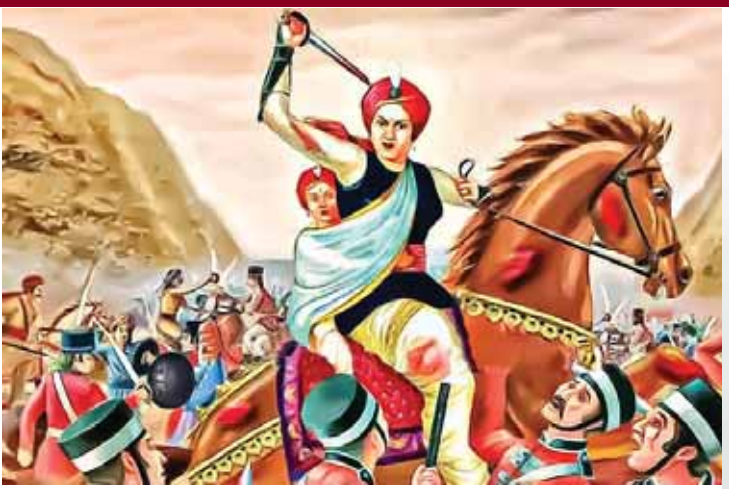

प्रति किस कदर घृणा थी, वह इस बात से पता चल जाता है कि जब रानी का अंतिम समय आया, तब ग्वालियर की भूमि पर स्थित गंगादास की बड़ी शाला में रानी ने संतों से कहा कि कुछ ऐसा करो कि मेरा शरीर अंग्रेज न

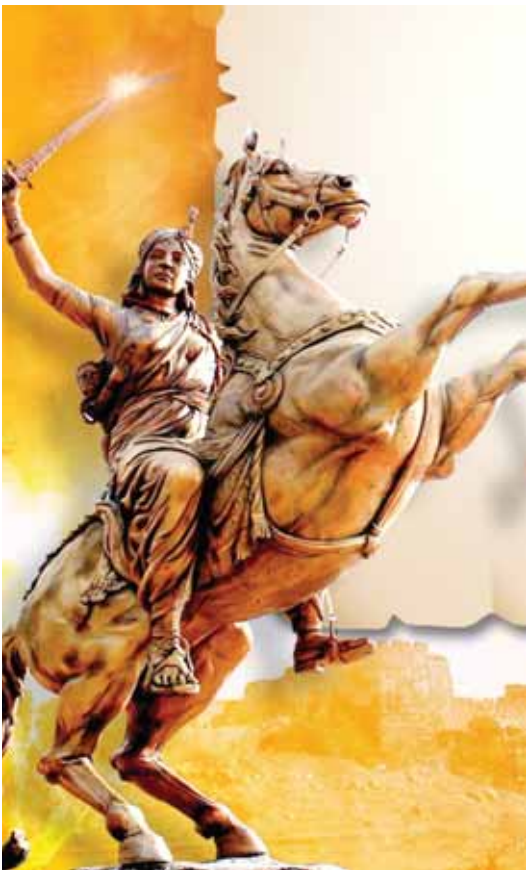

छू पाएं। इसके बाद रानी स्वर्ग सिधार गईं और बड़ी शाला में स्थित एक झोपड़ी को चिता का रूप देकर रानी का अंतिम संस्कार कर दिया और अंग्रेज देखते ही रह गए। हालांकि इससे पूर्व रानी के समर्थन में बड़ी शाला के संतों ने अंग्रेजों से भीषण युद्ध किया, जिसमें 745 संतों का बलिदान भी हुआ, पूरी तरह सैनिकों की भांति अंग्रेजों से युद्ध करने वाले संतों ने रानी के शरीर की मरते दम तक रक्षा की।

जिन महापुरुषों और महान नायिकाओं का हृदय वीरोचित भाव से भरा होता है, उसका लक्ष्य सामाजिक और राष्ट्रीय उत्थान ही होता है। वह एक ऐसे आदर्श चरित्र को जीता है, जो समाज के लिए प्रेरणा बनता है। इसके साथ ही वह अपने पवित्र उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सदैव आत्मविश्वासी, कर्तव्य परायण, स्वाभिमानी और धर्मनिष्ठ होता है। ऐसी ही थीं महारानी लक्ष्मीबाई। उनका जन्म काशी में 19 नवंबर 1835 को हुआ। लक्ष्मीबाई अपने बाल्यकाल में मनु व मणिकर्णिका के नाम से जानी जाती थीं। सन् 1850 मात्र 15 वर्ष की आयु में झांसी के महाराजा गंगाधर राव से मणिकर्णिका का विवाह हुआ। एक वर्ष बाद ही उनको पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई, लेकिन चार माह पश्चात ही उस बालक का निधन हो गया। राजा गंगाधर राव को तो इतना गहरा धक्का पहुंचा कि वे फिर स्वस्थ न हो सके और 21 नवंबर 1853 को चल बसे। यद्यपि महाराजा का निधन महारानी के लिए असहनीय था, लेकिन फिर भी वे घबराई नहीं, उन्होंने विवेक नहीं खोया। राजा गंगाधर राव ने अपने जीवनकाल में ही अपने परिवार के बालक दामोदर राव को दत्तक पुत्र मानकर अंग्रेज सरकार को सूचना दे दी थी। परंतु ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार ने दत्तक पुत्र को अस्वीकार कर दिया। 27 फरवरी 1854 को लार्ड डलहौजी ने गोद की नीति के अंतर्गत दत्तक पुत्र दामोदर राव की गोद अस्वीकृत कर दी और झांसी को अंग्रेजी राज्य में मिलाने की घोषणा कर दी। यह सूचना पाते ही रानी के मुख से यह वाक्य प्रस्फुटित हो गया, मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। यहीं से भारत की प्रथम स्वाधीनता क्रांति का बीज प्रस्फुटित हुआ। रानी लक्ष्मीबाई ने सात दिन तक वीरतापूर्वक झांसी की सुरक्षा की और अंग्रेजों का बड़ी बहादुरी से मुकाबला किया। बहुत दिन तक युद्ध का क्रम इस प्रकार चलना असंभव था। सरदारों का आग्रह मानकर रानी ने कालपी प्रस्थान किया। वहां जाकर वे शांत नहीं बैठीं। उन्होंने नाना साहब और उनके योग्य सेनापति तात्या टोपे से संपर्क स्थापित किया और विचार-विमर्श किया। रानी की वीरता और साहस का लोहा अंग्रेज मान गए, लेकिन उन्होंने रानी का पीछा किया। कालपी में महारानी और तात्या टोपे ने योजना बनाई और अंत में नाना साहब, शाहगढ़ के राजा, बानपुर के राजा मर्दन सिंह आदि सभी ने रानी का साथ दिया। रानी ने ग्वालियर पर आक्रमण किया और वहां के किले पर अधिकार कर लिया। विजयोल्लास का उत्सव कई दिनों तक चलता रहा, लेकिन रानी इसके विरुद्ध थीं। यह समय विजय के उल्लास का नहीं था, अपनी शक्ति को संगठित कर अगला कदम बढ़ाने का था। इधर जनरल स्मिथ और मेजर रूल्स अपनी सेना के साथ संपूर्ण शक्ति से रानी का पीछा करते रहे और आखिरकार वह दिन भी आ गया जब उसने घमासान युद्ध करके ग्वालियर का किला अपने कब्जे में ले लिया। रानी लक्ष्मीबाई इस युद्ध में भी अपनी कुशलता का परिचय देती रहीं। 18 जून 1858 को ग्वालियर का अंतिम युद्ध हुआ और रानी ने अपनी सेना का कुशल नेतृत्व किया। वे घायल हो गईं और अंततः उन्होंने वीरगति प्राप्त की। रानी लक्ष्मीबाई ने स्वातंत्र्य युद्ध में अपने जीवन की आहुति देकर जनता जनार्दन को चेतना प्रदान की और राष्ट्रीय रक्षा के लिए बलिदान का संदेश दिया। रानी लक्ष्मीबाई का बलिदान उस समाज के लिए भी एक प्रेरणा है जो देश के विरोध में नए नए षड्यंत्र करते हैं। क्योंकि विचार करने वाली यह है कि देश को स्वतंत्र कराने के लिए जिन योद्धाओं ने अंग्रेजों से मुकाबला किया, वह उनके स्वयं के लिए नहीं था, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय समाज के लिए ही था। आज हम स्वतंत्र भारत में जी रहे हैं तो इसमें इन क्रांतिकारियों का अविस्मरणीय योगदान है। भारत की भावी पीढ़ी को ऐसे नायकों से प्रेरणा लेकर जितना भी बन सके, राष्ट्र के लिए योगदान देना ही चाहिए।

चम्बल में अब्बल बांटेड सिंगम अफसर...

● पुष्पांजली टुडे केशव पंडित जी पत्रकार अम्बाह...

चम्बल... मुरैना अम्बाह पोरसा डर और दहशत के साये मे लिप्त था आज (मयूरवन) मुरैना नगरी को आज ऐसे दवंग, निडर,बैखौफ,निर्भीक सिंगम अफसर की जरूरत थी मॉग थी तलाश है जो शहर के क्राइम को बखूबी समझता हो जानता हो जिसने इन गुण्डो की कुण्डली खगाल रखी हो इनके ठिकानो से परिचित हो

जो शहर के गुण्डो की नब्ज से भी बाकिव हो और शहर के इतिहास का क्राइम का भूगोल की भली भॉति जानकारी भी रखता हो जो इनके मंसूबो को भी जानता हो जो इनकी जमकर नकेल कस सके वो सिंगम इतना काबिल इतना माहिर इतना स्किल्ड इतना जोशीला हो कि क्राइम को जड मूल से ही खात्मा कर सके और पनप रहै इस गैगबार व माफियो को कुचल सके मेरे जहान में ऐसे तीन अफसर रहै है जिनकी ऑखो में खून आबाज में लोहा इरादे फोलादी हौसले बुलंन्द और जुल्म को कुचलने का माद्दा रखने बाले सिंगम अधिकारी मिले थे और है जिन्हौने अपनी बर्दी के दम पर अपने खास दमखम से मुरैना जिले को क्राइम मुक्त ही नही किया बल्कि इसमे खौफ भी पैदा किया इस शहर में खदैडा है सलाखो के पीछे पहुचाया है...बिना राजनीति दबाब के गुण्डो मे खौफ और भय पैदा किया है कडी कारबाही की है कई अपराधियो को शहर से भागना पडा है इनकी आर्थिक कमर भी तोडी है और इस शहर को अपने अद्धत कार्यशैली से अमन चैन की सौगात भी दी है प्रथम आईपीएस डा.असित यादव दूसरे सुनील कुमार पाण्डे व तीसरे युवा व दवंग बर्तमान एसपी मुरैना आशुतौश बागरी असित यादव व आशुतोश बागरी ऐसे नाम है जिन्हौने एक साथ रहकर अपनी सेवाये मुरैना जिले को दी जिनसे अपराधियो की रूह भी कॉपती है इन अधिकारियो का इतिहास रहा है जिस शहर में भी जाते है गुण्डो आसामाजिक तत्वो सामत आजाती है सच कहू तो अपराधियो के लिये काल ही बन जाते है न जाने ये कौनसी मिट्टी के बने है क्राइम को देखते ही बेहद बेरहम होजाते है कहर बनकर टूट पढते है जबकि एसपी डा. असित यादव व आसुतोश बागरी पूर्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रहै तब भी मुरैना की जनता के दिलो में रहै थे मुरैना नैना गढ रोड ब्यबसाई के तीन साल के बेटे ग्रन्थ का अपहरण हुआ था रामलक्ष्मण जैसी जोडी असित आशुतोश ने अपनी सूझबूझ से 3घन्टे में मुक्त करा लिया जबकि रूऊर गॉव से 7 साल बच्ची लक्ष्मी का अपहरण हुआ आज तक पता नही बेटे ग्रन्थ मुक्त कराने की उपलब्धि चम्बल की पहली रही है जिस मुरैना की कहानी को क्राइम प्रैट्राल नाटक में टेलीबिजन पर दिखाया जा रहा है बीच में जिले की कानून ब्यबस्था लडखडा गई और बागचीन छैरा गॉव में अबैध जहरीली शराब से चौबीस लोगो की मौत ने पुलिस व प्रसासन गहरी आघात पहुचाई उसके बाद सुनील कुमार पाण्डे को जिले की कमान सौपी उन्हौने ब्यबस्था सुचारू रूप से सभाली और मुरैना में माफिया शब्द का नामो निशान मिटा दिया छह महीने में अबैध शराब रेत माफिया जुआ सट्टे का नामो निशान मिटा दिया और कितना भी बडा आदमी अगर अपराधी है तो उनकी कारबाही से नही बचा था उनके अधानस्थो ने गलत जानकारी देकर राजनीत ने रोटी सेकली और उन्है हटा दिया गया और ललित शाक्यबार को भेजा उनको यह कहाबत सिध्द होगई

न साबन सूखे न भादो हरे ऑफिस देखी नही घरे ही परे

मुरैना में आतंक बढने लगा पंचायत व नगरीय चुनाव होने को थे हर किसी पुलिस अफसर की हिम्मत नही कि ब्यबस्था सभाल सके तब कही पीएच क्यू से लेकर वटालियन तक खगाला गया तब कही आईपीएस आशुतोष बागरी को पुलिस कप्तान के रूप में मुरैना की कमान सौपी नगरी निकाय व पंचायत चुनाव होने को थे जिले में गुण्डा गर्दी काफी हद मे फैली थी चुनाव में दहसत फैलाने बाले गुण्डे जो कि पंचायत चुनाव में फर्जी मतदान करने के लिये भैस दुधारू पशुओ में गोली तक मारकर दहसत फैला देते ऐसे गुण्डे मबालियो को जमकर खदेडा ही नही सभी के बाउन्डोवर कराकर जीना मुहाल कर दिया और अपने अनुभव से प्रत्येक डिबीजन में पुलिस सैक्टर बनाये जिसमे अनुभबी प्रभारियो को जिम्मैदारी सौपी गई पूरे मुरैना जिले में जुर्म का नाम निशान मिटा दिया पंचायत व नगरी निकाय चुनाव मे शान्ति प्रिय व निश्पच्छ निर्भीक मतदान होने में मुरैना एसपी आशुतोष की सराहना पूरे चम्बल संभाग में हुई भोपाल से डीजीपी व चुनाव आयोग की तरफ से पुरूकृति किया गया है मुरैना एसपी आशुतोष बागरी की या तो लक मानो या उनकी बिशेषता अपराध घटित हुआ 24 घन्टे तब लगे कि अपराध ट्रैस होकर अपराधी सलाखो के अन्दर बिना ट्रैस किये एक भी केश नही छोडा कोई कितना भी बडा आदमी क्यो न हो अपराध करता है तो उनकी पुलिसिया कारबाही से नही बचसकता है रहबासियो में भी इनकी कार्यशैली को काफी हद तक साराहा गया है... यू कहा जाये तो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायसिह नरबरिया हमेशा अपने अधिकारी के आदेश के बफादार रहै है जब जब उन्है जहा का आदेश मिला है वहा खरे उतरे है चाहे कोई कितना बडा आदमी हो परन्तु हमेशा अधिकारी की बात पालन करते है जहॉ भी कमान सभालते है वहा गुण्डो की कमर ही नही तोडी बल्कि जमीदोज भी किया है इनका कार्यकाल काफी उल्लेखनीय रहा है मुरैना जिले में मुरैना जिले मे काफी सुर्खिया बटोरी है

यदि कार्यशैली की बात करे तो इस श्रैणी में अनिल शर्मा व संतौष सिह भी गुण्डो के सर्जन माने जाते है इनकी कार्यशैली अपराधी के लिये शामत और आफत बनी है ये अधिकारी भी लोगो के दिलो मे राज करते है इरशाद बली असित यादव आशुतोष बागरी ये अधिकारी सिघम की श्रैणी में आते है में बर्तमान एसपी आशुतोष के पक्ष में अधिक हू मुरैना शहर बासियो बागरी साहब की कार्यशैली भाही भी और सराहा गया है लेकिन कुछ सफेद फोश नेता व फर्जी मीडिया जो उनसे अपना उल्टा सीधा करबाने में सक्षम नही हुये वह

कानाफूसी जरूर करते नजर आयेगे उनको उनका अन्दाज नागबार जरूर गुजरेगा और ना पसंन्द भी करेगे उनकी दवंगता निर्भीकता और निडरता उन्है रास नही आरही होगी परन्तु जिले की भोली भाली जनता की मंशा है ऐसे ही धाकड और निडर सिगम अफसर को आगे देखना चाहेगे जिसकी हमको पूर्ण आशा ही नही बिश्बाश है जो कि इस मुरैना नगरी में सौहार्द, और अमन चैन बर्करार रह सके और (मयूरबन) मुरैना नगरी क्राइम मुक्त और भय मुक्त बना सके डकैत गुड्डा गुर्जर आतंक का पर्याय बना था जिस पर साठ हजार का इनाम था जिसके खात्मा के लिये मुरैना एसपी ने जंगल में अपनी टीम के साथ सर्चिग की उसे एहसास होगया कि युवा तेजतर्रार एसपी इन्कॉउन्टर करके ही छोडेगा इस लिये मुरैना से भाग कर ग्वालियर घाटीगॉव मे ग्वालियर पुलिस ने दबोच लिया।

ग्वालियर दुर्ग को सत्ता के एक केन्द्र के रूप में मिला गौरव भी इतिहास के अध्यायों में सिमट कर रह गया।

शेरशाह सूरी द्वारा स्थापित सूर-वंश का नाश होते ही, ग्वालियर दुर्ग को सत्ता के एक केन्द्र के रूप में मिला गौरव भी इतिहास के अध्यायों में सिमट कर रह गया। अकबर के सत्तारूढ़ होते ही ग्वालियर चंबल क्षेत्र की दिशा और दशा ही बदल गई। हुमांयू की मृत्यु के बाद अकबर सन् १५५६ में गद्दी पर बैठा। उस समय उसके अधीन कोई खास इलाका नहीं था। इसी वर्ष पानीपत की दूसरी लड़ाई में उसने हेमू को पराजित करके, आगरा, दिल्ली और पंजाब को जीत लिया। सन् 1561 आते-आतें उसने मध्यभारत में ग्वालियर और चंबल क्षेत्र के साथ राजस्थान में अजमेर तक राज्य का विस्तार कर लिया। अकबर द्वारा ग्वालियर दुर्ग पर कब्जा करने के बाद इस दुर्ग पर सन् 1754 तक मुगलों की ही हुकूमत रही। इस दौरान मुगलों ने ग्वालियर दुर्ग का उपयोग कैद खाने के रूप में किया। शाही खानदान के कई लोगों का कत्ल हुआ। जिनकी चीखें इतिहास में दर्ज हैं।

डॉ. सुरेश सम्राट
वरिष्ठ संपादक, लेखक
9406502099

अकबर के दौर की ग्वालियर से जुड़ी एक और बड़ी घटना है इतिहासकार अबुल फजल की आंतरी के निकट हत्या। अबुल फजल न केवल अकबर के नवरत्नों में शामिल था वरन् अकबर उसे अपना सबसे प्रिय मित्र और सलाहकार मानता था, अबुल फजल की हत्या ने अकबर को हिलाकर रख दिया। कई तरह की कड़ी कार्रवाई और जांचों के बावजूद अकबर जीते जी इस हत्याकाण्ड के आरोपियों को पकड़ नहीं सका। इस प्रकार अकबर के नवरत्नों में दो रत्नों का संबंध ग्वालियर से रहा। एक तानसेन का जन्म ग्वालियर में हुआ। और दूसरे अबुल फजल की मृत्यु ग्वालियर क्षेत्र में हुई।

ग्वालियर के सूफी संत मौहम्मद गौस का 10 मई 1563 (14 रमजान हि. 970) को आगरा में निधन हुआ। यद्यपि उनके निधन की तिथि पर विवाद है तथा बाकी तिथि इस तिथि से पूर्व की हैं। लेकिन यह निर्विवाद है कि उनका शव ग्वालियर लाया गया। मौहम्मद गौस के निधन के बाद भी उनके बेटे और सज्जादनशीन शाह अब्दुला से अकबर के संबंध बने रहे। शाह अब्दुल्ला की देख-रेख में ही गौस के मकबरे का निर्माण हुआ, जो सूफी संस्कृति और स्थापत्य कला की दृष्टि से आज भी ग्वालियर के पर्यटन-स्थल के रूप में जाना जाता है।

अकबर के शासन के शुरू में कुछ समय तक ग्वालियर का राजनीतिक महत्व बना रहा। लेकिन मुहम्मद गौस के निधन के बाद ग्वालियर की पहचान विशाल मुगल सल्तनत के एक छोटे से भू-भाग के रूप में रह गई। उधर इस क्षेत्र में मुगल सल्तनत को चुनौती देने वाली शक्तियां भी नहीं रहीं। इसके विपरीत ग्वालियर चम्बल क्षेत्र की स्थानीय छोटी-बड़ी शक्तियों ने अकबर की अधीनता स्वीकार करने में ही अपनी भलाई समझी। आगे चलकर तो स्थिति यहां तक बिगड़ी कि सत्ता और 'संगीत' का कई सदियों तक केन्द्र बिन्दु रहने वाला ग्वालियर दुर्ग, महज मुगलों के इस्तेमाल के लिए एक कारागार बनकर रह गया। यह अलग बात है कि इस कारागार में जहांगीर के बेटे और शाहजहां के पुत्र और पौत्र को चीख-चीखकर प्राण देने पड़े। अकबर द्वारा सन् 1579-80 में अपने विस्तृत साम्राज्य को 15 सूबों में बांटा। इस व्यवस्था में ग्वालियर और चंबल क्षेत्र आगरा और अजमेर के सूबों में बंट गया। प्रशासनिक इकाइयों में सूबे के बाद सरकार

और महालों की व्यवस्था की गई। ग्वालियर को सरकार का दर्जा मिला। इसके अन्तर्गत अलापुर, सरसेनी, खाड़ोली, बदरेंटा, चिनौर, अनहोन, जखोदा, सिलावली, सरबन्दा सहित कुल तेरह महाल बनाए गए। प्रत्येक पर प्रधान के रूप में मुकद्दम के अलावा कानूनगो तथा अन्य अमले की नियुक्ति की गई। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र का वह इलाका जो आगरा सूबे में शामिल नहीं था उसे अजमेर सूबे में शामिल किया गया। चम्बल क्षेत्र में इन दिनों सूबों की संस्कृति से जुड़े अवशेष अब भी देखने को मिल जाते हैं।

फिर वह दौर आया जब बादशाह अकबर का जलजला पूरे देश में छा गया। उस समय ग्वालियर के पास ऐसा कुछ नहीं बचा था, जो इतिहास में ग्वालियर की पृथक पहचान को अंकित कर सके। तब ग्वालियर का वह सांस्कृतिक वैभव उभरकर सामने आया तो तोमरों के दौर में ग्वालियर में विकसित हुआ। इसी सांस्कृतिक-वैभव के एक प्रतिनिधि संगीत सम्राट तानसेन को बादशाह अकबर के दरबार में तो अभूतपूर्व प्रतिष्ठा मिली, उसने ग्वालियर की आभा एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर बिखेर दी। यही नहीं अकबर की राजसभा में श्रेष्ठतम 36 संगीतकारों का जो समूह था, और जिसे अकबर की छत्तीसी कहा जाता था, उसमें ग्वालियर के पन्द्रह संगीतकार शामिल थे। इनमें बाबा रामदास, सुभान खां, श्रीज्ञान खां, मियां चांद, विचित्र खां, वीर मण्डल खां, शिहाब खां, सरोद खां, मियां लाल, तानतरंग खां (तानसेन का पुत्र) नायक चर्चू, प्रवीण खां, सूरदास (बाबा रामदास का पुत्र) और चांद खां उल्लेखनीय हैं। ग्वालियर के सूफी संत मौहम्मद गौस का मुरीद सम्राट अकबर उस समय बहुत शोकाकुल हुआ, जब 26 अप्रैल 1589 में संगीत सम्राट तानसेन की मृत्यु हुई। यह वह समय था। जब अकबर अपने रत्न पीथल और बीरबल के दिवंगत हो जाने से पहले से ही व्यथित था। तानसेन के निधन पर अकबर के इस कथन से कि 'तानसेन की मृत्यु से मेरे युग का आनंद ही धूमिल हो गया' उसकी व्यथा स्पष्ट झलकती है। इस प्रकार मौहम्मद गौस और तानसेन की मृत्यु के बाद अकबर के दिल और दरबार में ग्वालियर ने जो जगह बनाई थी, वह धूमिल होने लगी थी। लेकिन अबुल फजल हत्याकांड ने उस दौर के इतिहास पटल एक बार फिर ग्वालियर क्षेत्र को ला खड़ा किया।

सन् 1602 आते-आते अकबर की सल्तनत और मजबूती इतनी बढ़ गई कि उत्तर भारत और लगभग पूरा राजस्थान उसमें समा गया। उस समय ग्वालियर जैसे छोटे से भूभाग की सल्तनत की दृष्टि में क्या अहमियत रह गई होगी, इसका अनुमान लगाया जा सकता है। ग्वालियर के तोमर-राजवंश के वंशज भी अकबर की सेना में शामिल होकर, उसके सामंत हो गए थे। ऐसे में ग्वालियर को सल्तनत के प्रशासन के जरिए जो शासन मिला, उससे ग्वालियर राष्ट्रीय धारा से जुड़ा। ग्वालियर और उसके आसपास स्थानीय सत्ता जैसी स्थितियां लगभग समाप्त हो गईं। लेकिन बुन्देलखंड में यह स्थिति नहीं थी। इसके विपरीत, आगरा के निकट होने के कारण अकबर के काल में ग्वालियर क्षेत्र की जन-संस्कृति के विकास को एक नया आयाम मिला। उस दौर में एक ओर ब्रजभूमि का तो दूसरी ओर बुन्देलखंड का जन-जीवन ग्वालियर के निकट तेजी से आना शुरू हुआ। इसके ग्वालियर क्षेत्र का रहन-सहन ही नहीं, बोली और भाषा भी प्रभावित हुई। अकबर के काल से पूर्व इस क्षेत्र की जिस भाषा को ग्वालियरी भाषा जैसो विशिष्ट और स्थानीयता से जुड़ा नाम प्राप्त था, उसमें ब्रज और बुन्देली, बोलियां घुलने-मिलने लगीं। एक ओर ग्वालियर से जुड़े मुरैना क्षेत्र की ग्वालियरी भाषा पर ब्रज का, तो भिण्ड की बोली पर बुन्देली और श्योपुर की बोली पर राजस्थानी बोलियों का प्रभाव पड़ने लगा। यह प्रभाव इतना जबर्दस्त था कि मुरैना, भिण्ड, श्योपुर और दतिया क्षेत्र के घरों में बोली जाने वाली बोलियों का अन्तर्भेद आज भी स्पष्ट देखा जा सकता है।

इस प्रकार अकबर का काल ग्वालियर के राष्ट्रीय धारा से जुड़ने का काल कहा जा सकता है। लेकिन बुन्देलखंड के बारे में यह बात नहीं कही जा सकती। उस क्षेत्र में स्थानीय सत्ताधीशों में पारिवारिक विग्रह की स्थिति बनी हुई थी। मुगल सल्तनत जहां इससे अपना हित साध रही थी, वहीं राजपरिवारों के असंतुष्ट परिजन अपना-अपना लाभ सोच रहे थे। बुन्देलखंड में ऐसे ही एक असंतुष्ट थे वीर सिंह बुन्देला। उनके कारण इस क्षेत्र में स्थिति तेजी से गर्म हो रही थी। उन्हीं दिनों सम्राट अकबर और शहजादा सलीम के बीच भी तनाव बढ़ रहा था। शहजादा सलीम अपनी निरंतर बढ़ती महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति में अबुल फजल ही अकबर को गलत जानकारियां देकर दोनों के बीच गलतफहमियां बढ़ा रहा था। इस प्रकार अपने-अपने स्तर पर शहजादा सलीम और वीर सिंह बुन्देला एक जैसा तनाव झेल रहे थे। ऐसी स्थिति में वीर सिंह बुन्देला को अपने लिए शहजादा सलीम के जरिए आशा की किरण दिखाई दी।

भदौरिया वंश का इतिहास

● पुष्पांजली टुडे

इस वंश का प्रारंभ कुछ इतिहासकारों एवं भदौरिया वंश के बुजुर्ग जानकारों के अनुसार यादनाथ से बताया जाता है। यादनाथ के बाद अगन वंश की चार शाखाएँ हुई कुछ लोगों के अनुसार ए चार शाखाएँ हैं - परिहार,पवांर,सोलंकी और चौहान। इनमें से चौहान ने अपनी राजधानी अजमेर (राजस्थान) को बनाया। इसी वंश में आगे चलकर राजा माणिक राव

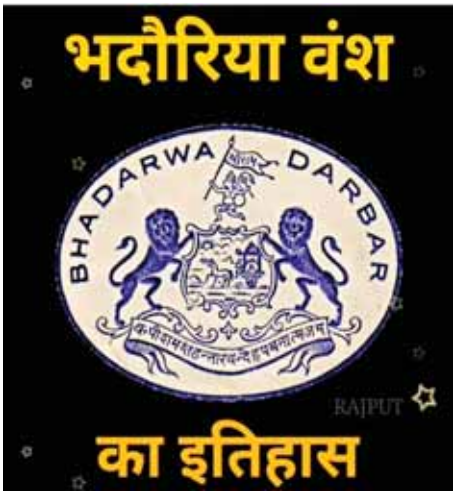

(मानिक राव) नाम के चौहान राजा हुये। इनकी 14 रानियाँ थी और इन रानियों के कुल 24 राजकुमार हुए। इन्हीं 24 राजकुमारों ने 24 शाखाएँ स्थापित की, वो इस प्रकार हैं -

1) हाडा 2) खींची 3) सोनीगारा 4) पाविया 5) पुरबिया 6) संचौरा 7) मेलवाल 8) भदौरिया 9) निर्वाण 10) मलानी 11) धुरा 12) मडरेवा 13) सनीखेची 14) वारेछा 15) पसेरिया 16) बालेछा 17) रूसिया 18) चांदा 19) निकूम 20) भावर 21) छछेरिया 22) उजवानिया 23) देवडा 24) बनकर ।

ये 24 शाखाएँ अजमेर से निकलकर अलग - अलग जगह स्थापित हों गई। माणिक राव के 8वें पुत्र का नाम राजा चंद्रपाल देव था। माणिक राव ने सन् 720 ईस्वी से 794 ईस्वी तक राज्य किया था। उनके पुत्र चंद्रपाल देव (794ई.-816ई.) ने '' चंद्रवार '' राज्य की स्थापना की थी। जिसे आजकल '' फिरोजाबाद'' के नाम से जाना जाता है।

भदौरिया वंश का गौत्र- वत्स, वेद- श्याम, देवी - भद्रकाली, देवता - शिव, पक्षी - कबूतर (परेवा), नगाडा - रणजीत, तीर्थ स्थान - बटेश्वर और दशहरा के दिन खड्ग की पूजा होती है तथा निशान - केसरिया है।

सन् 832 को चंद्रपाल देव की मृत्यु के बाद उनके पुत्र राजा भदों राव ने ''भदौरागढ'' नामक नगर की स्थापना की। जिसे वर्तमान में ''पिन्हाट'' के नाम से हम सब

रानी पक्षालिका सिंह और राजा अरिदमन सिंह भदौरिया जी

जानते हैं। राजा भदों राव को ''भादूराणा'' के नाम से भी जाना जाता था। '' भदौरा गढ'' के निवासी होने कारण यह वंश ''भदौरिया वंश'' के नाम से जाना जाता है। भदौरिया वंश में विवाह 21 पीढी के अन्तर से प्रारंभ हो गया था। 28 पीढी तक भदौरिया और चौहानों में रिश्ता नहीं होता था। 28 पीढी तक भदौरिया वंश की राजधानी '' भदौरागढ'' रही।

राव कज्जल देव ने (1123ई.-1163ई.) ने 1153ई.में हथिकाथ पर कब्जा करके अपने राज्य की सीमा बाह तहसील तक बढा दी।

28 पीढ़ी (24 पीढी के बाद - भदावर राज्य का संक्षिप्त इतिहास पृष्ठ 42) के बाद भदौरिया वंश का राजा शल्य देव(1194-1208) हुआ। राजा शल्य देव का कहीं-कहीं सेल्हा देओ और राउत साल भी बताया जाता है। 1208 में राजा शल्य देव और दिल्ली के गुलाम वंश बादशाह कुतुबुद्दीन ऐबक के बीच घमासान युद्ध हुआ। इस युद्ध में दोनों तरफ के कॉफी यौद्धा मारे गये। युद्ध के अन्त में राजा शल्य देव वीरगति को प्राप्त हुये। राजा शल्य देव की तीन रानियाँ थी। उनमें से दो रानियों ने किसी अन्य व्यक्ति या मुगलों के अधीन होने से बेहतर जौहर करना उचित समझा । तीसरी रानी उस समय गर्भवती थी। गर्भवती स्त्री को जौहर करना पाप समझा जाता था। रानी ने किले की मौरी(नाली) में छिपकर अपनी जान बचाई। युद्ध के पश्चात् राज्य के तीन लोग जीवित बचे थे। राज्य की रानी,चौकीदार भूपत मिर्धा और राज्य के आचार्य श्यामदास। जब श्यामदास और भूपत मिर्धा ने राज्य में खोजबीन की तब किले की मौरी में रानी छिपी हुई मिली। उसके बाद उन दोनों ने रानी को किले की नाली के रास्ते उनके पिता दलकू देव सिकरवार के यहाँ फ्तेहपुर सीकरी सुरक्षित पहुँचाया। उपने पिता के यहाँ पहुँचने के तीसरे माह बाद रानी ने भदौरिया वंश के चिराग को जन्म दिया। जिसका नाम रज्जू राव रखा। राजकुमार रज्जू राव की वीरता के किस्से आज भदौरिया वंश में सुनने को मिलते हैं। जब रज्जु राव मात्र 12वर्ष के थे। उस समय के तत्तकालीन दिल्ली बादशाह नासिर-उद-दीन

मेव लुटेरों से काफी परेशान थे। उन्होंने जब रज्जू राव की वीरता के किस्से सुने तो उन्हें सम्मान के साथ दिल्ली बुलाया। रज्जु राव ने बादशाह को आश्वासन दिया और मेवाती लुटेरों को पिन्हाट से बाहर खदेडने के लिए निकल पडा। उस समय हथिकाथ पर मेवाती मुखिया हतियामेओ बेग का कब्जा था। रज्जु राव ने फ्तेहपुर - सीकरी से सिकरवार वीरों को साथ लेकर हथिकाथ पर चढ़ाई कर दी। दोनों सेनाओं के बीच जबरदस्त युद्व चला। विजय रज्जु राव की हुई। रज्जु राव ने मेवाती मुखिया का सिर काटकर बौरेश्वर(भिण्ड) पर चढ़ाया। राजा रज्जू राव ने बौरेश्वर के मेले की शुरूआत करवाई थी। जो प्रतिवर्ष

वनखंडेश्वर मंदिर भिंड

मौहरछठ को लगता है। रज्जू राव ने ही बौरेश्वर मंदिर का निर्माण करवाया था। रज्जू देव राव ने अपनी माँ की रक्षा करने वाले श्यामदास को टेहनगुर जागीर दान में दी। टेहनगुर में निवास करने के कारण श्यामदास का गौत्र हरदेनिया गौत्र बदलकर टेहनगुरिया गौत्र कहलाया। वहीं भूपत मिर्धा को जमसारा जागीर दान में दी। रज्जू देव राव ने ही विवाह में भूपत मिर्धा के नाम से हल्दी के पाँच थापे लगवाये और पूजा बांदी की। भदौरिया वंश में आज भी मिर्धा के नाम से हल्दी के थापे लगाने की प्रथा चली आ रही है। टेहनगुरिया पंडित भदौरिया वंश के कुल पुरोहित होते है।

1258 में तत्तकालीन बादशाह नासिर-उद-दीन ने रज्जु राव के द्वारा हथिकाथ पर विजय प्राप्त करने के उपलक्ष्य में रज्जू राव को भदावर रियासत का राजा घोषित कर दिया। ग्वालियर - भिण्ड के भदौरिया स्थानीय भदावर नाम से जाने जाते हैं। कुछ इतिहासकारों एवं लेखकों के अनुसार भदावर महाराजा गोपाल सिंह,सम्राट मुहम्मद शाह से मिलने उनके दरबार में पहुँचे,महाराजा की आँखे बहुत बड़ी थी। उनकी इन आँखों को देखकर सम्राट मुहम्मद शाह ने पूछा- आपकी इतनी बड़ी आँखे कैसे

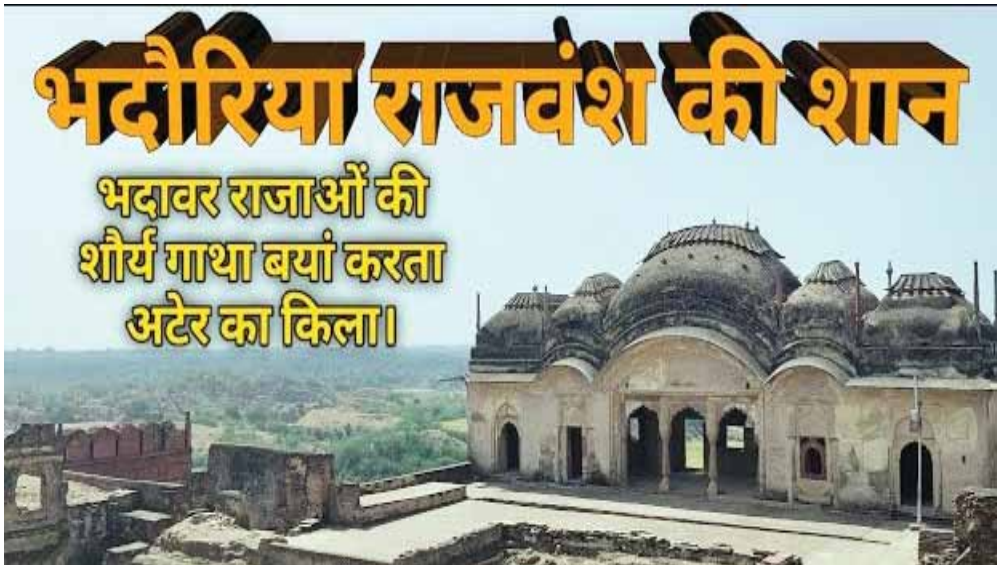

हुई? तब भदावर महाराज ने बड़ी चतुरता से जवाब दिया कि उनके जिले में अरहर के अलावा कुछ नहीं होता है और भटुला लीलने की निरंतर तनन के कारण ही उनकी आँखे बाहर निकल आई है। महाराजा के इस उत्तर से प्रसन्न होकर सम्राट ने उन्हें अन्य परगना दिये, जिससे और भी अन्न उगा सके। भदौरिया और दिल्ली के सुल्तानों में हमेशा ही तनाव रहा है। इस वजह से दिल्ली के सुल्तान आधम खान को हथिकाथ पर चढ़ाई करने के लिए भेजा। इस युद्व में आधम खान ने हथिकाथ पर विजय प्राप्त कर ली और दिल्ली के सुल्तान ने आधम खान को हथिकाथ का किला उसे जागीर में दे दिया।

बत 7 जुलाई सन् 1505 की है। जब भयंकर भूकम्प ने तबाही मचाई थी। उसी वर्ष भदौरिया राजपूतों ने हथिकाथ (पिन्हाट) में राजद्रोह कर दिया। पर वहाँ के राजा द्वारा उस विद्रोह को दबा दिया गया। सिकंदर लोधी ने भदौरिया राजपूतों के विद्रोह पर अंकुश लगाने के लिए हथिकाथ से आगरा तक थानों का निर्माण करा दिया। सिकंदर लोधी ने अपनी राजधानी के उत्तरी नगर प्रान्त में सिकन्दरा नाम के गाँव की स्थापना की। भदौरिया वंश के अंतिम राजा महेन्द्र अरिदमन सिंह जी हैं उनकी पत्नि रानी पक्षालिका सिंह जी जो बाह (आगरा) विधानसभा सीट से कई बार विधायक रह चुकी हैं।

भदौरिया वंश का तीर्थ बटेश्वर

मुगलों के पतन के समय भदौरिया वंश अधिक शक्तिशाली और प्रभावशाली था।

भदावर राज्य की प्रमुख गढियाँ:- इन गढियों का निर्माण सुरक्षा को मद्देनजर रखकर किया गया था। यहाँ पर गढी का अर्थ छोटा किला है।

1. परा व जवासा गढी	2.कनैरा गढी	3.सराया गढी
4.अकोढा गढी	5.गढी रमा कोट	6.गढी पावई
7.गढी पचैरा -पावई	8.गढी कोट - पोरसा	9.गढी सुकाण्ड
10.गढी सिकरौधा	11.गढी विजयगढ	12.गढी गोरमी
13.गढी मोहनपुरा	14.गढी बालूपुरा	15.गढी कुटरौली
16.गढी	16. गढी नुन्नाहड	17. गढी सोनी
18. गढी बरहद	19. गढी विरंगवां (सिमार)	20. गढी सिमार
21. गढी गोअर	22. गढी जामना	23. गढी पीपरी
24.मेहगांव की गढी	25. गढी कोंहार	26. गढी बरासों
27.लावन की गढी	28.असोखर की गढी	29.सेंथरी की गढी
30.बाराकलां की गढी	31.ऊमरी की गढी	32.गढी अमायन

आदि प्रमुख गढी हैं। (भदावर राज्य का संक्षिप्त इतिहास पृष्ठ सं. 200)

देखा जाए तो भदौरिया वंश की वीरता के अनेक किस्से हैं। जिनका वर्णन नहीं किया जा सकता है। इस वंश के अनेक वीरों ने भारत भूमि की रक्षा के अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया है। अंत में ऐसे वीरों को पैदा करने वाली उस माँ को प्रणाम जिसने ऐसे योद्वाओं को जन्म दिया।

बालाघाट डबल मनी कांड

लालच का फल..वरदान या अभिषाप !

रितेश कटरे ब्युरो चीफ
पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

ईडी की इंट्री या हाइवोल्टेज ड्रामा, क्या डबल मनी के लालच में आएं निवेशकों को मिल पाएगा उनका रूपया, आखिर डबलमनी का सरगना कौन, किसने किया सैकड़ों घर पुरी तरह बर्बाद, कई युवा हुए घर से बेघर, बालाघाट एसपी समीर सौरभ के बार बार आग्रह पर आखिर एजेंट क्यों नहीं कर रहे सहयोग ?

कितनी आसान थी जिन्दगी तेरी राहें, मुश्किलें हम खुद खरीदते है, और कुछ मिल जाए तो अच्छा होता,बहुत पा लेने पर भी यही लालच सोचते है !! हर व्यक्ति को ईमानदारी के साथ जीना चाहिए लेकिन मनुष्य के मन में कहीं न कहीं से लालच की अभिलाषा आ ही जाती है। लालच मनुष्य के लिए विनाश जैसी स्थिति पैदा कर सकता है। लालच मनुष्य की दोस्ती और मनुष्य के रिश्तों को खत्म कर सकता है। लालच करके अक्सर हम कोई ऐसी मुसीबत मोल ले लेते हैं जो हमारे लिए नुकसानदायक ही होती है। कोई भी लालच ज्यादा समय तक नहीं टिक पाता एक ना एक दिन उस लालच का दुष्परिणाम सामने आना ही होता है। और इसी लालच का भयंकर दुष्परिणाम बालाघाट जिले में घटा है।

पैसों को डबल करने की नगरी में आपका स्वागत है!

मध्यप्रदेश में बालाघाट जिला पहले कान्हा नेशनल पार्क, मैंगनीज माइन, टाइगर सिटी के नाम से जाना जाता था लेकिन चंद दिनों के लिए बालाघाट जिला मनी डबलिंग करने के नाम से जाना जाने लगा । मध्य प्रदेश ही नहीं बल्कि महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में भी बालाघाट जिले का नाम शुमार हो चुका है। बालाघाट जिले में लांजी और किरणापुर तहसील जहां धड़ल्ले से रुपयों के डबल करने का कारोबार किया जा रहा है और लोग भी बिना किसी डर से अपने पैसे डबल करवाने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। वहीं पैसा लेने वाले खाईवाल के एजेंट भी जगह-जगह घूम-घूम कर लोगों को पैसे डबल करवाने का लालच देकर उनसे पैसे इकट्ठा करवा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक लांजी क्षेत्र में करीब 200 से 300 लोग पैसा डबल कराने का काम कर रहे हैं। क्षेत्र में जहां जाओ जिस स्थान पर जाओ एक ही बात चलती थी इतने महीने में डबल इतने दिनों में डबल, इन्ही लालच को देखकर लोग भी अंधाधुंध पैसा लगाये जा रहे थे। और अब यह इस कदर बढ चुका था कि लांजी सहित आस पास के पड़ोसी राज्यों के जिलों तक से लोग लांजी और किरनापुर आकर पैसे डबल करने मे जुटे हुये है। और अब इसी गैर कानूनी कार्य को बालाघाट पुलिस ने संज्ञान में लेते हुये कार्रवाई प्रारंभ कर दी थी। रविवार 15 मई को लांजी और किरनापुर पुलिस के द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए किरनापुर से कथित तौर से पैसा डबल करने वाले अजय तिडके एवं उनके साथीयों को हिरासत में लिया है जिनसे पुछताछ भी की गई। किरनापुर थाना अन्तर्गत सीएम हेल्प लाईन के माध्यम से अजय तिडके के विरूद्ध शिकायत प्राप्त हुई थी। अजय तिडके के द्वारा भोलेभाले लोगो को अपनी जाल में वश में लेकर बडी मात्रा में पैसे डबल करने का झांसा देकर रूपये लिये जा रहे है। शिकायत को संज्ञान में लेकर अजय तिडके एवं उनके सहयोगियों को पुछताछ हेतु लाया गया था, पुछताछ मे इन लोगों के पास कुछ बेनामी संपत्ति प्राप्त हुई थी। लांजी किरनापुर क्षेत्र में बडे पैमाने में रूपये पैसे डबल का अवैध कारोबार चल रहा लेकिन इस सदंर्भ में शिकायत कोई प्राप्त नही हुई जिसके पीछे कारण है की वर्तमान में लोगो को आर्थिक लाभ प्राप्त हो रहा है, लगातार यह भी खबरे आ रही है कि आमगांव महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ में कुछ लोग पैसा लेकर फरार हुये है। इस पुरे मामले में वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देशन में जांच की जा रही है लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

क्या डबल मनी मामले में निवेशकों को मिल पाएगा उनका पैसा

एसपी समीर सौरभ ने अनेकों बार की अपील-

बालाघाट एसपी समीर सौरभ एवं लांजी एसडीओपी दुर्गेश आर्मो ने उक्त मामले को लेकर अपील की है कि जिन लोगों ने एव बहकावे में आकर एजेंटों ने उक्त कथित लोगो के पास पैसा लगाया हुआ है डबल करने के उद्देश्य से या व्यक्तिगत कार्य से दिया होगा तो वे लोग परेशान ना हो, जो उनका पैसा है वह वापस दिलानें का प्रयास किया जायेगा, लेकिन इसके लिये लोगों को सामने आकर अपनी शिकायत दर्ज करानी होगी। साथ ही एक अपील यह भी जो लोग इस तरह के झांसे मे आकर पैसा लगा रहे है वह अपना पैसा वापस प्राप्त कर ले, क्योंकि इस तरह की कार्यवाही जिले में सतत रूप से जारी रहेगी। डबल मनी मामले ने तुल तब पकड़ा जब प्रार्थी के द्वारा सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज की गई। और बालाघाट एसपी समीर सौरभ ने सिकंजा कसते हुए 15 एवं 16 मई को डबल मनी के आका सोमेन्द्र कंकरायने हेमराज आमाडारे अजय तिडके के अलावा अन्य व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। लगातार जमानत पर सुनवाई हुई और अंततः गिरफ्तारी के 70 दिन बाद सभी आरोपियों को जमानत मिल गई। जमानत मिलते ही लालची शुभचिंतकों ने खुब स्वागत सत्कार किया। दिए जलाए पटाखे फोड़े। और सभी को लगा कि अब पैसा डबल वापस मिल जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और सभी बिल में दुबक कर रह गए।?इन आकाओं के लिए काम करने वाले एजेंटों की फजीहत शुरू हो गई और सभी एक एक कर अपने घर परिवार गांव शहर से कोशो दुर घूंट घूंट कर जिने पर मजबूर हो गए हैं।

एक प्रकार से लुट का बना अड्डा

लूटने का दुनिया का सबसे अद्भूत प्रयोग लांजी किरनापुर विधानसभा क्षेत्र बना। पूर्व विधायक के घर के सामने और वर्तमान विधायक के घर और मुख्यालय के बीच 15 किमी तथा थाने, तहसील मुख्यालय से मात्र 10 कि मी दुर स्थित ग्राम बोले गांव जहां विगत 5-6 वर्षों से रूपए बढ़ाने का कार्य चल रहा था, किंतु ईसकी सुध किसी अधिकारी कर्मचारी और नेता, पुलिस प्रशासन किसी ने नहीं ली, जिसके फलस्वरूप आम जनता डबल मनी के आकाओं पर आंख मूंद कर विश्वास करने लगी। इन सबका रिंग मास्टर सोमेन्द्र कंकरायने जो नेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों और मिडिया को अफनी

अंगुलियों पर नचाता रहा। पूर्व में ईडी की कार्यवाही की पुड़िया भी सोमेन्द्र कंकरायने के इसारे पर क्षेत्र में चलाई गई। वर्तमान में कमीश्नर ने एक परीपत्र जारी करवाया है, अस्थाई रूप से प्रापर्टी को सीज करने सम्बंधी यह सब जनता को धोखा देने के लिए ही प्रतीत होता है। अब सवाल यह है कि ब्रोकर कौन.....? चर्चा तो यही है कि सोमेन्द्र कंकरायने ने अलग अलग शहरों में अपने लोगों को बिठाया और उनको ब्रोकर का नाम दिया। और गांव गांव में प्रतिष्ठित युवकों को एजेंट नियुक्त कर उनके मार्फत राशि कम समय में दुगना करने का लालच देकर मंगाया गया,कुछ एजेंटों ने ब्रोकरों को सीधे ले जाकर जमा किया। लेकिन सारे पैसे वापस सोमेन्द्र कंकरायने के पास ही आ गये। एजेंटों को लगने लगा कि हम पैसे सीधे ब्रोकरों के पास जमा कर रहे हैं लेकिन वे सब सोमेन्द्र कंकरायने की बूने जाल में फसते चले गये। और अब एजेंटों की गर्दन पर तलवार लटकी हुई है, एजेंटों ने अपने गांव ही छोड़ दिऐ है, ब्रोकरों ने उनको फर्जी चेक थमा दिया है। ऐसे में जनता की लूटी हुई रकम को लौटाने की ज़िम्मेदारी सरकार की है, सरकार के नाक के नीचे प्रशासन की मिलीभगत से लूट चल रहा था और सरकार जनता को लूटते हुऐ देख रही थी। नेता और अधिकारी मालामाल हो रहे थे, मंत्री विधायक तिजोरी भर रहे थे सरकार अपने कर्तव्य से बच नहीं सकती। सरकार सुतुरमुर्ग की तरह आंखे बंदकर कर बैठी हुई है, मेंढक की तरह टर्राने वाले नेता चुप बैठ गये हैं। जनता कष्ट में है कोई साथ नहीं ह। राशि दूगनी करने के लालच में अपनी

भूमि,आभूषण बेचकर, बैंकों से कर्ज लेकर राशि ठगों के पास जमा करने वाली जनता लूट चुकी है। एजेंट और जनता भिखारी बन चुकी है।

क्या यही मंशा है कि निवेशकों की रकम वापसी ना हो : भरत कालबेले

बालाघाट जिले में हलचल पैदा करने वाले डबल मनी मामले में राजनीतिक षडयंत्र के तहत बालाघाट जिला पुलिस और प्रशासन की यही कोशिश है कि निवेशकों को उनकी धनराशि वापस नहीं मिल पाए, और डबल मनी के कारोबार के आरोप में सोमेन्द्र कंकरायने को वापस जेल भेज दिया जाए, तथा आम जनता अपना रुपया वापस नहीं मिलने से रोती बिलखती रहे, इसलिये योजनाबद्ध तरीके से जब यह देखा जाने लगा कि जेल से बाहर आने के बाद सोमेन्द्र कंकरायने ने बनती कोशिश लोगों को उनकी रकम वापस करने की कोशिश की, इसलिये पुलिस ने सोमेन्द्र कंकरायने और अन्य आरोपियों की संपत्ति को अस्थाई कुर्क करने की कार्यवाही की, ताकि लोग मजबूर होकर कथित डबल मनी के मामले में शिकायत करें, और राजनीतिक षडयंत्र करने वाले एक बार फिर पुलिस की ताकत का इस्तेमाल करके सोमेन्द्र कंकरायने और अन्य आरोपियों को जेल भेजने में कामयाब हो जाएं, ऐसे आरोप यूवा समाजसेवी और लांजी क्षेत्र के कर्मठ जुझारु कांग्रेस नेता भरत कालबेले ने लगाए हैं। भरत कालबेले ने कहा कि बालाघाट के पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ ने जो शुरुआती तौर पर कार्यवाही की थी, उसे गलत नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन उसके बाद जो पुलिस की कार्यवाही शुरु है, वह यह प्रदर्शित करती है कि पुलिस जिस तरह की कार्यवाही कर रही है, उसमें पुलिस का मकसद यह स्पष्ट है कि पुलिस यह नहीं चाहती की लोगों की मेहनत की कमाई का रुपया उन लोगों को डबल ना सहीं जितना निवेश किया गया, उतना भी वापस मिल सके, यही कारण है कि चर्चा है कि पुलिस ने जहां बैंक खातों से जिनके चैक क्लियर हुए, उन्हें बुलवाकर भी उनसे तरह तरह के सवाल कर डराने का काम किया, वहीं जब पुलिस ने यह देखा कि कुछ संपत्तियों के बेचे जाने की चर्चाएं चल रही थी, तभी पुलिस ने कमिश्नर के माध्यम से सोमेन्द्र संहित सभी आरोपियों की संपत्ति को अस्थाई रुप से कुर्क करने के आदेश देते हुए संपत्तियों के बेचे जाने पर रोक लगा दी, और खातों को भी सीज कर दिया। भरत कालबेले ने कहा कि यह सभी जानते हैं कि सोमेन्द्र कंकरायने प्रॉपर्टी का बड़ा कारोबार कर रहे थे, और अन्य दूसरे आरोपीयों के संदर्भ में भी यही चर्चा है कि डिजीटल करेंसी की ट्रेडिंग के माध्यम से उनके द्वारा लाभ अर्जित करके लोगों को फायदा पहुंचाया जा रहा था, और चूंकि कानुन की नजरों में यह अपराध माना जाता है इसलिये पुलिस ने कार्यवाही की तो वह अपनी जगह सहीं हो सकती है, लेकिन जबकि सभी जानते हैं कि किसी भी कारोबार में धनराशि का कहीं उपयोग करके ही उसे सुरक्षित रखा जाता है, इसीलिये लोग अचल संपत्ति पर निवेश अधिक करते हैं, तथा ऐसा ही निवेश कथित डबल मनी मामले के आरोपियों द्वारा किया गया, लेकिन पुलिस प्रशासन द्वारा उन संपत्तियों को अस्थाई कुर्क कर दिये जाने के बाद अब सवाल यह खड़ा हो गया है कि जब अचल संपत्ति नहीं बेची जायेगी, और बैंक खातों से भी राशि का लेन देन रोक दिया गया है तो फिर फिर निवेशकों को उनकी राशि आरोपी कैसे वापस कर सकेंगे?

छ.ग. सरकार ने दिया था कारोबारियों को रकम वापसी के लिये चार माह का मौका..

भरत कालबेले ने आगे यह भी कहा कि इसी तरह का मामला छ.ग. में सामने आया, जिसमें सरकार ने ऐसे एक मामले में निवेशकों को उनकी राशि वापस मिल सके, इसलिये चार माह के भीतर अपनी सभी प्रॉपर्टी और धन का संग्रहण कर कारोबारियों को मौका दिया, और इसका परिणाम यह हुआ कि लोगों को उनकी राशि वापस मिलने के मार्ग प्रशस्त हो सके, और ऐसा ही इस मामले में होना चाहिये। भरत कालबेले ने कहा कि आम जनता के हित और उनकी मेहनत की पूंजी की रक्षा के लिये पुलिस और प्रशासन को कथित डबल मनी मामले के आरोपियों को एक अवसर देना चाहिये, ताकि लोगों को उनकी रकम वापस मिल सके।

डबल मनी मामले में ईडी की इंट्री

लांजी बोलेगांव क्षेत्र में चल रहे डबल मनी मामले में लगातार पुलिसिया कार्रवाई के बाद प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की टीम ने भी दस्तक दे दी। 24 नवंबर को बोलेगांव में शाम 6 बजे भोपाल से ईडी की टीम से 2 अधिकारी पहुंचे थे जिनके द्वारा सोमेंद्र कंकरायने और हेमराज आमाडारे समेत अन्य आरोपियों के परिजनों को नोटिस दिया है। इस नोटिस में आरोपियों को 5 दिसंबर को भोपाल के ईडी कार्यालय में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की सूचना दी है। ज्ञात हो कि लांजी क्षेत्र में चल रहे डबल मनी के प्रकरण के संबंध में पुलिस के द्वारा कमिश्नर को सूचना दी गई थी जिसके बाद इस डबल मनी के मामले को ईडी के पास पहुंचाया गया था। कुछ माह पहले ही एसपी समीर सौरभ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए बताया था कि इस मामले की जांच ईडी करने वाली है जिसके बाद यह पहला अवसर है कि आज ईडी के अधिकारी लांजी पहुंचे थे जिनके द्वारा बोलेगांव पहुंचकर सोमेंद्र कंकरायने और हेमराज आमाडारे के परिजनों को नोटिस दिया है। बता दे कि जब पुलिस बल और ईडी अधिकारी बोलेगांवा पहुंचे तो सोमेंद्र कंकरायने और हेमराज आमाडारे अपने घर पर नहीं थे इस दौरान सोमेंद्र के परिजन मौजूद थे जिन्हें नोटिस दे दिया गया है।

ईडी की विवेचना पुलिस के विवेचना से अलग है - एसडीओपी दुर्गेश आर्मो आर्मो

उक्त मामले के संबंध में एसडीओपी दुर्गेश आर्मो ने बताया कि इस डबल मनी प्रकरण पुलिस के द्वारा जांच की जा रही है जिसका ट्राई न्यायालय में चल रहा है। बताया कि लगातार पुलिस को डबल मनी के संबंध में एजेंटो के विरुद्ध लोगों के द्वारा शिकायतें भी की जा रही है। इस संबंध में संपूर्ण जानकारी हमारे द्वारा कमिश्नर को दी जाती है। इसी कार्रवाई के तहत ईडी को यह जानकारी प्राप्त हुई। ईडी के द्वारा इस संबंध में पहले से खोजबीन की जारी थी और गुरुवार को उनके पास पर्याप्त साक्ष्य होने के पश्चात ईडी की टीम लांजी पहुंची और सोमेंद्र कंकरायने और हेमराज आमडारे के घर जहां उनके द्वारा पैसे एकत्रित किए जाते थे और डबल मनी का प्रकरण संचालित किया जाता था इसके संबंध में उन्होंने जानकारी जुटाई। इसके साथ ही आपने बताया कि ईडी के द्वारा जो विवेचना की जा रही है वह हमारी विवेचना से अलग है हम लोग अपनी प्रक्रिया करेंगे और ईडी को जिस प्रकार की सहायता पुलिस से चाही जाएगी हम उन्हें सहयोग करेंगे। अभी ईडी ने सोमेंद्र और हेमराज के प्रकरण में संबंध में जानकारी चाहिए थी लांजी पुलिस ने उन्हें सहायता प्रदान करते हुए उनके घर पहुंचकर नोटिस व अन्य जो भी कार्रवाई उनके द्वारा की गई इस पर सहयोग किया गया।

दंदरौआ धाम में 26 वां सिय पिय मिलन समारोह व बागेश्वर महाराज के दिव्य दरवार का हुआ भव्य आयोजन

दंदरौआ धाम में दिखा कुंभ जैसा श्रद्धालुओं का मेला

दंदरौआ धाम में पाँच दिन लगातार कुँभ जैसा माहौल बना रहा, इसके पीछे बागेश्वर बालाजी धाम के पीठाधीश्वर महाराज पण्डित धीरेन्द्र शास्त्री के मुखारबिन्दु से हनुमंत कथा का रसपान किया जा रहा था, जहाँ लाखों की संख्या में श्रद्धालु व श्रोतागण हर रोज आते रहे, खासकर दो दिवसीय दरबार में लाखों की संख्या में हर प्रकार से पीड़ित मरीज उपस्थित होकर अपना पर्चा बनवाने की लालसा लेकर आया हुआ था। आज कथा का समापन होने पर क्षेत्र में माहुसी से भी देखी गई, आस-पास के गाँव के लोगों की जुबान से यही कहा गया कि पाँच दिन तक दंदरौआ धाम कुँभ का रूप लेकर हम लोगों की पहचान बना गया।

● उमाकान्त शर्मा चम्बल संभाग संबाददाता पुष्पांजली टुडे

मध्यप्रदेश के भिंड जिले में सनातनी धर्म का केंद्र बिन्दु बना दंदरौआ धाम और उसके पुरधा बने बागेश्वर धाम के मंहत प0 श्री धीरेन्द्र शास्त्री और उनके सानिध्य में आयोजित हनुमंत कथा एवं विशाल दिव्य दरबार में देश विदेश से आये लाखों श्रद्धालुओ के जन सैलाब ने भिंड जिले में स्थित दंदरौआ धाम को विश्व की धार्मिक पावन स्थलियों में अग्रणी स्थान प्राप्त करवा दिया। जैसा कि विदित है कि भिंड जिले के इतिहास में इतनी अटूट संख्या में लाखों श्रद्धालु के समागम ने यह सिद्ध कर दिया कि अब वह दिन दूर नहीं जब विश्व के मानचित्र भिंड जिला एक सनातनी जिले के रूप में न उभरे।

मध्यप्रदेश के मध्य में स्थित भिंड जिले में दंदरौआ धाम भिंड जिले के जिला मुख्यालय से चालीस किमी दूरी पर स्थित है यहाँ विराजे डॉ हनुमान भिण्ड वासियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है यहाँ विराजे डॉ हनुमान की ख्याति किसी भी प्रकार की असाध्य पीड़ा से मरणासन्न स्थित तक पंहुचने वाले रोगियों के लिए रोशनी की वह किरण बनी हुई है जिनके दर्शन मात्र से रोगी रोगमुक्त हो जाते हैं और जीवन भर स्वस्थ रहने का वरदान लेकर जाते हैं। और अब इसी क्रम मे यहाँ दंदरौआ धाम में आयोजित दंदरौआ धाम के मंहत श्रीश्री 1008 रामदास महाराज

कथा के मुख्य यजमान अशोक भारद्वाज ने किया सभी भक्तों का आभार व्यक्त

और बागेश्वर धाम के महंत और पीठाधीश्वर प0 धीरेन्द्र शास्त्री द्वारा आयोजित विशाल दिव्य दरबार में पंहुचने वाली लाखों की संख्या में श्रद्धालुओ के हुजूम ने भिंड प्रशासन को एक चुनौती के रूप में अपनी दक्षता सिद्ध करने का मौका प्रदान किया है दंदरौआ धाम में देश विदेश से दर्शन के लिए आ रहे लाखों श्रद्धालुओ में हरकोई डॉक्टर हनुमान के दर्शन के लिये आतुर व बेताब है हर कोई चाहता है कि दंदरौआ धाम पर स्थित डॉ. हनुमान का उनको आशीर्वाद किसी भी परिस्थिति में प्राप्त हो और वह डॉ. हनुमान के कृपाकांक्षी बनें।यहाँ पर बडे ही सौभाग्य से पधारे बागेश्वर धाम के महंत व पीठाधीश्वर प0 धीरेन्द्र शास्त्री

का आना अपने आप में यहाँ के श्रद्धालुओ के लिए किसी भी गौरव व वरदान से कम नहीं है

जो कि वर्तमान के आधुनिक वैज्ञानिक युग के देश विदेश के लोगों को भारत की सनातनी धर्म के दम पर राम राज्य की महिमा का बोध करा रहे हैं उनके महज दर्शन मात्र से भूत प्रेत तंत्र मंत्र से ग्रसित व्यक्ति रोग मुक्त हो रहे हैं और यही कारण है कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर प0 श्री धीरेन्द्र शास्त्री की इतनी कम उम्र में विश्व के हर कोने कोने में ख्याति बढ रही है देशी विदेशी और हर संपदाय के लोग उनके कृपापात्र बनने के लिए लालायित हो रहे हैं और किन्हीं भी विषम परिस्थितियों में मात्र उनकी झलक पाने के लिये दिन दिन भर और रात रात कष्टों को सह रहे हैं।देश विदेश से आये श्रद्धालुओ मे हर कोई यह चाहता है कि उनके दर्शन मात्र का सौभाग्य लाभ उन्हें प्राप्त हो और वह अपना तथा अपने परिवार तथा अपने इष्ट मित्रों के लिए जीवनभर का सौभाग्य धन्य अर्जित कर ले इसीलिए हर किसी की तमन्ना है कि वह बागेश्वर धाम के मंहत प0 धीरेन्द्र शास्त्री की एक झलक पाने में सफल हो और वह बागेश्वर धाम महाराज हमारी पीड़ा को दूर करने के लिए हमें पास बुलाये। और इस कारण हजारों लाखों की भीड़ दिन प्रतिदिन बढ रही है। इस उमड़ते जन सैलाब को नियंत्रित कर पाना प्रसाशन के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन जाता है और यहाँ भी यही चुनौती भिंड प्रसाशन के सामने है लेकिन यहाँ चुनौती को अवसर के रूप में परिवर्तित करने का गौरव भिण्ड प्रसाशन को मिला है और वह बधाई का भी पात्र बन गया है। उसका कारण यह है कि चुनौती को अवसर के रूप में बदलने का जिम्मा उठाया गया भिंड पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश खरपूसे और उनके जाबांज पुलिस कर्मियों ने जिन्होंने अपनी ईमानदारी और कर्तव्य निष्ठा के दम पर लाखों श्रद्धालु की भीड़ को नियंत्रित कर उन्हें व्यवस्थित एवम् योजनाबद्ध तरीके से दर्शन लाभ पंहुचने के लिए जो अर्थक प्रयास किया वह सराहनीय है दंदरौआ धाम में शांति पूर्ण तरीके से आयोजित दिव्य दरबार शांति पूर्ण व व्यवस्थित ढंग से आयोजित व संचालित हो रहा है

सुनियोजित पूर्ण तरीके से आयोजित व संचालित इस आस्था का केंद्र बिन्दु दंदरौआ धाम के दिव्य दरबार के आयोजक स्वयं दंदरौआ धाम के मंहत श्री श्री 1008 रामदास महाराज के सानिध्य में आयोजित कराया जा रहा है जो कि सफलता पूर्वक लक्ष्य की परिणित होता नजर आ रहा है।और यहाँ बडे ही सौभाग्य से पधारे बागेश्वर धाम के मंहत प0 धीरेन्द्र शास्त्री द्वारा अपनी अलौकिक दिव्य शक्तियों से लाखों श्रद्धालुओ को भक्त रस पान कराकर तथा श्रद्धालुओ के ऊपर हावी आततायी राक्षसी प्रवृत्ति द्वारा रचे प्रपंच का तंत्र मंत्र से जीवन भर के लिए काटकर रोगमुक्त किया जा रहा है बागेश्वर धाम के महंत और पीठाधीश्वर प0 शास्त्री अपनी आलौकिक दैविय शक्तियो के दम पर वर्तमान कलयुग में विश्व के हर कोने कोने पर सनातनी धर्म का ध्वजा फहराने का कार्य कर रहे हैं।देश विदेश में जहाँ जहाँ उनके दिव्य दरबार आयोजित होते हैं वहां उमडती श्रद्धालुओ की भीड़ प्रसाशन के लिए भी चुनौती बन जाती है क्योंकि आस्था में डूबा मनुष्य सिर्फ और सिर्फ अपने आराध्य के दर्शन मात्र के लिए व्याकुल रहता है और इसी कारण विषम परिस्थिति भी निर्मित हो जाती है मगर भिंड प्रसाशन द्वारा उम्मीद से ज्यादा श्रद्धालुओ के उमड़ते जनसैलाब को नियंत्रित करना बहुत चुनौती पूर्ण बना हुआ था। मगर भिंड पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान तथा उनके दिशानिर्देश में कर्तव्य निष्ठा से

लबरेज डटे पुलिस कर्मियों द्वारा इस कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा रहा है जो कि बधाई के पात्र है और इसी से अभिभूत होकर स्वयं दंदरौआ धाम के मंहत श्री श्री 1008 रामदास महाराज और बागेश्वर धाम के महंत और पीठाधीश्वर प0 धीरेन्द्र शास्त्री भी बहुत खुश और संतुष्ट दिखाई दिए और इसी कारण दोनों मंहतो द्वारा आस्था दिव्य दरबार के विशाल मंच से श्रद्धालुओ के साथ भिंड पुलिस अधीक्षक और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को दरबार के प्रबंधन हेतु तथा कुशल नेतृत्व क्षमता के लिए बधाई प्रेषित की गयी। कि आप सभी लोगों ने इस जटिल कार्य को अपनी कर्तव्य निष्ठा से सफल बना दिया है। पूरा पंडाल तालियो की गड़गडाहट से गूंज उठा और इस तालियो की गड़गडाहट ने भिण्ड पुलिस अधीक्षक और उनकी टीम के लोग जहाँ खड़े होकर इस तालियों की गर्जना से गदगद हो उठे तालियो की गड़गडाहट ने स्वयं भिंड पुलिस अधीक्षक भी स्वयं को मुस्कुराने से न रोक सके यह बात बिल्कुल यथार्थ है कि तालियों की गड़गडाहट जब किसी व्यक्ति और संगठन के लिए मिलती है तो वह उसके लिए निश्चित ही उनके द्वारा किये गये अर्थक प्रयास का उचित एवं सटीक परितोषित होता है और उसकी कीमत बहुल्य होती है।

कथा के दौरान हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

दंदरौआ धाम में चल रही बागेश्वर धाम सरकार की कथा के दौरान प्रतिदिन लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के लिए एक विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है जिसकी विशेषता यह रही कि सब्जी बनाने के लिए जेसीवी मशीन का उपयोग किया जाता है तथा आटा के लिए मिक्सर मशीन का प्रयोग किया गया।जिससे लाखों की संख्या में आये श्रद्धालुओं के प्रसाद की सुगम व्यवस्था की गई।

इन्होंने संभाली व्यवस्था

इस अवसर पर जिला पुलिस कप्तान शैलेंद्र सिंह चौहान, एसपी कमलेश कुमार, एसडीएम वरुण अवस्थी, शुभम शर्मा, एसडीओपी सौरभ कुमार, आरकेएस राठौर सहित बड़ी संख्या में पुलिस इंस्पेक्टर तैनात रहे। जिसमें वीआईपी सुरक्षा में रामबाबू यादव, नरेंद्र सिंह कुशवाह, नागेश शर्मा ने मुस्तैदी के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभाली।

विधायक बन कर पिता के अधूरे सपने को पूरा किया सुदेश राय ने

● *रघुवर दयाल गोहिया,सीहोर

नगर में सेठ गेंदालाल राय का परिवार किसी भी परिचय का मोहताज नहीं है। उनके सभी पुत्र अपने विनम्र व्यवहार और समाज सेवा के लिए पहचाने जाते हैं। इनमें से एक हैं भाजपा के विधायक श्री सुदेश राय जिनका जन्म दिन 17 नवंबर को पूरे जिले में उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इसकी नगर सहित ग्रामीण अंचलों में भी जोरदार तैयारी चल रही हैं।

सुदेश राय का जन्म 17 नवंबर 1969 को नगर के बड़ियाखेड़ी में स्व. सेठ गेंदालाल रायजी के यहां हुआ। बचपन से ही उनमें खेल और सामाजिक कार्यों के प्रति

गहरी रुचि थी। उन्होंने नेसवाडिया कॉलेज पूणे से बिजनेस मेंनेजमेंट में डिप्लोमा किया। इसके साथ ही अपने व्यवसाय के अलावा सामाजिक कार्यों में जुट गए।

वह कांग्रेस पार्टी के बड़े युवा नेता के रूप में अपनी पहचान बना चुके थे। इस दौरान सन 2013 में अपने समर्थकों के विशेष आग्रह पर सीहोर विधानसभा क्षेत्र से पहली बार निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े और सफलता प्राप्त की। इस दौरान पुनः भाजपा की सरकार थी और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बन गए थे। अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास के कार्य कराने के उद्देश्य से 6 अप्रैल 2014 में आप प्रदेश भाजपा कार्यालय गए। वहां मुख्यमंत्री समेत प्रदेश के दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में श्री राय ने विधिवत भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और पार्टी के हर निर्देश का पूरे उत्साह के साथ पालन किया। अपनी शालीनता, विनम्रता और आज्ञाकारिता के चलते श्री राय ने अल्प समय में ही मुख्यमंत्री का विश्वास अर्जित कर लिया। यही वजह थी कि अनेक महत्वपूर्ण अवसरों पर स्वयं मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पूरे भरोसे के साथ सीहोर में कई कार्यक्रम आयोजित कराए। इन सभी के केंद्र बिंदु सुदेश राय ही बने रहे। इसका नतीजा यह रहा कि 2017 में भाजपा संगठन ने सुदेश राय को सीहोर से विधानसभा का चुनाव लड़ने का मौका दिया। इस चुनाव में भी श्री राय भारी बहुमत से विजयी हुए।

अपने पिछले चार सालों के कार्यकाल में श्री राय अभी तक पांच सौ करोड़ रुपये राशि के विकास कार्य करवा चुके हैं। जिनमें *शहरी क्षेत्र में 176 करोड़ और ग्रामीण क्षेत्र में 360 करोड़ रुपये के विकास कार्य शामिल हैं।*

कुछ महत्वपूर्ण विकास कार्य

श्री सुदेश राय के कार्यकाल की विशेष उपलब्धि बड़ियाखेड़ी औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना, सेकड़ाखेड़ी से पुराना हाईवे फोरलेन, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी से सोया चौपाल फोरलेन, शुगर फैक्टरी से गणेश मंदिर रोड, मंत्री पैट्रोल पंप से गणेश मंदिर पहुंच मार्ग, जिला अस्पताल भवन ट्रामा सेंटर, टाउन हॉल का जीर्णोद्धार, मनकामेश्वर महादेव मंदिर और गणेश मंदिर परिसर का जीर्णोद्धार, शहीद स्मारक, सीवन नदी का पुल निर्माण, हनुमान फाटक पर पुल निर्माण और शिवजी की विशाल प्रतिमा स्थापित की, आल्हादाखेड़ी स्टेडियम निर्माण, अनेक नवीन स्कूल भवन और उप स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण, शेरपुर सेकड़ाखेड़ी में 25 एकड़ में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान की स्थापना आदि महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं।

नगर के लोग और ग्रामीण जन श्री सुदेश राय का बहुत सम्मान करते हैं और आत्मीय लगाव रखते हैं। इसके साथ ही उनकी धर्म पत्नी श्रीमती अरुणा राय भी नगर की विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों में नियमित रूप से शामिल होती हैं और यथा संभव सहयोग करती हैं। बच्चों से उन्हें बेहद लगाव है। श्री सुदेश राय के हर कदम की हमसफर के रूप में उनकी खास पहचान है। नवरात्रि पर्व पर उनके द्वारा विशाल गरबा महोत्सव का आयोजन भी हर साल किया जाता है। एक हफ्ते से नगर में श्री राय के जन्म दिन के अवसर पर अनेक प्रतियोगिताएं व कार्यक्रम चल रहे हैं। इनकी बागडोर श्रीमती राय ही बखूबी संभाल रही हैं।

विधायक श्री राय से लोगों की अपेक्षा है कि नगर में पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए नर्मदा नदी का जल सीहोर को उपलब्ध कराया जाए, बंद शुगर मिल को पुनः चालू कराया जाए, शुगर मिल की भूमि से अतिक्रमण हटाया जाए और वर्षों से लंबित पत्रकारों के लिए प्रेस क्लब एवं आवास हेतु भूमि का आबंटन कराया जाए।

स्व. सेठ श्री गेंदालाल राय ने भी लड़ा था निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव

नई पीढ़ी को पता नहीं होगा कि वर्तमान विधायक श्री सुदेश राय के पिताजी सेठ स्व. श्री गेंदालाल रायजी भी सन 1972 में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ चुके हैं। उनका चुनाव निशान शेर था। हालांकि वह चुनाव हार गए थे। उस समय श्री अजीज कुरेशी कांग्रेस, स्व. श्री सुदर्शन महाजन भारतीय जनसंघ, स्व. श्री हरिराम उमरे सोशलिस्ट पार्टी, मुंशीलाल खाती और कमल किशोर मिश्रा (दोनों निर्दलीय) भी चुनाव लड़े थे। इस चुनाव में श्री अजीज कुरेशी विजयी हुए थे। सीहोर जिले में 1972 तक कुल सात विधानसभा क्षेत्र थे। इनमें सीहोर, आष्टा, बुधनी, भोपाल, गोबिंदपुरा, बैरसिया तथा बैरागढ़ के नाम शामिल थे।

1972 में सेठ गेंदालाल राय ने भी निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लड़ा था चुनाव

कांग्रेस से भी लड़ चुके हैं सुदेश राय विधानसभा का चुनाव

ट्रेक बदला और हासिल कर ली विजयश्री

सुदेश राय कांग्रेस के बड़े युवा नेता थे। उन्होंने सन 2008 में कांग्रेस के टिकट पर भी सीहोर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था। तब भाजपा के कद्दावर नेता रमेश सक्सेना ने विजय प्राप्त की थी।

***इसके बाद सुदेश राय ने ट्रेक बदला। वह निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े और विजयश्री हासिल की। यह दिलचस्प संयोग है कि अब श्री सक्सेना कांग्रेस के नेता हैं और सुदेश राय भाजपा विधायक हैं।**

भारतीय हलदर किसान यूनियन ने समस्याओं को लेकर प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

● ब्यूरो सोनू कुमार माथुर, एटा

भारतीय हलधर किसान यूनियन ने आज किसानो और जनमानस की समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन जिलाधिकारी महोदय के नाम दिया, जिसको अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार ने लिया, जिसमे डीएपी की 12000 मेट्रिक टन की खपत है अगर अब तक 3000 मेट्रिक टन ही उपलब्ध हो पाई है जिला एटा मे, जिससे किसानो की बुवाई बाधित हो रही है। किसान पहले से ही सूखा व अतिवर्षा से प्रभावित है इसलिये इसकी जल्द उपलब्धता कराई जाए, और माननीय मुख्यमंत्री के आदेशानुसार किसानो की खेती का नुकसान का मुआवजा लेखपालो द्वारा किया जाना है किन्तु लेखपाल अपना कार्य मौके पर न जाकर घर बैठकर ही अधिकतर रिपोर्ट लगा रहे जिससे किसानो को मुआवजा सही से नही मिल पा रहा है। ज्ञापन साजन देव वार्ष्णेय (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा) की अध्यक्षता में दिया गया उन्होने कहा कि फसल बीमा बैंक द्वारा के.सी.सी. के समय दर्जकर प्रीमियम काट लिया जाता है। और उसी समय दर्ज फसल को ही दर्शाकर दिखा दिया जाता है। जिसे पूर्व खतौनी में दर्ज फसल को ही लेखपाल रिपीट कर देते हैं जिससे आपदा की स्थिति में खतौनी में दर्ज फसल के आधार पर ही बीमा का भुगतान होता है। जबकि बैंक के मैनेजर द्वारा और कोई फसल दर्ज कर दी जाती है। वहीं भारतीय किसान हलधर यूनियन व्यापारी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज गुप्ता ने एटा में सड़को की टूटी फूटी जर्जर हाल को लेकर कहा की बुरी हाल सड़को पर धूल उड़ती रहती है जिससे जन मानस में बीमारीया उत्पन्न हो रही है और आए दिन दुर्घटना होती रहती है। अगर इनको जल्द से जल्द निर्माण नही कराया गया तो हम धरने पर बैठने को मजबूर होगें। उपस्थित यूनियन में सुधीर राघव (राष्ट्रीय प्रवक्ता), अजीत प्रताप सिंह (प्रदेश सचिव), संजीव शर्मा प्रदेश प्रवक्ता, जय प्रकाश यादव,उमेश गुप्ता, प्रशान्त गुप्ता, वैभव कैलानी, विश्वनाथ प्रताप सिंह, पवन सोलंकी, रोहित सिसोदिया, अनुज चौहान, संजीव चौहान, अंकित यादव, संजीव शर्मा, आदि भारतीय हलधर किसान यूनियन के कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

रोटरी क्लब एटा ने आयोजित कराई चित्रकला प्रदर्शनी प्रतियोगिता

● ब्यूरो सोनू कुमार माथुर, एटा

रोटरी क्लब एटा ने आज आजादी के पावन पर्व पर 75वे अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य मे चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे लगभग 15 पन्द्रह स्कूल के बच्चों ने 150 बच्चो ने प्रतिभाग किया जिसमे बच्चों ने बहुत ही अच्छी चित्रकला बनाई जो बहुत ही मनमोहक देश भक्ति को दर्शाती हुई बनाई थी जिसमे मुख्य अतिथि आदित्य प्रकाशवर्मा (आई.पी.एस) सेनानायक 43 वी वाहिनी पी.ए.सी. ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम को शुभारम्भ किया जिसमे 6 क्लास से 8 क्लास तक के बच्चो ने प्रतिभाग किया. प्रथम पुरुस्कार आयुषी चौहान (से-टपाल्स) द्वितीय पुरस्कार भूमि शुक्ला (असीसी कान्वेट) तृतीय पुरुस्कार शिखा शर्मा (वी.पी.एस) को मिला और सात बच्चो को सांतत्वना पुरस्कार दिया गया और सभी बच्चों को मैडल व प्रशस्ति पत्र के साथ सभी बच्चो को तिरंगा झंडा भेट किये गये मौजूद अध्यक्ष नीरज गुप्ता, सचिव सौरव कुमार कोषाध्यक्ष सचिन गुप्ता, मीडिया कोर्डिनेटर साजन देव ,अनुज गुप्ता, वरुण वार्ष्णेय कीर्ति जैन (सनी) ,विशाल वार्ष्णेय, डा-विशाल गुप्ता, चन्द्रमोहन, आयुष मिश्रा, प्रसून वार्ष्णेय, ज्योति गुप्ता, नेहा जैन रति गुप्ता, रतिका शर्मा, साधना देव, आदि रोटरी क्लब के सदस्य उपस्थित रहे।

युद्ध कला में निपुण भारतीय स्त्रियाँ

दिलीप मिश्रा साहित्य साधक से प्राप्त जानकारी के अनुसार कैकेयी से लेकर रानी लक्ष्मी बाई तक और लक्ष्मी बाई से लेकर इंदिरा गांधी तक और इंदिरा जी से लेकर आधुनिक अग्नि पथिका भारतीय नारियों के युद्ध कौशल और शौर्य का इतिहास पुरूषों से कम उज्जव और उत्कर्ष वर्धक नहीं है ? वल्कि अनेक बार तो भारतीय नारियाँ अपने शौर्य और युद्ध कौशल की वजह से पुरुषों से भी अग्रणी और अग्रिम पंक्ति में खड़ी दिखतीं हैं। इनमें से एक थी भगवान योगेश्वर- श्री कृष्ण की पत्नी महा योद्धा और युद्ध व्यूरचना में प्रवीण सत्यभामा जी। इस चित्र को देख कर आपको लगेगा कि यह नरकासुर वध के लिए गए श्रीकृष्ण और उनकी पत्नी सत्यभामा का यह सामान्य चित्र है। नरकासुर के छोड़े हुए अस्त्र को भेदकर दूसरा वार करने के लिए तैयार सत्यभामा के भावों को देखकर लगता है यह वार निर्णायक होगा। सत्यभामा दिखने में जितनी सुंदर है युद्धकला में उतनी ही निपुण भी है और जरा श्रीकृष्ण को तो देखिए, नीचे गरुड़ पर बैठे है। बाण छोड़ने के बाद झटका लगने से सत्यभामा का संतुलन न

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक
पुष्पांजली टुडे, ग्वालियर

बिगड़े इसलिए अपने पैर से सत्यभामा का पिछला पैर अडा रखा है श्रीकृष्ण के हाथ में विश्व का सबसे अचूक मारक अस्त्र सुदर्शन चक्र है। किंतु जब पत्नी युद्ध कर रही है, कृष्ण स्वयं आड़ लेकर बैठे है और पत्नी के युद्ध कौशल को देखकर श्रीकृष्ण बलिहारी है, उसे कौतुक से देख रहे है। सनातन धर्म के इतर विश्व के किसी पंथ, संप्रदाय, विचारधारा में नारीवाद के ऐसे मुक्त विचार का उदाहरण नहीं मिलता है, जहाँ स्त्री पुरुष स्वतंत्र भी है और परस्पर पूरक भी जहाँ नारी व्यक्तित्व भी है, व्यक्ति भी जहाँ पुरुष स्त्री की स्वतंत्रता से विस्मित भी है और उसका आधार भी कितना सुंदर विचार कैसा अद्भुत आध्यत्म दर्शन है सनातन धर्म में और उसके जीवनी में कितना कुछ है है हमारे धर्म में, संस्कृति में जिस पर हम गर्व कर सकें। बस विषैले नरेटिव्स से परे सत्य देखने समझने की नजर और इच्छा होनी चाहिए 7 आज जहाँ विश्व में हिज़ाब पर हाहाकार और इससे पीड़ित नारियों में आक्रोश हैं वहीं भारत का सनातन धर्म कहता है कि जिस जगह नारियों की पूजा होती है वहा देवता निवास करते हैं। विश्व में जहाँ एक ओर तीन तलाक और चार चार विवाह को शरिया के अनुसार जायज बताया गया है, वही भारत का सनातन पुरूष पुरूषोत्तम श्री राम अपनी एक पत्नी को आततायी यवन राक्षस रावण से छुड़ाने के लिए सागर की छाती पर सेतु का निर्माण कर विश्व को अचंभित कर देते हैं और विश्व को रामसेतु का आश्चर्यजनक धरोहर दे देता है। भारतीय नारियाँ आज के डिजिटल प्लेट फार्म पर और इस अंध युग में भी अपनी वैशिष्ट्यपूर्ण जीवन जी कर विश्व को आश्चर्य कर रहीं हैं। शत् शत् नमन् वीरंगना कैकेयी, सत्यभामा और वीरांगना लक्ष्मीबाई से लेकर प्रियदर्शनी शहीद इंदिरा गांधी तक भारतीय नदियों को जिनने नरश्रेष्ठ नरोत्तम नारायण को भी अपनी कौख से जन्म दिया।

पुरा संपदा से समृद्ध जिला सीहोरः प्राकृतिक सौंदर्य की अनुपम छटा

● *रघुवर दयाल गोहिया,सीहोर

सीहोर का प्राचीन नाम सिद्धपुर बताया जाता है। इस संबंध में नगर की जीवन रेखा कही जाने वाली शिवना नदी में से संस्कृत भाषा में एक शिला लेख भी कुछ दशक पूर्व मिला था। बाद के समय में धीरे धीरे धीरे यह शियर, सियर, सीओर और सीहोर हो गया। पुराणों में वर्णित नर्मदा और पार्वती नदी भी इसी जिले से होकर गुजरती हैं। विंध्याचल पर्वत श्रेणियों के साथ मिले जुले वनांचलों के कारण इनका प्राकृतिक सौंदर्य बरबस ही सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करने में सक्षम है।

जिला सीहोर और इसके आसपास के जिलों की ऐतिहासिक धरोहरों, प्राकृतिक और धार्मिक संपत्तियों को ध्यान में रखते हुए, जिले में पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए सीहोर पर्यटन परिषद की स्थापना के लिए पंजीकरण संख्या 298030 दिनांक 11.04.2014 के साथ पंजीकृत किया गया है। सीहोर पश्चिम रेलवे के भोपाल-रतलाम ब्लॉक में स्थित, भोपाल-इंदौर राजमार्ग पर भोपाल से सड़क मार्ग से 35 किमी दूर हवाई मार्ग से भी राज्य की राजधानी भोपाल से जुड़ा हुआ है।पर्यटन के दृष्टिकोण से जिला सीहोर के नजदीक गोपालपुरा पेशवा के समय का 3 किमी दूर गणेश मंदिर स्थित है, जहां हर बुधवार को हजारों भक्त आते हैं। कुंवर चैन सिंह की समाधी शहर से 2 किमी दूर स्थित है। 1838 में निर्मित आल सेंट चर्च ब्रिटिश स्कॉटलैंड के चर्च की प्रतिकृति है। सीहोर जिले से होकर गुजरने वाली पार्वती, दुधी नेवज, कोलार, पपनास, कुलांस, सीप, लोटिया नदियों के तट पर कई ऐतिहासिक साक्ष्य मिलते

हैं। विक्रम संवत 1548 कस्बा सीहोर में निर्मित ऐतिहासिक जैन मंदिर, सीवन नदी के तट पर स्थित हनुमान गढ़ी, शहर से 35 किमी दूर लखवारी गाँव में कोलार नदी पर स्थित कोलार का डेम, आष्टा में जैन मंदिर, आष्टा से 35 किमी दूर रामपुरा बाँध आदि प्रमुख हैं।

पार्वती नदी सीहोर से लगभग 80 किमी दूर स्थित है। सीहोर जिला आकर्षक पर्यटन स्थलों, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक धार्मिक मंदिरों, मस्जिदों, चर्चों और गुरुद्वारों से अभिभूत है। यहां सारू-मारू की गुफाएँ, तिनपुरा,गौंड रानी कमलापति का गिन्नौरगढ़ किला, सीहोर जिले का एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थान है। इस किले से करीब 10 किमी आगे विंध्याचल पर्वत के शिखर पर प्रदेश का प्रसिद्ध सलकनपुर देवी धाम स्थित है जो लगभग 5 सौ वर्ष पुराना बताया जाता है। नवरात्री पर्व पर यहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। इसके अलावा टपकेश्वर महादेव, नीलकंठ महादेव, आंवली घाट, केरी के महादेव, कोलार डेम, कालिया देव, तवा और संगम बांद्रा पर स्थित अनेक सुंदर झरने व ऐतिहासिक स्थान हैं जो पर्यटकों को ताजगी एवं आनंद देते हैं। सीहोर जिले में स्थित कोलार डेम पर्यटकों के आकर्षण के साथ-साथ नौका विहार के लिए भी जाना जाता है। सलकनपुर नर्मदा क्षेत्र के तहत शहर से लगभग 100 किमी दूर है, सल्कनपुर में 800 फीट की ऊंचाई पर, माँ बिजासन देवी का मंदिर स्थित है जहाँ हर साल नवरात्रि उत्सव के दौरान लाखों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं और रोपवे की भी व्यवस्था की जाती है। मंदिर में पहुंचने के लिए भक्त। इसी तरह इछावर रोड पर काकखेड़ा माता मंदिर, इछावर शहर के पास बारह खंभा मंदिर है जहां हर साल दीपावली के दूसरे दिन पशु मेले का आयोजन किया जाता है। जिसमें हजारों लोग उपस्थित होते हैं ।

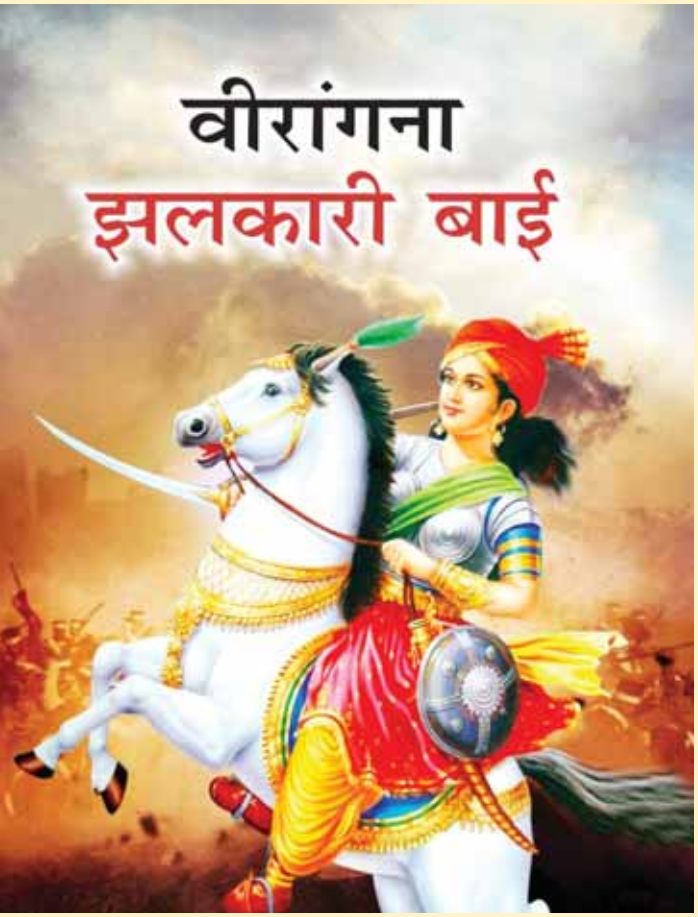

हिन्दुस्तान में जन्मी एक आंधी हैं
झलकारी बाई

कहानी इनकी बहुत करारी हैं
वीरांगना झलकारी बाई तेज धारी हैं ,

फिरंगी के आगे न हारी हैं
भारत की अतुल्य श्रेष्ठ नारी हैं ,

हिन्दुस्तान में जन्मी एक आंधी हैं
झलकारी बाई बनी अंग्रेजों के गले की फांसी हैं ,

इनके साहस के सामने कोई ठहर न सका
मातृभूमि की रक्षा के लिए दुर्गा का रूप धरा ,

झांसी राज्य की सेना का मोर्चा संभाला
अपने कर्तव्य के लिए खुद को मिटा डाला ,

अंग्रेजों के सामने अपना सर न झुकने दिया
सैकड़ों फिरंगियों को बहादुरी से खत्म किया ,

ऐसी ज्ञानी ताकतवर गुणी सेनापति थी
झलकारी बाई नारी शक्ति की नायक थी ,

वह तो झांसी की झलकारी बाई
गोरों को सबक सिखा गई ,

रानी लक्ष्मीबाई वन जौहर दिखा गई
इतिहास के पन्नों में झलक रही
वह भारत की ही नारी झलकारी बाई।

लेखिका श्रीमती क्रांति देवी आर्य
ग्वालियर मध्यप्रदेश
स्वरचित रचना

झलकारी बाई का जन्म बुंदेलखंड के एक गांव में 22 नवंबर को एक निर्धन कोली परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम सदोवा (उर्फ मूलचंद कोली) और माता जमुनाबाई (उर्फ धनिया) था। झलकारी बचपन से ही साहसी और दृढ़.प्रतिज्ञ बालिका थी। बचपन से ही झलकारी घर के काम के अलावा पशुओं की देखरेख और जंगल से लकड़ी इकट्ठा करने का काम भी करती थी। एक बार जंगल में झलकारी मुठभेड़ एक बाघ से हो गई थी और उन्होंने अपनी कुल्हाड़ी से उस जानवर को मार डाला था। वह एक वीर साहसी महिला थी। झलकारी का विवाह झांसी की सेना में सिपाही रहे पूरन कोली नामक युवक के साथ हुआ। पूरे गांव वालों ने झलकारी बाई के विवाह में भरपूर सहयोग दिया। विवाह पश्चात वह पूरन के साथ झांसी आ गई। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की नियमित सेना में, वह महिला शाखा दुर्गा दल की सेनापति थीं। वह लक्ष्मीबाई की हमशक्ल भी थीं, इस कारण शत्रु को धोखा देने के लिए वे रानी के वेश में भी युद्ध करती थीं। सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजी सेना से रानी लक्ष्मीबाई के घिर जाने पर झलकारी बाई ने बड़ी सूझबूझ, स्वामीभक्ति और राष्ट्रीयता का परिचय दिया था। रानी के वेश में युद्ध करते हुए वे अपने अंतिम समय अंग्रेजों के हाथों पकड़ी गई और रानी को किले से भाग निकलने का अवसर मिल गया। उसका विवाह रानी लक्ष्मीबाई की सेना के एक सैनिक पूरन कोरी से हुआ। पूरन भी बहुत बहादुर था और पूरी सेना उसकी बहादुरी का लोहा मानती थी। एक बार गौरी पूजा के अवसर पर झलकारी गाँव की अन्य महिलाओं के साथ महारानी को सम्मान देने झाँसी के किले में गयीं, वहाँ रानी लक्ष्मीबाई उन्हें देख कर अवाक रह गईं, क्योंकि झलकारी बिल्कुल रानी लक्ष्मीबाई की तरह दिखतीं थीं। रानी लक्ष्मीबाई झलकारी की बहादुरी के बारे में जानकर प्रभावित हुईं और दुर्गा सेना में शामिल कर लिया। झलकारी ने यहाँ अन्य महिलाओं के साथ बंदूक चलाना, तोप चलाना और अन्य हथियारों का प्रशिक्षण लिया। और आगे चलकर झलकारी दुर्गा सेना की सेनापति बनीं। 1951 में बी.एल. वर्मा द्वारा रचित उपन्यास झाँसी की रानी में उनका उल्लेख किया गया है, वर्मा ने अपने उपन्यास में झलकारीबाई को विशेष स्थान दिया है. उन्होंने अपने उपन्यास में झलकारीबाई को कोरियन और रानी लक्ष्मीबाई के सैन्य दल की साधारण महिला सैनिक बताया है. एक और उपन्यास में हमें झलकारीबाई का उल्लेख दिखाई देता है, जो इसी वर्ष राम चन्द्र हेरन द्वारा लिखा गया था, उस उपन्यास का नाम माटी था. हेरन ने झलकारीबाई को उदात्त और वीर शहीद कहा है. झलकारीबाई का पहला आत्मचरित्र 1964 में भवानी शंकर विशारद द्वारा लिखा गया था, भवानी शंकर ने उनका आत्मचरित्र का लेखन वर्मा के उपन्यास और झलकारी बाई के जीवन पर आधारित शोध को देखते हुए किया था.

न कोई बात होती है

न अच्छी रात होती है ।
न अच्छी प्रातः होती है ।।
न कोई फोन आता है,
न कोई बात होती है।।

समय का खेल ऐसा है,
कि दिल के तार टूटे हैं।
जरा सी हो गई अनबन,
कि अपने साथ छूटे हैं।।
सुखा दी भावना सबने,
परस्पर घात होती है।।

न कोई फोन --------

(2)

पुरानी बात मत करना,
सुनेगा कौन है तूती ।
मिलेगा अब कहां तुमको,
पुराना खेस वो सूती ।।
हँसी का दौर आया है,
हँसी में बात होती है।
न कोई फोन --------

नई ये खैल के बच्चे,
नशे में चूर रहते हैं।
बड़ों को समझते उल्लू ,
बड़ों से दूर रहते हैं।।
क्या आदर- अनादर है,
समझ अज्ञात होती है।

न कोई फोन ------

(4)

अनौखे काम लोगों के,
अनौखे शौक पाले हैं ।
किसी ने बिल्लियां पालीं,
किसी ने श्वान पाले हैं ।।
मनुजता बैर में पलती,
रोज शह-मात होती है।
न अच्छी रात होती है।
न अच्छी प्रातः होती है।।
न कोई फोन आता है,
न कोई बात होती है।।

-रामवरण ओझा
ग्वालियर

हर्सी हाय लेबल नहर से रिस रहे पानी की रोकथाम के उपाय शीघ्र करे सिंचाई विभाग : मोहन सिंह राठौर

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो भितरवार

अनुभाग के ग्राम बैलगडा से होकर निकली हरसी हाई लेवल उच्चस्तरीय नहर परियोजना मैं पिछले कई वर्षों से पानी का रिसाव हो रहा है जिससे ग्राम के कई घरों मैं निरंतर पानी भरने से उन्हें क्षति पहुंच रही है तो वही ग्राम के स्कूल का भवन भी पानी भरने के कारण पूरी तरह से जर्जर हालत में पहुंच गया है जिससे बच्चों के साथ कभी भी कोई बड़ा हादसा घटित हो सकता है। जिससे परेशान ग्रामीण जनों द्वारा कई बार विभागीय अधिकारियों को नहर से सीपेज हो रहे पानी को बंद कराने के संबंध में अवगत कराया गया है लेकिन विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई थी, जबकि गांव में कई घर ऐसे हैं जो आसपास पानी जमा हो जाने के कारण धराशाई होने की स्थिति में पहुंच गए हैं इसी से आक्रोशित ग्रामीण जनों द्वारा इसकी शिकायत भाजपा नेता और समस्याओं के लिए सदैव संघर्षशील मोहन सिंह राठौर जी से की गई। ग्रामीणों द्वारा मिली शिकायत के आधार पर भाजपा नेता मोहन सिंह राठौर सिंचाई विभाग के एसडीओ और यंत्री शर्मा जी के साथ ग्राम में पहुंचे जहां उन्होंने ग्रामीणों की समस्या सुनी और मौका स्थल का निरीक्षण करते हुए सिंचाई विभाग के अधिकारियों को सख्त लहजे में हिदायत देते हुए कहा कि नहर से रिस रहे पानी की रोकथाम के उपाय प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से किए जाएं। घरों के आसपास जमा हो रहे नहर के रिशते हुए पानी के कारण अगर कोई मकान धराशाई हो गया या अन्य कोई घटना घटती है जिसकी जिम्मेदारी हरसी हाई लेवल उच्चस्तरीय नहर परियोजना के अधिकारियों की होगी। इसीलिए यथाशीघ्र पानी की उचित

निकासी या रिसाव को रोकने के लिए शीघ्रता से कार्य किया जाए। इस दौरान साथ गए सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीण जनों के साथ पानी की सीपेज को रोकने के लिए विचार मंथन किया तो तय किया गया कि नहर के रिसाव को बंद नहीं किया जा सकता है, लेकिन रिस रहे पानी की उचित निकासी के लिए रावत मोहल्ला एवं बघेल मोहल्ला में सीमेंट कंक्रीट युक्त लगभग 350 - 350 मीटर लंबे पक्के नाले निर्माण कराए जाए तो नहर का जो पानी रिस कर गांव में भर रहा है जिससे ग्रामीण जनों के मकानों को क्षति पहुंच रही है। उस पानी को नाले के माध्यम से गांव से बाहर निकाला जा सकता है। और लोगों के मकानों को जो क्षति हो रही है उस से बचाया जा सकेगा। जिस पर श्री राठौर ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि जल्द ही नहर के पानी के रिसाव की समस्या से जो गांव में पानी भरने से जगह-जगह कीचड़ हो रही है साथ ही घरों और स्कूल भवन को क्षति हो रही है उसकी रोकथाम के लिए नाले का निर्माण कराया जाएगा जिसके लिए जल्द ही जिले के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट जी से एक ग्रामीण किसानों के प्रतिनिधिमंडल के साथ संपर्क कर राशि आवंटित कराने हेतु संपर्क किया जाएगा तब तक अधिकारी इसका एस्टीमेट बनाएं और कितनी राशि इसमें खर्च होगी इसका आकलन करें।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग तैराक ने विदेशों में किया चंबल क्षेत्र का नाम रोशन

● मोनू बाथम संवाददाता पुष्पांजली टुडे

गोहद विदेशों में अंतरराष्ट्रीय तैराकी में निरंतर तैराकी करने वाले दिव्यांग तैराक सत्येंद्र लोहिया ने देश विदेशों में चंबल की माटी का नाम रोशन किया है सत्येंद्र लोहिया दोनों पैरों से दिव्यांग है उसके बावजूद उन्होंने तैराकी में भाग लेते हुए देश का नाम रोशन किया कार्यक्रम के चलते ग्वालियर से गोहद की ओर निकले सत्येंद्र लोहिया का ग्वालियर मालनपुर गोहद चौराहा घूम का पूरा आदि पर जगह जगह स्वागत हुआ इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सत्येंद्र लोहिया ने बताया कि इंसान शारीरिक दिव्यांगता को दरकिनार कर सकता है उन्होंने कहा की वास्तविक में दिव्यांग वह है जो हष्ट पुष्ट होते हुए भी कुछ करने की लालसा नहीं रखता यदि मेरे जैसा 70त्न दिव्यांग देश विदेशों में गोल्ड मेडल ले सकता है तो ऐसे सभी जनों को अपने मन में कुछ करने की लालसा रखना चाहिए जिससे यदि कुछ कर सकते हैं तो दिव्यांगता नहीं होती हमें बहुत कुछ अच्छा करने की हमेशा सोच रखनी चाहिए और युवाओं को भी हमेशा इसी तरह आगे बढ़ना चाहिए

आयुर्वेद और योग के समावेशन में छिपा है हर संभव बीमारी का इलाज : डॉ. महिमा शर्मा

आयुष मंत्रालय भारत सरकार के कोविड-19 के खिलाफ लक्ष्य में क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान द्वारा व्यक्ति गत रोग निवारण में अहम भूमिका

महेन्द्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे, ग्वालियर

आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी कोविड-19 महामारी के दौरान व्यक्तिगत देखभाल के लिए आयुर्वेदिक निवारक उपाय और कोविड-19 के प्रबंधन के लिए आयुर्वेद और योग पर आधारित राष्ट्रीय बैदानिक प्रबंधन प्रोटोकॉल के आधार पर कोविड-19 के दौरान रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए तथा अन्य संभव रोगों के निवारण में आयुर्वेद आधारित आहार और जीवन शैली दिशा निर्देशन द्वारा क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान अहम भूमिका निभा रहा है। बता दें कि क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान केंद्रीय आयुर्वैदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के अंतर्गत आता है जिसमें एक डॉक्टरों की टीम ग्राम में जाकर लोगों को व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनकी समस्याओं को समझकर आयुर्वेद द्वारा हर संभव निवारण में जुटे है। इसी तरह डॉक्टरों की एक टीम आयुर्वेद दवाओं के साथ ग्राम बिरखड़ी, तहसील गोहद के अंतर्गत गरीब असहाय एस सी के लोगों के लिए हर गुरुवार को अपनी सेवा देने में समर्पित है। एससीएसपी प्रोजेक्ट के तहत डॉक्टर महिमा शर्मा द्वारा आयुर्वेदिक दवा के साथ उनका इलाज सरकार की तरफ से फ्री किया जाता है बिरखड़ी हनुमान जी मंदिर बजरिया में 28 अप्रैल 2022 से शुरू किया है और 31 मार्च 2023 तक चलेगा यहां बता दें कि एस सी के लोग बिरखड़ी के अलावा अन्य गांव और शहरों से भी आते हैं, डॉक्टर महिमा शर्मा व उनकी टीम सही समय 10 बजे सुबह मंदिर में पहुंचकर मरीजों को देखना प्रारंभ करती हैं और दोपहर 2-00 बजे तक मरीजों को देखती हैं यहां सभी तरह की इनकी ब्लड शुगर अन्य सैंपल लेकर जांच की जाती है 2-00 बजे के बाद पूरी टीम के द्वारा घर-घर जाकर इस सीजन का सर्वे किया जाता है गुरुवार को पूरे इलाज व सर्वे मैं पूरी टीम कार्य करती है डॉक्टर महिमा शर्मा की योग्यता देखते हुए उनके अपना अनुभव की लोग तारीफ करते नही थकते। जिस व्यक्ति को दवा दी उसे पूरी तरह स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होता है लोग अंबाह, पोरसा, गोहद, चिनकूपुरा, सिरसौदा, रठीयापुरा और पूरा बिरखड़ी गांव आता है डॉ महिमा शर्मा से इलाज के लिए यहां हर गुरुवार को मंदिर पर भीड़ लगती है डॉ शर्मा हर गुरुवार करीबन 100 से अधिक मरीजों का उपचार कर रही हैं। डॉ महिमा शर्मा व उनकी टीम में फार्मासिस्ट रवि कुमार, कार्यालय सहायक सुदीप पुरेनदर, लैब टेक्नीशियन वीरेंद्र धाकड़, वाहन चालक नवीन है। सभी लोग वाले से आते हैं।

अपने स्वास्थ्य को लेकर रहिए सावधान, तनाव से बचने की करें कोशिश

मधुमेह ग्रसित होने पर बैलेंस डाइट एवं एक साथ ज्यादा खाना खाने की बजाय 2-3 घंटे के अंतराल पर थोड़ा-थोड़ा खाना खाना चाहिए। साथ ही दिन भर की एक उचित समय सारणी बनाएं तथा उसका पालन करें। यह मधुमेह को नियंत्रित रखने के लिए एक अच्छा उपाय है।

आम लोगों में मधुमेह (डायबिटीज) बीमारी को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए प्रति वर्ष 14 नवंबर को विश्व मधुमेह दिवस मनाया जाता है। आईडीएफ यानी इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन हर साल वर्ल्ड डायबिटीज डे के लिए एक थीम चुनता है। इस वर्ष के लिए उनका मेन फोकस है- ÷डायबिटीज केयर तक पहुंच- यदि अभी नहीं, तो कब?÷

देखा जाए तो गाँव से शहर की तरफ भागने के इस दौर में हम शहरी सुख-सुविधाओं और उन्नत तकनीकी का लाभ तो उठा पा रहे हैं, लेकिन शहरी भाग दौड़ के जीवन में विकसित हो रही अव्यवस्थित जीवनशैली और तनाव की वजह से मधुमेह बीमारी के शिकार हो जाते हैं। यही वजह है कि गांवों की तुलना में शहरी आबादी में डायबिटीज के रोगी ज्यादा मिलते हैं।

इसलिए इस बीमारी को रोकने के लिए न केवल जनजागरूकता बल्कि लाइफस्टाइल में बदलाव भी बेहद जरूरी है। सच कहा

जाए तो मधुमेह बीमारी में जागरूकता एवं बचाव की सबसे अहम भूमिका है, क्योंकि मधुमेह का नियंत्रण तो किया जा सकता है, पर इसे जड़ से ख़त्म नहीं किया जा सकता।

ऐसे में डाइबिटीज को यदि नियंत्रित ना किया जाये, तो इसका असर किडनी (गुर्दा), आँख, हृदय तथा ब्लड प्रेशर आदि पर पड़ता हैं। दरअसल, डायाबिटिज की बीमारी में शरीर में ब्लड शुगर की मात्रा बढ़ जाती है। ऐसा तब होता है, जब शरीर में हार्मोन इन्सुलिन की कमी हो जाती है या इन्सुलिन का शरीर की क्रियाओं के साथ संतुलन बिगड़ जाता है। चिकित्सा विशेषज्ञ बताते हैं कि हमलोग सामान्यतः मधुमेह रोग से बचने के लिए चीनी खाना कम कर देते हैं, किंतु यह सही नहीं है। चीनी से ज्यादा हमें कैलोरी का ध्यान रखना चाहिए। जैसे कि पराठे में चीनी नहीं होती, लेकिन उसमें कैलोरी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। ऐसे में वह पराठा यदि किसी को डायबिटीज होने का खतरा बना हुआ है तो उसके लिए घातक सिद्ध हो सकता है। मधुमेह ग्रसित होने पर बैलेंस डाइट एवं एक साथ ज्यादा खाना खाने की बजाय 2-3 घंटे के अंतराल पर थोड़ा-थोड़ा खाना खाना चाहिए। साथ ही दिन भर की एक उचित समय सारणी बनाएं तथा उसका पालन करें। यह मधुमेह को नियंत्रित रखने के लिए एक अच्छा उपाय है। लोगों को उचित समय अंतराल में ब्लड शुगर की जांच करानी चाहिए एवं साल में एक बार 3 महीने की मधुमेह रोग की जानकारी देने वाले टेस्ट एचबीए1सी को भी कराते रहना चाहिए। क्योंकि डायबिटीज शुरू होने के कई लक्षण आरम्भ में दिखने लगते हैं जिन्हें हमें इग्नोर नहीं करना चाहिए। इन लक्षणों को व्यक्ति आसानी से शुरूआत में ही पता लगा सकता है और डायबिटीज होने से बच सकता है।

अपने फिटनेस रूटीन का लेवल अप करना है? तो इन 5 टिप्स का पालन करें

अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को संबोधित करने और अपने संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए इन आसान फिटनेस टिप्स का पालन करें। ज्यादातर लोग मानते हैं कि फिटनेस सिर्फ एक व्यायाम व्यवस्था के बारे में है। हालांकि, यह आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों को शामिल करता है। इसलिए हमारे पास आपके लिए कुछ आसान फिटनेस टिप्स हैं जो न केवल आपकी इम्युनिटी को मजबूत करने में मदद करेंगे, बल्कि पुरानी बीमारियों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता भी बनाएंगे।हर दिन अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए 5 आसान फिटनेस टिप्स

डॉ धर्मेंद्र सिंह चौहान
जिलाध्यक्ष ग्वालियर एवं प्रदेश संपर्क प्रमुख अखिल भारतीय चिकित्सा संघ

संतुलित आहार लें

भोजन वह ईंधन है जो आपको चलाता है, और साथ ही, आपके शरीर का निर्माण खंड भी बनाता है। संतुलित आहार खाने का अर्थ है कि आपको विभिन्न प्रकार के भोजन का सही अनुपात में सेवन करना चाहिए। इसमें प्रत्येक भोजन में विटामिन और खनिजों के साथ पर्याप्त मात्रा में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा होना चाहिए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा फल और सब्जियों के पांच भागों, उच्च फाइबर स्टार्चयुक्त खाद्य पदार्थ, डेयरी या नॉन डेयरी विकल्प, बीन्स, दालें, मछली, अंडे और मांस, अनसैचुरेटेड फैट और तरल पदार्थ जैसे स्रोतों से प्रोटीन की सिफारिश करते हैं। यह याद रखना आवश्यक है कि वसा और कार्बोहाइड्रेट सहित प्रत्येक खाद्य समूह आपके समग्र स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अपने फिटनेस शासन को क्रियान्वित करें

अपनी फिटनेस व्यवस्था को बनाए रखने की संभावनाओं को अधिकतम करने के लिए इसे क्रियान्वित करना हमेशा महत्वपूर्ण होता है। इसमें व्यायाम करने के लिए सही समय की योजना बनाना, अपनी चुनी हुई व्यायाम व्यवस्था को चुनना और परिणामों को बेहतर बनाने के लिए अपना भोजन पकाना शामिल है। जबकि कुछ लोग सुबह व्यायाम करना पसंद कर सकते हैं, कई कामकाजी लोगों के लिए यह प्रैक्टिकल नहीं हो सकता है। उस स्थिति में, शाम को कुछ समय निर्धारित करना और यह सुनिश्चित करना सबसे अच्छा है कि आप किस समय खाली हैं। अपने फिटनेस लक्ष्यों के अनुसार सही व्यायाम चुनना भी महत्वपूर्ण है। यदि आपका लक्ष्य सामान्य स्तर की फिटनेस बनाए रखना है, तो नियमित रूप से टहलना, तैरना, साइकिल चलाना या दौड़ना पर्याप्त हो सकता है। दूसरी ओर, अधिक इंटेंस एक्सरसाइज रूटीन में क्रॉस-ट्रेनिंग, वेट ट्रेनिंग, हाई इंटेंसिटी एक्सरसाइज, और बहुत कुछ शामिल हो सकते हैं। धीरे-धीरे शुरू करें और फिर अपनी दिनचर्या बनाएं। आराम और पर्याप्त पोषण के माध्यम से उचित वसूली का पालन करना भी महत्वपूर्ण है।

बचाव के लिए मल्टीविटामिन

हमारे सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, हम में से अधिकांश अक्सर पर्याप्त पोषण से चूक जाते हैं। एक व्यस्त जीवन शैली, पहुंच की कमी, या वित्त के परिणामस्वरूप अक्सर भोजन की कमी हो सकती है या संतुलित भोजन की योजना बनाने में विफल हो सकता है। इसमें सभी आवश्यक और गैर-आवश्यक विटामिन और खनिज शामिल होते हैं। हालांकि वे एक संतुलित भोजन की जगह नहीं ले सकते हैं।

हाइड्रेशन को हाई रखें

मानव शरीर का मुख्य घटक पानी है, जो शरीर की संरचना का औसतन 60 प्रतिशत है। इसलिए, इसे भरना महत्वपूर्ण है क्योंकि शरीर पूरे दिन पसीने, मूत्र या अन्य निर्वहन के माध्यम से पानी खो देता है। पानी जोड़ों को चिकनाई देता है, शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है, शरीर में पोषक तत्वों के वाहक के रूप में कार्य करता है और यह सुनिश्चित करता है कि हमारे अंग ठीक से काम करते रहें। औसत महिला को कम से कम 11 गिलास पानी पीने की सलाह दी जाती है। जबकि एक औसत पुरुष को कम से कम 16 गिलास पानी पीना चाहिए। जबकि हाइड्रेटेड रहने के लिए पानी पहला पसंद होना चाहिए, अन्य स्रोत, जैसे कि कॉफी, चाय, या सुगंधित पानी भी मायने रखते हैं। हालांकि, बोतलबंद जूस या शीतल पेय जैसे मीठे ड्रिंक्स से दूर रहना सबसे अच्छा है।

आराम और बदलाव करना न भूलें

आराम और स्वस्थ होना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि सक्रिय और फिट रहना। आपके शरीर और दिमाग को नियमित रूप से टूट-फूट से उबरने के लिए समय चाहिए। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि आपकी नींद गुणवत्ता और मात्रा दोनों के लिहाज से पर्याप्त है। सुनिश्चित करें कि आप एक शांतिपूर्ण वातावरण में नियमित समय पर बिस्तर पर जाते हैं जो कि टीवी या आपके स्मार्टफोन जैसे विकर्षणों से मुक्त है। रात को सोने के अलावा, जब भी संभव हो, आपको अपने शरीर को आराम देने की कोशिश करनी चाहिए, खासकर यदि आप व्यस्त जीवन जीते हैं। मानसिक आराम भी उतना ही जरूरी है। मानसिक आराम और शांति सुनिश्चित करने में ध्यान और माइंडफुलनेस महत्वपूर्ण हो सकता है। हम सभी को एक फिट जीवनशैली के लिए प्रयास करना चाहिए जिसमें उचित पोषण के साथ व्यायाम शामिल हो। स्वस्थ आदतों का पालन करना और इन आसान फिटनेस टिप्स को फॉलो करना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, यह देखते हुए कि हम सभी काफी हद तक गतिहीन जीवन का पालन करते हैं।

मेडिकल के क्षेत्र में बनाएं कैरियर

मेडिकल ट्रांसक्रिप्शनिस्ट शुरुआत में 25-30 हजार रुपये प्रति माह तक कमा लेता है। यदि वह इस कार्य में पारंगत हो जाता है तो वह इस सीमा से काफी आगे भी निकल सकता है। ट्रांसक्रिप्शन के लिए भुगतान दर प्रति लाइन तय होती है। संचार क्रांति के इस युग में टेलीकम्युनिकेशन क्षेत्र का विस्तार बड़ी तेजी से हो रहा है। टेलीकम्युनिकेशन और इंफॉर्मेशन टेक्नालॉजी के क्षेत्र में आई इस क्रांति से देश के भीतर और बाहर दोनों ही जगह रोजगार के कई अवसर पैदा हुए हैं। टेलीकॉम क्रांति ने व्यावसायिक जगत में भारत को एक अहम स्थान दिया है, जिसके परिणामस्वरूप उपलब्ध अवसरों की संख्या में इजाफा हुआ है। ऐसे ही अवसरों में से एक है मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन।

मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन क्या है?

दरअसल अमेरिका में बीमा कंपनियां मरीजों के दिन-प्रतिदिन काम में आने वाली दवाओं में लगने वाले धन का रिअम्बरसमेंट (भुगतान) करती हैं। इसके लिए वे डॉक्टरों से मरीज के बारे में विस्तृत जानकारी मांगती हैं। इस जानकारी में मरीज का बैकग्राउंड, मरीज की बीमारी, मरीज को दी गई दवाओं का विवरण आदि सम्मिलित होता है। कानूनी तथा उपरोक्त कारणों से डॉक्टरों को मरीजों के बारे में यह समस्त जानकारी स्टोर रखनी पड़ती है और बीमा कंपनी को देनी होती है। डॉक्टर यह कार्य इस क्षेत्र में कार्यरत पेशेवरों से करवाते हैं। इसके लिए वे मरीज के बारे में डिक्टेशन रिकॉर्ड कर लेते हैं और इस रिकॉर्ड किए गए डिक्टेशन को पेशेवरों द्वारा सुन कर टैक्स्ट में परिवर्तित कर दिया जाता है। इस प्रकार डॉक्टरों द्वारा कानूनी कारणों से मरीजों का मेडिकल रिकॉर्ड रखा जाना मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन कहलाता है।

ट्रांसक्रिप्शनिस्ट का कार्य

ट्रांसक्रिप्शनिस्ट को साउंड फाइल को सुनते हुए उसे टाइप करना होता है। इसके लिए उन्हें अतिरिक्त तौर पर हैडफोन/इयरफोन और फुट पैडल की मदद लेनी होती है। हैडफोन के माध्यम से वे डिक्टेशन को सुनते हैं तथा फुट पैडल की मदद से वे इस डिक्टेशन की गति को नियंत्रित करते हैं। सामान्यतः यह टाइपिंग एमएस वर्ड में ही की जाती है। यह टाइपिंग लगभग 90 प्रतिशत तक सटीक होती है। इसके बाद क्वालिटी कंट्रोल के लिए इसे 2 क्वालिटी कंट्रोलरों द्वारा परखा जाता है और सटीकता को 98 से 100 प्रतिशत तक लाया जाता है। प्रथम स्तर पर की जाने वाली जांच किसी ऐसे पेशेवर से करायी जाती है जिसके पास कम से कम 1 साल का अनुभव हो। इसके पश्चात् द्वितीय स्तर पर कराई जाने वाली जांच किसी डॉक्टर या 3 साल का अनुभव रखने वाले पेशेवर से कराई जाती है।

योग्यता

वैसे इस कार्य को करने के लिए कानूनन कोई योग्यता निर्धारित नहीं की गई है, लेकिन फिर भी कोई भी ग्रेजुएट या नॉन ग्रेजुएट जिसकी अंग्रेजी भाषा पर अच्छी पकड़ हो, वह इस कार्य को कर सकता है। चूंकि इस कार्य में मेडिकल शब्दों को सुनते हुए उसे टैक्स्ट में परिवर्तित करना होता है, अतः यह समझा जाता है कि कार्य करने वाले व्यक्ति को पहले से ही मेडिकल शब्दों का ज्ञान है, वैसे यह जरूरी भी नहीं है। आप चाहे किसी भी क्षेत्र के हों, आप भी यह कार्य कर सकते हैं बशर्ते कि आप इसके लिए उचित प्रशिक्षण हासिल करें जिससे आपको मेडिकल शब्दों का ज्ञान हो जाएगा।

प्रशिक्षण

मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन का कार्य शुरू करने से पहले इसकी ट्रेनिंग भी ली जा सकती है। ट्रेनिंग के दौरान आपको फिजिशियन और अन्य पेशवेरों द्वारा डिक्टेट किए गए भाषण को समझना सिखाया जाता है। यह ट्रेनिंग 6 माह से लेकर 8 माह तक की होती है। इस ट्रेनिंग में अभ्यर्थी को मेडिकल शब्दों के बारे में, अमेरिकन इंग्लिश और ग्रामर के बारे में, प्रूफ रीडिंग, अलग-अलग तरह से बोले गए शब्दों को समझना, अस्पष्ट शब्दों को वक्ता से दोबारा पूछा जाना, संदर्भ ग्रंथों (रेफरेंस मेटेरियल) की मदद लिया जाना और तैयार की गई रिपोर्ट की फॉर्मेटिंग आदि कार्य सिखाए जाते हैं। आज जगह-जगह इस प्रकार की ट्रेनिंग देने वाले इंस्टीट्यूट खुल गए हैं।

इन कोर्स को करने पर मिलेगी गारंटीड जॉब, करें तैयारी

जब छात्र 12वीं पास करते हैं तो उनके सामने सबसे पहले यही सवाल होता है कि अब क्या करें। दरअसल, यही समय होता है, जब वह वास्तव में अपने कॅरियर की नींव रखते हैं। इस दौरान वह सबसे ज्यादा दुविधा में होते हैं। जहां कुछ छात्र 12वीं के बाद ग्रेजुएशन और फिर पोस्ट ग्रेजुएशन करना पसंद करते हैं तो वहीं कुछ छात्र चाहते हैं कि उन्हें जल्दी से जल्दी जॉब मिले। इसके लिए वह कुछ कोर्स का सहारा ले सकते हैं। दरअसल, आजकल ऐसे कई कोर्स हैं, जिन्हें 12वीं के बाद करने से आपको अच्छी जॉब मिल सकती है। तो चलिए जानते हैं इन कोर्सेज के बारे में-

वेब डिजाइनिंग

आज के समय में इंटरनेट का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। इतना ही नहीं, हर व्यक्ति खुद को डिजिटल करते हुए अपना बिजनेस व काम इंटरनेट के जरिए सबको दिखाना चाहता है। जिसके कारण वेब डिजाइनर की मांग काफी बढ़ गई है। आप 12वीं के बाद इस कोर्स को कर सकते हैं। वैसे तो यह कोर्स लगभग एक साल का होता है, लेकिन आप इस फील्ड में तीन से छह महीने के शॉर्ट टर्म कोर्स करके भी जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

इंटीरियर डिजाइनिंग

अगर आपको डिजाइनिंग व पेंटिंग करना पसंद है तो आप इंटीरियर डिजाइनिंग के क्षेत्र में हाथ आजमा सकते हैं। 12वीं के बाद आप किसी अच्छे इंस्टीट्यूट से इंटीरियर डिजाइनिंग का शॉर्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं। इसके बाद आपके लिए जॉब पाना काफी आसान हो जाएगा।

मेकअप आर्टिस्ट

आज के समय में मेकअप आर्टिस्ट की हर जगह डिमांड है। फिर चाहे बात न्यूज चैनल की हो या टीवी सीरियल की या फिल्मों की, मेकअप आर्टिस्ट की जरूरत पड़ती ही है। ऐसे में अगर आप अपने स्किल के जरिए अच्छा खासा पैसा कमाना चाहते हैं तो मेकअप व हेयरस्टाइलिंग का कोर्स करें। यह कोर्स एक महीने से लेकर छह महीने तक का होता है। यह कोर्स करने के बाद आप कई जगह पर जॉब पा सकते हैं।

योगा एक्सपर्ट

पिछले कुछ सालों में लोगों का क्रेज योग की तरफ बढ़ा है। इसके साथ ही योगा एक्सपर्ट की मांग भी बढ़ी है। आज के समय में लोग योगा करना चाहते हैं, लेकिन किसी योग विशेषज्ञ की देख रेख में। आप भी 12वीं के बाद योग से संबंधित कोर्स करके अपना करियर शुरू कर सकते हैं। शुरूआत में आप किसी योगा सेंटर में जॉब कर सकते हैं और बाद में आप खुद का योगा सेंटर भी खोल सकते हैं।

नोरा ने किया फीफा फेस्ट में परफॉर्म

फीफा विश्व कप 2022 के दौरान नोरा फतेही ने फीफा फेस्ट में जमकर पर्फॉर्म किया है, जिसके बाद उनके फैंस काफी खुश हैं। फेस्ट के दौरान नोरा फतेही ने बॉलीवुड गानों पर जमकर डांस किया है। नोरा की पर्फॉर्मेंस देखने के लिए बड़ी संख्या में फैंस स्टेडियम पहुंचे थे। फैंस काफी समय से इस पर्फॉर्मेंस का इंतजार कर रहे थे। नोरा की ये अट्रैक्टिव परफॉर्मेंस काफी वायरल हो रही हैनोरा फतेही उन चुनिंदा कलाकारों में शामिल हो गई हैं जिन्होंने फीफा विश्वकप में परफॉर्म किया है। नारा अब जेनिफर लोपेज और शकीरा जैसे कलाकारों की सूची में शामिल हो गई हैं जिन्होंने फीफा विश्व कप में पर्फॉर्मेंस दी है। नोरा फतेही एक मात्र बॉलीवुड की अभिनेत्री बन गई हैं जो फीफा के इवेंट में परफॉर्म कर चुकी है।जानकारी के मुताबिक नोरा फतेही ने 29 नवंबर की देर रात स्टेज पर परफॉर्म किया। उनकी एंट्री से लेकर उनके पूरे परफॉर्मेंस के दौरान फैंस काफी उत्साहित रहे। नोरा ने इस दौरान फीफा विश्व कप 2022 के आधिकारिक गाने लाइट द स्काई पर परफॉर्म किया। इसके साथ ही उन्होंने कई बॉलीवुड गानों पर भी धमाकेदार डांस कर अपने फैंस को खुश कर दिया। नोरा नाच मेरी रानी, दिलबर-दिलबर जैसे गानों पर थिरकती दिखीं।

अनन्या का रैंप वॉक

अनन्या पांडे ने एक इवेंट में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने स्टेज पर रैंप वॉक किया है, जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में अनन्या बेहद ग्लैमरस लुक में दिखाई दे रही हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि अनन्या ब्लू कलर के 'टू-पीस' आउटफिट में नजर आ रही हैं और उन्होंने ड्रेस के साथ मैचिंग हील्स भी पहनी है। इसी के साथ उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है। जिसे देखने के बाद फैंस ने उनके लुक की जमकर तारीफ की है अनन्या पांडे की अपकमिंग फिल्मों को बात करें तो वो एक बार फिर पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार है। अनन्या पांडे जल्द ही 'ड्रीम गर्ल-2' में दिखाई देंगी। इसी के साथ अनन्या पांडे फिल्म 'खो गए हम कहां' में भी नजर आएंगी।

क्या रिलेशनशिप हैं कृति?

वरुण धवन ने कृति और प्रभास के रिलेशनशिप वाली बात पर सफाई दी है। वरुण का कहना है कि उन्होंने कृति के बारे में जो भी बात कही वो सब मजाक थी।

वरुण ने कृति के सोशल मीडिया पोस्ट को री-शेयर करते हुए कहा है कि चैनल ने उनकी बातों को एडिट कर दिखाया है जिसकी वजह से कुछ अफवाह फैल गई। बता दें कि कृति सेनन और बाहुबली स्टार प्रभास के लिंकअप की खबरें आ रही थी जिसको लेकर वरुण ने भी एक रियालिटी शो के दौरान इनडायरेक्ट तौर पर दोनों के रिलेशन में होने की बात कही थी हाल ही में कृति सेनन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था कि मीडिया में उनके रिलेशनशिप को लेकर जो भी खबरें आ रही हैं वो सभी बेसलेस है। कृति का कहना है कि कुछ मीडिया पोर्टल में उनकी शादी तक की खबर चल रही है जो कि बिल्कुल बेबुनियाद है। कृति सेनन के पोस्ट को री-पोस्ट करते हुए वरुण धवन ने कहा चैनल ने बस ह्यूमर और मजे के लिए उस पार्ट को टेलीकास्ट किया।

आलिया बनेंगी कूल मॉम

आलिया भट्ट ने बेबी गर्ल को जन्म दिया है। तब से ही फैंस राहा कपूर का फेस देखने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं। इसी बीच अब खबरें आ रही हैं कि जल्द ही आलिया-रणबीर अपनी बेटी का फेस रिवील कर सकते हैं। बीते दिनों ये खबरें थी कि आलिया-रणबीर अपनी बेटी की सेफ्टी को मद्दे नजर रखते हुए उसका फेस नहीं रिवील करेंगे। हालांकि, अब रणबीर और आलिया के करीबी सूत्र ने बताया कि ऐसा नहीं है। अनुष्का की बेटी वामिका कोहली की तरह आलिया नो फोटो पॉलिसी जैसा कुछ भी नहीं प्लान कर रही हैं। बल्कि करीना की तरह अपनी बेटी को सोशल मीडिया पर एक्टिव रखेंगी। करीबी सूत्र ने कहा कि आलिया को पता है कि उनके स्टारडम के चलते वो चाहकर भी अपनी बेटी का फेस छिपा नहीं पाएंगी, इसलिए वो चिल मॉम की तरह अपनी बेटी को लेकर ज्यादा परेशान नहीं है। करीबी सूत्र की मानें तो आलिया-रणबीर जल्द ही बेटी के साथ मिनी वेकेशन पर जा सकते हैं। इस दौरान वो नहीं चाहेंगे कि उनकी बेटी का फेस करीब 6 महीने तक न रिवील हो, लेकिन इसके बाद आलिया खुद राहा की फोटोज शेयर करेंगी।